मंगलवार
25 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव ने पूर्णिया में डॉक्टरों की फीस को कराया कम

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

मुजफ्फरपुर में बैंक लूटने की साजिश नाकाम, दो अपराधी घायल

पुलिस के साथ मुठभेड़

- मुजफ्फरपुर के सिवाईपट्टी थाना के बनघारा में यूको बैंक को लूटने आए थे पांच अपराधी
- मुठभेड़ में थानेदार और अन्य पुलिस कर्मी बाल-बाल बचे

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में पुलिस की तत्परता और दिलेरी से बैंक लुटने से बच गया। मुजफ्फरपुर के सिवाईपट्टी थाना के बनघारा में यूको बैंक लूटने आए पांच अपराधियों से पुलिस भिड़ गई। दोनों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इसमें आखिरकार अपराधियों को वहां से भागना

पड़ा। इस मुठभेड़ में कांटी निवासी सुंदरम कुमार और मनियारी के माधोपुर सुस्ता निवासी दीपू कुमार के पांव में गोली लगी है। सुंदरम के पांव में दो गोली लगी है। जबकि दीपू के पांव में एक गोली लगी है। दोनों को इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। मुठभेड़ में सिवापट्टी थानेदार मनमोहन कुमार और अन्य पुलिस कर्मी बाल-बाल बचे हैं। अपराधी ने 10 राउंड गोली चलाई। पुलिस के बोलेरो में कई गोलियां लगी हैं। जवाबी फायरिंग में पुलिस की ओर से पांच राउंड फायरिंग की गई है। मौके से एक संदिग्ध को पुलिस पकड़कर पूछताछ कर रही है। वो अपराधी है या स्थानीय यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

सुबह से ही बैंक लुटेरों के मूवमेंट की मिल रही थी सूचना

एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि डीआईयू को सुबह से ही बैंक लुटेरों के मूवमेंट की सूचना मिल रही थी। अपराधियों का मोबाइल लोकेशन मूव कर रहा था। इसको लेकर कांटी, मीनापुर, पानापुर एवं जिले के सभी थानेदारों को अलर्ट कराया गया था। करीब चार बजे सिवापट्टी थानेदार को सूचना मिली कि तीन बाइक पर पांच अपराधियों को बनघारा की ओर जाते हुए देखा गया है। पुलिस टीम ने अपराधियों के मूवमेंट की दिशा में घेराबंदी की। इसी दौरान बनघारा में अपराधियों के धावा बोलने की सूचना मिली।

पहले भी यह गैंग बैंक लूट की वारदात को दे चुका है अंजाम

पुलिस जब पहुंची तो अपराधियों को भनक लग गई और बैंक से निकलकर अपराधी भागे। भागने के दौरान अपराधियों ने पिस्टल और कट्टा से फायरिंग की। अपराधियों ने 10 राउंड फायरिंग की है। इसमें कई गोली पुलिस की बोलेरो गाड़ी पर लगी। बोलेरो में बैठे थानेदार मनमोहन कुमार एवं अन्य पुलिस कर्मी बाल-बाल बचे। पुलिस गोली से घायल दोनों अपराधियों को इलाज के लिए मीनापुर पीएचसी ले गई। जहां से दोनों को बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर किया गया है। पहले भी अपराधियों का यह गैंग मीनापुर में बैंक लूट की वारदात को अंजाम दे चुका है। एसएसपी ने बताया कि दोनों अपराधी खतरे से बाहर बताए जाते हैं।

मुख्यमंत्री आवास घेरने पहुंचे अतिथि शिक्षकों पर लाठीचार्ज

सेवा समाप्त किए जाने के फैसले का कर रहे विरोध

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में सोमवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। अतिथि शिक्षक अपनी मांगों को लेकर सीएम आवास के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने पहले तो उन्हें समझा बुझाकर वापस जाने को कहा, लेकिन शिक्षकों के पीछे नहीं हटने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया।

अतिथि शिक्षकों का कहना है कि हमने लगभग 6 सालों तक विद्यालय में अपनी सेवाएं दीं। अब हमारी सेवा को समाप्त कर दिया गया है। जब राज्य में शिक्षकों की कमी थी तब हमारी नियुक्ति की गई और अब एक झटके में बाहर कर दिया गया। हम सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने आए हैं, लेकिन पुलिस हमें ऐसा करने से रोक रही है। बिहार में अतिथि शिक्षक पिछले 6 साल से उच्च माध्यमिक स्कूल में पढ़ा रहे थे। अब शिक्षा विभाग ने उन्हें सेवा मुक्त कर दिया है। 31 मार्च को उनके कार्यकाल का अंतिम दिन था।

चेतावनी के बाद भी नहीं हटे तो चली लाठी: प्रशासन

इस मामले में मजिस्ट्रेट वाय एच खान का कहना है कि धरना प्रदर्शन करने की जगह कहीं और है। ये लोग बेली रोड में पटना जू के पास आकर प्रदर्शन कर रहे थे जो कि गलत है। प्रशासन की ओर से उनलोगों को इस जगह को खाली करने की पहले चेतावनी दी गयी, जब नहीं हटे तो हल्का बल प्रयोग किया गया। इस घटना में किसी को गंभीर चोट आने की सूचना नहीं है।

नई शिक्षक बहाली के बाद किया गया पदमुक्त

आपको बता दे कि बिहार में कुल 4257 अतिथि शिक्षक थे। जो 10 + 2 विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पढ़ाते थे। नई शिक्षक की जब बहाली हुई तो इन्हें पदमुक्त कर दिया गया। उसके बाद से ये शिक्षक लगातार फिर से बहाल करने के मांग को लेकर प्रदर्शन करते रहे हैं। उनका कहना है कि अब इस उम्र में उन्हें नौकरी कहां मिलेगी।

संसद सत्र की शुरुआत: पहले दिन पीएम मोदी समेत 266 सांसदों ने ली शपथ

हमारी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक काम करेगी: मोदी

- बोले पीएम 25 जून कभी न भूलने वाला दिन, इसी दिन 50 वर्ष पूर्व देश में लगा था आपाताकाल
- देशवासी ये संकल्प करेंगे कि देश में फिर कभी कोई ऐसी हिम्मत नहीं करेगा

केटी न्यूज/पटना

18वीं लोकसभा का पहले सत्र की शुरुआत सोमवार से हुई। यह तीन जुलाई तक चलेगा। पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी समेत 266 सांसदों ने शपथ ली। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। संसद सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बयान देते हुए कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है जब नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण नए संसद भवन में हो रहा है। आज श्रेष्ठ भारत, विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ 18वीं लोकसभा की शुरूआत हो रही है।

पीएम मोदी ने कहा, लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक काम करेगी। लोगों ने हमारी सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए जनादेश दिया है, हमारी नीतियों, इरादों पर सहमति की मुहर लगाई है।

25 जून को इमरजेंसी लगा लोकतंत्र को दबोच लिया गया था

लोकसभा के 18वें सेशन के शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, लोगों को विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद है, अब तक उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह अपनी भूमिका निभाएगा, लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, भारत को जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता है, लोग संसद में नारेबाजी नहीं बल्कि ठोस काम चाहते हैं, वे बहस चाहते हैं, वे संसद में अशांति नहीं परिश्रम चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने इंदिरा गांधी की सरकार में 1975-77 तक चली इमरजेंसी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, कल 25 जून हैं। जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा से समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है। कल 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर जो काला धब्बा लगा था, उसके 50 वर्ष हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी ये कभी नहीं भूलेगी की संविधान को पूरी तरह नकार दिया गया था, भारत को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबोच दिया गया था। उन्होंने कहा, इमरजेंसी के ये 50 साल इस संकल्प के हैं कि हम गौरव के साथ हमारे संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए देशवासी ये संकल्प करेंगे कि भारत में फिर कभी कोई ऐसी हिम्मत नहीं करेगा, जो 50 साल पहले की गई थी और लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा दिया गया था। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन ने संविधान बचाने और आरक्षण बचाने को मुद्दा बनाया था। ऐसे में यह प्रधानमंत्री का कांग्रेस और विपक्ष पर हमला था। इसे उन्होंने आपातकाल की 50वीं बरसी के बहाने बोला।

मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर हैं मोदी, वह अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर हैं तथा अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट डाला और केंद्र सरकार के पहले 15 दिनों के कार्यकाल का हिसाब मांगा है। राहुल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में 15 दिनों में जो मुद्दे सबसे अधिक छाये रहे उसकी सूची जारी की। जिसमें ट्रेन दुर्घटना, नीट पेपर लीक, यूजीसी नेट में धांधली, महंगाई आदि शामिल है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला जारी रखते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को चेतावनी भी दे डाली। उन्होंने कहा मजबूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा। राहुल गांधी ने कहा, हमारा संदेश जनता तक पहुंच रहा है और कोई भी ताकत भारत के संविधान का बाल भी बांका नहीं कर सकती और हम इसकी रक्षा करेंगे।

नीट पेपर के नीचे के हिस्से में हुई छेड़छाड़

हजारीबाग। नीट पेपर लीक मामले की जांच के सिलसिले में ईओयू की टीम हजारीबाग के ओएसिस स्कूल पहुंची थी, जहां हैरान कर देने वाले खुलासे हुए हैं। टीम ने स्कूल में प्रश्न पत्र के नीचे के हिस्से में छेड़छाड़ पाया है। टीम ने जांच में पाया है कि प्रश्न पत्र के पैकेट के नीचे के हिस्से को बहुत ही बारीकी से टेंपर्ड किया गया था और फिर उसे चिपका दिया गया था। इस मामले में स्कूल प्रबंधक एहसान उल हक ने कहा कि उस समय हम लोगों की नजर में ये बात नहीं आयी थी। परीक्षा के 15 मिनट पहले पैकेट खोला गया था। कोई शातिर प्रोफेशनल ही लिफाफे के 7 लेयर अंदर जाकर ऐसा कर सकता है।

केंद्र का आदेश... कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए दिशा-निर्देश तैयार करे राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी

एजेंसी/नई दिल्ली

देशभर में नीट-यूजी परीक्षाओं में धांधली को लेकर हंगामा मचा हुआ है। उधर, विपक्ष भी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर हो गया है। इस बीच केंद्र सरकार ने हाल ही में अधिसूचित किए गए पेपर लीक विरोधी कानून के नियमों के बारे में जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) को कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा एनआरए को परीक्षा से पहले, परीक्षा के दौरान और परीक्षा के बाद की गतिविधियों के लिए नियम तैयार करने के निर्देश दिए हैं। एनआरए को परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने का भी आदेश दिया गया है। नए नियमों के तहत सार्वजनिक परीक्षा प्राधिकरण को सरकारी संगठनों के सेवारत या सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं लेने की अनुमति दी गई है। बताया गया है कि परीक्षाओं से सफल संचालन के लिए सार्वजनिक परीक्षा प्राधिकरण द्वारा एक समिति का गठन किया जा सकता है।

यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षाओं में धांधली को रोकने के लिए इस कानून को लागू किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद अब पेपर लीक करने का दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की कैद से लेकर 1 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, सुनवाई कल

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। उनकी जल्द रिहाई की मांग वाली याचिका पर अब बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुधवार को इस मामले को सुनते हैं, हाई कोर्ट का ऑर्डर आए तो रिकॉर्ड पर लिया जाए। बता दें कि केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा रिहाई पर अंतरिम रोक लगाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केजरीवाल की अर्जी में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने स्थापित कानूनी प्रक्रिया और परंपरा की अनदेखी करते हुए जमानत आदेश पर रोक लगाई है। इस बारे में न्याय और देश में स्थापित जमानत के बुनियादी सिद्धांतों का भी उल्लंघन किया गया है।

प्रयागराज में ट्रक की ठोकर से 5 लोगों की मौत

केटी न्यूज/प्रयागराज

ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करना और लापरवाही बरतना एक बाइक सवार को काफी महंगा पड़ गया। बाइक पर दो लोग से ज्यादा बैठाने पर चालान कट जाता है। दो से ज्यादा लोगों को बाइक पर बिठाना मना है। यह बात हर किसी को मालूम है इसके बावजूद ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं और असमय काल के गाल में समा बैठते है। यही गलती एक बाइक सवार ने की उसने अपनी बाइक पर पूरे परिवार को बिठा लिया।

भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गयी। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शादी समारोह में शामिल होने के बाद एक बाइक पर सवार 5 सदस्य अपने घर लौट रहे थे। बाइक पर पति-पत्नी, मां और दो बच्चे सवार थे। तभी एक तेज रफ्तार से आ रही ट्रक अनियंत्रित होकर पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। ठोकर लगते ही बाइक बीच सड़क पर फेंका गई और बाइक पर बैठे एक ही परिवार के पांच सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतकों में एक आठ माह का बच्चा भी शामिल है। सभी मृतक उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। घटना पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है।

हरियाणा के सीएम, विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री और विधायकों ने किया रामलला का दर्शन

रामलला के दरबार में शीश नवाने पहुंची हरियाणा सरकार

केटी न्यूज/अयोध्या

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को यहां श्रीरामलला के मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट के मंत्रीगण और विधायकगण भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नायब सैनी ने श्री राम जन्मभूमि न्यास और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हरियाणा से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट पर प्रदेश के राज्य मंत्री सतीश शर्मा व अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। हमारी संस्कृति हमारी आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम का यह भव्य और दिव्य मंदिर 500 वर्षों के बाद हमें देखने को मिला है। हमें एक अलग ऊर्जा भगवान श्री राम के दर्शन करने से मिलती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यहां श्रीराम का भव्य और दिव्य धाम तैयार हो रहा हैं। अयोध्या में हो रहा विकास एक मॉडल के रूप में हम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमारी संस्कृति और आस्था का केंद्र बिंदु है।

इससे पहले नायब सैनी ने सरयू के दर्शन भी किये और हनुमानगढ़ी में पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा जा रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा बहुमत के साथ हरियाणा की सत्ता में आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे। नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, उसमें हरियाणा भी अपनी भूमिका निभाएगा। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को पानी न दिए जाने के आम आदमी पार्टी के आरोप पर जवाब देते हुए नायब सैनी ने कहा कि दिल्ली को जितना पानी चाहिए हरियाणा उतना पानी दे रहा है। केजरीवाल सरकार का मैनेजमेंट सही नहीं है, उनका ध्यान केवल भ्रष्टाचार पर है।

नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव ने पूर्णिया में डॉक्टरों की फीस

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया के नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आम लोगों के लिए डॉक्टरों की फीस को कम करवा दिया है। पप्पू यादव आईएमए के सदस्यों के साथ बैठक और सहमति के बाद इस बात की जानकारी दी है। सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के अनुसार, अब फिजिशियन की फीस 500 रुपये और सर्जन की 300 रुपये हो गई है। इतना ही नहीं बीपीएल परिवारों को इलाज और जांच में विशेष छूट दी जायेगी। यह छूट तभी मिलेगी, जब जरूरतमंद बीपीएलधारी उनके कार्यालय से चिठ्ठी लेंगे। यह पत्र सांसद कार्यालय से ही मिलेगा। इसके लिए उनके कार्यालय में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी। सांसद पप्पू यादव ने बताया कि बीपीएलपरिवारों को एक्स-रे के लिए 200 रुपये और सीटी स्कैन के लिए 1200 रुपये देने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टर एक महीने के अंदर दोबारा फीस नहीं ले सकते। निजी नर्सिंग होम में भर्ती गरीब मरीजों के इलाज में 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी। जिससे गरीब के लोगों को सहायता मिलेगी।

दो माह के अंदर बंद करें फर्जी आइसीयू वरना होगी कार्रवाई

सांसद पप्पू यादव ने सिविल सर्जन को फर्जी आइसीयू बंद करने के लिए दो माह की मोहलत दी है। उन्होंने कहा कि जहां एमबीबीएस डॉक्टर नहीं है, वहां फर्जी आइसीयू नहीं चलेगा। बगैर डॉक्टर के जो पैथोलॉजी चला रहे हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उनके लाइसेंस को शीघ्र रद्द किया जाए। मेडिकल दुकानवाले बगैर डॉक्टर के लिखे आवश्यकता से अधिक दवा मरीज को नहीं दें। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की मर्जी के अनुसार मरीज की जांच पैथोलॉजी में नहीं होनी चाहिए। मरीज को जहां अच्छा लगे, वहीं जांच कराए। कोई भी पैथोलॉजी या नर्सिंग होम डॉक्टर के ही होने चाहिए। जहां डॉक्टर नहीं हैं, उनके विरुद्ध सिविल सर्जन कार्रवाई करें। ऐसे पैथोलॉजी और नर्सिंग होम दो माह के अंदर बंद हो जाने चाहिए।

डॉक्टरों के सम्मान के साथ नहीं होगा खिलवाड़: सांसद ने कहा कि डॉक्टरों के सम्मान के साथ खिलवाड़ नहीं होगा। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल माफिया का एक गिरोह है, जो मरीज की मौत के बाद तोड़फोड़ और हंगामा करता है। इस पर अविलंब रोक लगायी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी एक ज्ञापन भेज कर कार्रवाई का अनुरोध किया है। सांसद पप्पू यादव के द्वारा डॉक्टर की फीस कम का लाभ तभी मिलेगा, जब जरूरतमंद बीपीएल धारी उनके कार्यालय से चिठ्ठी लेंगे। यह पत्र सांसद कार्यालय से ही जारी होगा। इसके लिए उनके कार्यालय में 24 घंटे व सातों दिन सेवा उपलब्ध रहेगी। सांसद पप्पू यादव ने बताया कि बीपीएलपरिवारों को एक्स-रे के लिए 200 रुपये और सीटी स्कैन के लिए 1200 रुपये देने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टर एक महीने के अंदर दोबारा फीस नहीं ले सकते।

एसपी आवास के पास युवक का मर्डर पत्नी ने कहा... लव मैरेज की मिली सजा

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय में बेखौफ अपराधियों ने एसपी आवास के पास एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र के लोहिया नगर ओवर ब्रिज के पास की है। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के अशोक नगर पोखरिया निवासी गोपाल दास के रूप में की गई।। घटनास्थल पर एक बाइक भी पड़ा हैघटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतक गोपाल दास अपने मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। तभी अपराधियों ने उसे घेर लिया और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना होते ही वहां आसपास के लोग जमा हो गये। उसने बताया कि गोपाल दास का रजौरा में कपड़े की दुकान है। वह अपनी दुकान बंद कर घर वापस लौट रहा था, तभी अपराधियों ने लोहिया नगर ओवर ब्रिज पुल पर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पत्नी का कहना है कि गोपाल दास लव मैरिज शादी किया था। पत्नी का आरोप है कि जब से प्रेम विवाह किए थे तब से ही लड़के के घर वालों के द्वारा टॉर्चर किया जाता था। कई बार गोपाल दास के ऊपर जानलेवा हमला हो चूका है। ससुराल वालों के डर से दूसरे जगह रहते थे।

पुलिस ने बरामद किया दो गाड़ी में रखी शराब व दो हथियार के 99 हजार 50 रुपये नकद

शराबबंदी फेल : जदयू नेता के घर से शराब और हथियार बरामद, जांच में जुटी पुलिस

- घटना के बाद से जेडीयू नेता फरार, गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही है लगातार छापेमारी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। राज्य के अंदर कहीं भी शराब पीना या इससे जुड़ा किसी भी तरह का कोई भी कारोबार करना गैरकानूनी माना गया है। लेकिन, इसके बावजूद इस कानून की हकीकत क्या है वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। ऐसे में अब एक ताजा मामला बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी के एक नेता से जुड़ा हुआ है। जहां जदयू नेता के घर से गाड़ी में शराब, हथियार और नगदी बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर में जदयू के प्रधान महासचिव के घर से गाड़ी में शराब व हथियार सहित एक लाख रुपये बरामद किए गए। घटना के बाद वो घर से फरार हैं। फिलहाल पुलिस छापेमारी में जुटी है। बताया जाता है कि,दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के हरपुर बोचहा गांव में छापेमारी करते हुए पुलिस ने दो गाड़ी में रखी शराब के साथ दो हथियार के 99 हजार 50 रुपये नकद बरामद किए। शराब रखी एक स्कार्पियो गाड़ी के आगे एक बोर्ड लगा हुआ था, जिस पर जेडीयू प्रधान सचिव किसान प्रकोष्ठ लिखा हुआ था।

वहीं दूसरी ऑल्टो कार, जिसमें भी शराब मिली है।उस कार पर पुलिस का लोगो लगा हुआ पाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह स्कार्पियो संजीव कुमार सिंह उपयोग करते थे जो उगन त्रिवेणी कॉलेज चमथा के शिक्षक हैं। वहीं जदयू किसान प्रकोष्ठ के भी प्रधान सचिव बताए जा रहे हैं लिस को टोल फ्री नंबर पर सूचना मिली थी कि हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात निवासी संजीव सिंह और अमित सिंह के घर शराब है। इस सूचना पर दारोगा रंजीत कुमार छापेमारी करने पहुंचे तो दोनों भाई ने विरोध किया इसके बाद विद्यापति नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी अन्य पुलिस बल के साथ वहां पहुंचकर जांच किए तो स्कार्पियो गाड़ी से 8 लीटर शराब और अल्टो कार से भी 8 लीटर शराब बरामद हुआ।वही घर में घुसकर जांच की गई तो संजीव कुमार सिंह के घर से एक मास्केट हथियार, एक राइफल और तलवार बरामद हुआ है। साथ ही 99 हजार 500 रुपये नकद भी बरामद हुए। अमित कुमार सिंह पर पूर्व में भी शराब कारोबार को लेकर विद्यापतिनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज है। बताया जा रहा है कि इस लोकसभा चुनाव में इनकी अहम भूमिका थी। चुनाव में पार्टी की जीत के बाद इनका कद बढ़ा हुआ था। इस संबंध डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात संजीव कुमार सिंह और अमित कुमार सिंह के घर छापेमारी की गई है जहां दो गाड़ी से 8-8 लीटर विदेशी शराब के साथ दो हथियार बरामद हुई है। दोनों गाड़ी के साथ हथियार को जब्त कर सत्यापन कराया जा रहा है। गाड़ी में में किसी पार्टी विशेष का साइन बोर्ड और पदनाम लिखा हुआ पाया गया है। हालांकि यह पहली घटना नहीं है जब नेताओं के घर व वाहन से शराब बरामद हुये है। इससे पूर्व कई बार नेताओं के वाहन से शराब की बोतले बरामद हुई थी। इसके बाद बावजूद नीतीश सरकार इस पर लगाम लगाने में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है।

जमीनी विवाद में बेखौफ अपराधियों ने सीतामढ़ी में दो लोगों को मारी गोली, दोनों की हालत गंभीर

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

सीतामढ़ी में अपराधियों ने दो लोगों को गोली मार दी। दोनों की हालत गंभीर है। अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है। घटना जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र की है। रविवार देर रात जमीनी विवाद को लेकर रविवार की रात्रि बेखौफ अपराधियों ने ताबड़तोड़ फयरिंग की। बताया जा रहा है कि अपराधियों के द्वारा करीब नौ से दस राउंड फायर किया गया है। इस घटना में दो लोगों को गोली लगी है।पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम हैबताया कि सुरसंड थाना क्षेत्र के वीरपुर मलाही पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास उक्त घटना को अंजाम दिया गया है। दोनों जख्मियों को इलाज के लिए आननफानन में सीतामढ़ी के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। दोनों जख्मी की पहचान सुरसंड थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी शिव शंकर सदा और शंभू राय के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे। जमीन के विवाद में इन्हें गोली मारी गई हैस्थानीय लोगों का कहना है कि दो पक्षों के बीच जमीन के विवाद में इन्हें गोली मारी गई है। इधर, सुरसंड थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि फिलहाल मामले की पड़ताल की जा रही है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार

गीता प्रेस

पुस्तक की दुकान

सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)

: 6299941536

लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

नवादा में दारोगा को जिस सांप ने काटा उसे खुद जिंदा पकड़कर पहुंचे अस्पताल

केटी न्यूज/नवादा

नवादा के सदर अस्पताल में उस समय अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कुछ लोग जिंदा सांप लेकर वहां पहुंच गए। उसके बाद वहां हड़कंप सा मच गया। सदर अस्पताल में मौजूद डॉक्टर अभी कुछ समझ पाते, तभी लोगों ने बताया कि जहरीले सांप के डसने से एक दारोगा बेहोश हो गए हैं। उसके बाद जिंदा जहरीले सांप को साथ लेकर थाने में तैनात अन्य पुलिसकर्मियों ने एसआई संजीव कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल दारोगा की पहचान संजीव कुमार के रूप में की गई है जो वर्तमान में जिले के मेसकौर थाने में पदस्थापित हैं। जानकारी के मुताबिक, एसआई संजीव कुमार रात में ड्यूटी कर सोने जा रहे थे, तभी रात का अंधेरा होने के कारण उन्हें कुछ समझ नहीं आया। उनके बिस्तर पर रहे एक सांप ने अचानक से संजीव कुमार के पैर में डंस लिया। उसके बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। एसआई ने इसकी जानकारी थाना में मौजूद अन्य कर्मियों को दी। इसके बाद अन्य पुलिसकर्मियों के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने मौके पर सांप को भी जिंदा पकड़ कर लिया और उसे एक डब्बे में बंद कर अस्पताल ले गए। ताकि यह ज्ञात हो सके। कि यह सांप किस प्रजाति का है। उसे इलाज करने में आसानी होगी। इससे अस्पताल में तैनात चिकित्सक को इलाज करने में सहूलियत हुई। हालांकि जिंदा सांप देखकर वहां उस्थित सभी डर गये थे। सांप को देखने के बाद तत्काल इलाज शुरू कर दिया गया। फिलहाल एसआई संजीव कुमार का इलाज सदर अस्पताल में तैनात चिकित्सक द्वारा जारी है। चिकित्सक का कहना है कि वह खतरे से बाहर हैं, जल्द ही उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। उनकी हालत स्थिर बतायी जा रही है।

पुलिस और एसटीएफ की टीम ने हार्डकोर नक्सली को दबोचा

पटना। गया के कमल बिगहा में पिछले दिनों एक पूर्व नक्सली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में बड़ा एक्शन लिया है। गया पुलिस और एसटीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर इस हत्याकांड में शामिल हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बीते 14 जून को कोच थाना क्षेत्र के कमल बिगहा गांव में पूर्व में नक्सली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में टिकरी थाना क्षेत्र के झिलमिल गांव के रहने वाले चीनी राम के बेटे नक्सली गोरेलाल रब्बानी उर्फ गुरु जी को किया गया है। गया एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि गोरेलाल पर सलैया थाना, रफीगंज थाना, मदनपुर थाना, बाराचट्टी समेत कई थानों में मामले दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि गया पुलिस और एसटीएफ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शातिर नक्सली को गिरफ्तार किया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिन में सक्रिय हो सकता है दक्षिण-पश्चिम मानसून

पटना समेत कई जिलों में भीषण गर्मी, स्कूल में बच्चे भी दिखे परेशान; चार जिलों में लू का अलर्ट

- पटना के कई प्राइवेट स्कूल में दोपहर एक बजे होगी छुट्टी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के कुछ जिला में बारिश के बाद तापमान में कमी आई तो लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन, फिर गर्मी बढ़ने लगी। इसी बीच आज से पटना समेत कई जिलों में स्कूल भी खोल दिए गए। बच्चे स्कूल तो पहुंच गए लेकिन झुलसाने वाली गर्मी से काफी परेशान दिखे। मौसम विभाग ने रोहतास, भोजपुर, बक्सर और अरवल में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पटना में भी तापमान 42 डिग्री तक जाने के आसार हैं। गर्मी को देखते हुए लोगों ने शिक्षा विभाग से स्कूल टाइमिंग पर विचार करने की अपील की है। पटना के कई प्राइवेट स्कूल में दोपहर एक बजे छुट्टी होगी। उस समय धूप में नहीं निकलने की चेतावनी रहती है। ऐसे में बच्चे अगर तेज धूप में स्कूल से घर आएं तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है। लू का खतरा भी बना रहेगा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा गर्मी पटना से सटे वैशाली में पड़ी। इसके अलावा बक्सर और इसके आसपास के जिलों में भी गर्मी से लोग परेशान रहे। पटना में उमस भरी गर्मी से लोग काफी परेशान हैं। सोमवार सुबह से ही इतनी गर्मी पड़ रही है कि लोग घर से निकलने में परहेज कर रहे हैं। इधर, मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को बिहार के दक्षिणी इलाकों में गर्म वातावरण बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिन में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय हो सकती है। इसके बाद ही गर्मी से राहत मिलेगी। लोगों ने शिक्षा विभाग से स्कूल टाइमिंग पर विचार करने की अपील की है। पटना के कई प्राइवेट स्कूल में दोपहर एक बजे छुट्टी होगी। उस समय धूप में नहीं निकलने की चेतावनी रहती है। वहीं दूसरी ओर अभिभावकों का कहना है कि लगातार मौसम में बदलाव हो रहा है। कभी तेज धूप रह रही है। तो कहीं कभी कभार बूंदा-बूंदी हो रही है। ऐसे में मौसम और बेरूखा हो जाता है। उसम भरी गर्मी से लोगों का का जीना मुहाल हो जाता है। हर कोई किसी तरह से गर्मी से बचने के लिए उपाय करते है। जो भी लोग सुखी संपन्न है वह अपने घर में एसी लगवा लेते है। जो आर्थिक रूप से कमजोर है। उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रहा है। गरीब परिवार राहत पाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। वह सिर्फ बारिश के इंतजार में रहता है।

S2 Mall

SCPL

RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.

For Booking Contact : 9431019808, 9693777038

Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001

E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

हादसा : सोनवर्षा में दो स्थानों पर ठनका गिरने से दो किशोर समेत तीन की मौत, दो जख्मी

- मणियां और सारा गांव में आंधी आने के बाद आम चुनने गए थे बच्चे
- अचानक गिरने लगा ठनका और काल के गाल में समा गए सभी

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में सोमवार की दोपहर लगभग ढाई बजे आयी आंधी-बारिश के साथ ठनका गिरने से दो किशोर व एक युवक की मौत हो गई। वही दो किशोर गंभीर रुप से जख्मी हो गए। मृतक में सारा गांव निवासी धर्मदेव राम के 18 वर्षीय पुत्र अंगद कुमार एवं मिथिलेश साह के 10 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के अलावा भोजपुर जिला अंतर्गत अगियांव बाजार थाना क्षेत्र के अमेहता गांव निवासी संतोष यादव का 9 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार बताया जाता है। अंकित 15 दिन पूर्व अपने ननिहाल मणियां आया हुआ था। इधर घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है। जबकि जख्मी में मणियां के सुनील यादव की पुत्री सुरुचि कुमारी उर्फ प्रियंका तथा सारा गांव के बबलिस चौबे उर्फ बबलू के पुत्र सुशांत चौबे बताया जाता है, जो इलाजरत है। इधर घटना के बाद सभी मृतक के घर कोहराम मच गया है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। वही एक पंचायत के दो गांव पर प्राकृतिक आपदा में एक युवक एवं दो किशोर की मौत से पूरा पंचायत गमगीन हो गई है। इस संबंध में सोनवर्षा ओपीध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि ठनका गिरने से दो किशोर एवं एक युवक की मौत हो गई है। सभी मृतक को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

15 दिन पूर्व अपनी मां के साथ ननिहाल आया था मृतक अंकित

मणियां में ठनका गिरने से हुई अंकित की मौत पर उसके मां फुलवन्ती देवी रोते-रोते एक ही रट लगाई है। काहे के हम इहां अइनी ए दादा... बताया जाता है कि मृतक अंकित अमेहता मिडिल स्कूल के कक्षा 4 के छात्र हैं। 15 दिन पूर्व वह अपनी मां के साथ ननिहाल मणियां आया हुआ था। पर उसे कहा पता था कि ननिहाल में उसे नियति ने खींच लाई है। सोमवार की दोपहर तेज आंधी आने के बाद आम चुनने की लालच में वह अपने नानी के घर से महज आधा किलोमीटर दूर बागीचा में पहुंच गया। जब बारिश होने लगी तो वह बागीचा से घर की तरफ भागने लगा। तभी तेज गड़गड़ाहट व चमक के साथ ठनका गिरा। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक के पिता संतोष यादव मजदूरी करने प्रदेश में है। मृतक एक भाई व एक बहन में बड़ा था।

मृतक किशोर आम चुनने गए थे बगीचा : सोमवार की तेज आंधी आने के साथ दोनों मृतक एवं जख्मी किशोर-किशोरी अपने गांव के पास बगीचा में आम चुनने गए थे। थोड़ी देर बाद बारिश व कड़कड़ाहट के साथ तीन से चार बार ठनका गिरा। ठनका की कहर मणियां पंचायत के दोनों गांव मणियां एवं सारा पर टूटा। जहां दोनों किशोर को ठनका ने अपने आगोश में ले लिया। वही एक किशोरी व एक किशोर गंभीर रुप से जख्मी हो गए है। जबकि मृतक युवक अंगद अपने गांव सारा के बधार में धान का बीचड़ा देखने गया था।

घटना स्थल पर मच गई थी अफरा तफरी : इस घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। आकाशीय बिजली गिरने से किशोरों की मौत की खबर से पूरा गांव घटना स्थल की तरफ दौड़ गया था। जानकारों की मानें तो आंधी आने पर दोनों गांवों के दर्जनों बच्चें आम चुनने निकल गए थे। इसी दौरान मौसम का रूख बदला तथा तेज बौछारों के साथ बिजली कड़कने लगी। जिसे देख बच्चें घर की तरफ भागने लगे थे। इधर घटना के बाद ग्रामीण अपने बच्चों की कुशलता की चिंता भी कर रहे थे। यही कारण है कि पूरा गांव ही घटना स्थल पर उमड़ गया था। वही बाद में लोग अपने बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे थे। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत व भय का माहौल था। ग्रामीणों के चेहरे इस बात की तस्दीक कर रहे थे।

डीएम के अध्यक्षता में राजस्व समन्वय समिति व आंतरिक संसाधन समिति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

नपेंगे बिना ठोस कारण दाखिल खारिज रिजेक्ट करने वाले सीओ: जिलाधिकारी

- 60 % से कम आधार सीडिंग वाले सीओ से स्पष्टीकरण पूछा गया
- सीओ को अतिक्रमण हटाने में तेजी लाने का डीएम ने दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में राजस्व समन्वय समिति एवं आंतरिक संसाधन समिति की समीक्षात्मक बैठक सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में समीक्षा के दौरान आधार सीडिंग का कार्य 60 प्रतिशत से कम पाया गया। 60 प्रतिशत से कम आधार सीडिंग वाले अंचल के अंचल अधिकारियों से स्पष्टीकरण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 30 जून तक 100 प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य करना सुनिश्चित करते हुए विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लगान का वसूली करना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए बड़े देनदारो से सम्पर्क कर उनका आधार सीडिंग कराने का निर्देश दिया गया। अभियान बसेरा-2 की समीक्षा के क्रम में डीएम ने पात्र परिवारों की समीक्षा करते हुए उन्हें यथाशीघ्र भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जबकि दाखिल खारिज की समीक्षा के दौरान डीएम ने कहा कि दाखिल खारिज संबंधी वाद को अस्वीकृत करने से पहले रैयतों को नोटिस देकर उनका पक्ष एक बार जरूर सुन लेंगे। समुचित कारण के बगैर अस्वीकृत करने वाले मामलें पाये जाने पर संबंधित अंचलाधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि सभी

आम जनता को परेशान नहीं करने का दिया निर्देश : समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने आरटीपीएस के तहत प्राप्त सभी आवेदनों को ससमय निष्पादित करने का निर्देश दिया। ताकि आवेदन ज्यादा से ज्यादा अंचल में लंबित न रहें। डीएम ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदन जमा करने एवं प्रमाण पत्र की प्राप्ति में आमजनों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पडे.। लोक शिकायत निवारण अंतर्गत अतिक्रमण संबंधी मामलों की समीक्षा के क्रम में निर्देशित किया गया कि माह जून में सभी अंचलाधिकारी लंबित कुल अतिक्रमण का 20 प्रतिशत का निष्पादन अवश्य कर लेंगे। साथ ही भविष्य के लिए कार्य योजना बनाकर अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करेंगे। नीलाम पत्र वाद की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि किसी सीओ के स्तर पर प्रगति नहीं है। सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विशेष रूचि लेते हुए इसके निष्पादन में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे।

फसल क्षतिपूर्ति की समीक्षा कर शीघ्र कराए भुगतान : अग्निकांड एवं फसल क्षति की घटनाओं की राहत वितरण की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि अंचलाधिकारी द्वारा फसल क्षति राहत वितरण के कार्य में गंभीरता नहीं बरती जा रही है। डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देशित किया कि सभी अंचलाधिकारियों के साथ बैठक आहूत कर अभिलेख में व्याप्त त्रुटियों का निष्पादन करते हुए विभागीय नियमानुसार भुगतान कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकी किसानों को इसके लिए अंचल कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

कम राजस्व वसूली पर अवर निबंधक डुमरांव का वेतन रोका : डीएम ने आंतरिक संसाधन की समीक्षा के क्रम में पाया कि सोन नहर प्रमंडल बक्सर एवं आरा द्वारा काफी कम वसूली की गयी है। दोनों विभागों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे जिला अवर निबंधक कार्यालय बक्सर एवं अवर निबंधक कार्यालय डुमरांव का वसूली काफी कम है। अवर निबंधन, डुमरांव से स्पष्टीकरण करते हुए अगले आदेश तक वेतन स्थगित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली करना सुनिश्चित करेंगे। वही वाणिज्यकर, परिवहन, खनन, विद्युत कार्यालय द्वारा भी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कम वसूली की गई है। निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के अनुरूप वसूली करना सुनिश्चित करेंगे। यही निर्देश बक्सर व डुमरांव नगर परिषद को भी दिया गया। जबकि राष्ट्रीय बचत, मत्स्य, कृषि, वन कार्यालय निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले राजस्व प्राप्त नहीं कर सकें है। उन्हें भी चेतावनी दी गई।

सरकारी भूमि की अवैध जमाबंदी होगी रद्द

बैठक में सरकारी भूमि की पोर्टल पर प्रविष्टि की समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि किसी भी स्तर से सरकारी भूमि का अवैध जमाबंदी होने पर जमाबंदी रद्दीकरण संबंधी प्रस्ताव की जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया कि समीक्षा करते हुए जमाबंदी रद्दीकरण संबंधी प्रस्ताव भेजना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही उनके अंचल के किसी मौजा में सरकारी जमीन नहीं हो तो इस संबंध में प्रमाण पत्र समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

मुखिया ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंखा नहीं लगाए जाने पर जताई नाराजगी

पंचायत समिति की बैठक में कई योजनाओं की मिली स्वीकृति

केटी न्यूज/राजपुर

- राशन, बिजली, पीएम आवास आदि योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा कक्ष में सोमवार को प्रखंड प्रमुख मंजू देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसका संचालन बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने किया। जहा बैठक में सरकार के तरफ से संचालित पूर्व की योजनाओं पर समीक्षा एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, बिजली एवं कई अन्य विभाग से संबंधित योजनाओं पर बिंदुवार चर्चा की गई।

चर्चा में मुखिया आनंद प्रकाश सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को मिलने वाले पोषाहार एवं पोशाक संबंधित जानकारी के लिए आवाज उठाया। गर्मी से बेहाल बच्चों को राहत के लिए पंखा आदि किसी प्रकार की सुविधा नहीं होने पर खेद प्रकट की गई। जहां विभाग के कर्मी ने जवाब देते हुए कहा कि समय से पोषाहार मिलता है। जिसकी संबंधित सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। बिजली कनेक्शन के लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के तरफ से आवेदन किया गया है। अभी तक कुछ लोगों को छोड़ शेष अन्य जगहों पर कनेक्शन नहीं हुआ है। जहां सरकारी भवन है वहां पर कनेक्शन किया जाएगा। जिसका जवाब देते हुए विद्युत कनीय अभियंता रौशन कुमार ने कहा कि जिसका भी ऑनलाइन आवेदन हुआ है। वहां कनेक्शन किया जा रहा है।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना पर चर्चा करते हुए बीडीओ ने कहा कि अभी तक नए वित्तीय वर्ष में कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी धर्मवीर भारती ने कहा कि जो भी गरीब लोग हैं उनका राशन कार्ड बनाया जा रहा है, अवैध लोगों का नाम जांच कर सूची से हटाया जा रहा है। फिलहाल इन दिनों सरकार के तरफ से जारी सूचना के बाद सभी लोगों का राशन कार्ड से ई केवाईसी किया जा रहा है जो की बायोमेट्रिक तरीके से सत्यापन हो रहा है। जिसका भी नाम राशन कार्ड पर है वह अपना सत्यापन करना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा सत्यापन नहीं होने पर उनका नाम उसे सूची से गायब हो जाएगा।

मुखिया अनिल सिंह पंचायत के विकास योजना में गति नहीं लाने पर अपने पंचायत के संबंधित अभियंता मनीष कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा की इनके द्वारा सामंजस्य स्थापित नहीं किया जा रहा है। जिससे काम बाधित है, जिसको लेकर इन्होंने उचित कार्रवाई की मांग की गई। वह नल जल योजना में जगह-जगह पाइप टूट जाने से पानी की बबार्दी एवं घरों तक नहीं पहुंचने से खेद प्रकट करते हुए समस्या का निराकरण करने की बात कही गई। विभिन्न पंचायत से पहुंचे पंचायत समिति सदस्यों ने पंचायत में करहो की सफाई, कच्ची सड़क एवं कई योजनाओं की स्वीकृति के लिए लिखित आवेदन दिया।

इस बैठक में उप प्रमुख मजीदन खातून, बीडीसी संध्या देवी, कमलेश राम, झब्बू पासवान, मुखिया अनिल चौधरी, सांख्यिकी पदाधिकारी शशिकांत पांडेय, स्वच्छता समन्वयक रूपेश सिंह, पीओ मोहम्मद सज्जाद जहीर, विद्युत कनीय अभियंता रौशन कुमार के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, एक महिला समेत 3 गिरफ्तार

केटी न्यूज/नावानगर

बासुदेवा ओपी के अतिमी बिंद टोली गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जमकर लाठी-डंडे व ईंट-पत्थर बरसाए। जिसमें दोनों पक्ष के चार लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिनका इलाज नावानगर सीएचसी में कराया गया। जख्मी में दोनों पक्ष के धनजी सिंह, उर्मिला देवी, बिरेंद्र सिंह व उनका पुत्र शामिल हैं।

इधर मारपीट के बाद दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए बासुदेवा ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एक पक्ष के धंजी सिंह ने सुरेंद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, चंदन कुमार सिंह सहित 15 लोगों को नामजद किया है। वही दूसरे पक्ष के सुरेंद्र सिंह ने सिपाही सिंह, नंदजी सिंह, धनजी सिंह, सुभाष सिंह समेत 15 लोगों को नामजद किया है। दर्ज प्राथमिकी के बाद पुलिस ने तत्काल करवाई करते हुए दोनों पक्ष के दो महिला समेत चार लोगों गिरफ्तार किया है। बासुदेवा ओपीध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने बताया कि जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। दोनों पक्ष से प्राथमिकी कराई गई है। चार नामजद को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जिले की सभी आशा कार्यकर्ताएं बनेंगी हाईटेक

- राज्य मुख्यालय से आए प्रशिक्षकों ने आशा फैसिलिटेटर्स को प्रशिक्षण देकर बनाया मास्टर ट्रेनर

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना (एमडीएचवाई) के अंतर्गत बिहार राज्य स्वास्थ्य प्रणाली डिजिटलीकरण (भव्या) एप के माध्यम से मरीजों को उपलब्ध तमाम तरह की सेवाएं पेपर लेस करने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है। जिसके तहत अब डिजिटल मिशन को घर-घर तक पहुंचाने के लिए आशा कार्यकताओं को स्मार्ट बनाने का काम शुरू किया गया है। इस क्रम में सोमवार को राज्य मुख्यालय से आई टीम ने सदर अस्पताल में बक्सर और इटाढ़ी प्रखंड की आशा फैसिलिटेटर को एम आशा एप के प्रयोग को लेकर प्रशिक्षण दिया। 28 जून तक चलने वाले इस शिविर में प्रतिदिन दो-दो प्रखंडों की आशा फैसिलिटेटर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें उन्हें एम आशा एप के संचालन को लेकर दक्ष बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के पेपर लेस हो जाने के बाद सेवाओं का जहां सुदृढीकरण होगा, वहीं इसके माध्यम से मरीजों को उपलब्ध सेवाओं की निगरानी व निरीक्षण की प्रक्रिया आसान होगी।

सुविधाओं को पोर्टल पर सीधे करेंगी अपलोड : प्रशिक्षण सत्र के पहले दिन एम आशा एप के उपयोग के बारे में ट्रेनर रजनीश मेहता और बबलू महतो ने एप के संबंध में आशा फैसिलेटरों को विस्तार से बताया। किस प्रकार आशा फील्ड में जाकर एप के माध्यम से सभी कार्यों की प्रविष्टि करेंगी। साथ ही, एप के माध्यम से लोगों को होने वाली बीमारियों समेत अन्य असुविधाओं को सीधे पोर्टल पर अपलोड करेंगी। स्टेट टीम मैनेजर अभिषेक तिवारी और दुर्गा शंकर सिंह ने बताया कि गांव में होने वाली जन्म-मृत्यु, प्रसव, फाइलेरिया, मलेरिया, एईएस, बुखार, डायरिया समेत सभी प्रकार की बीमारियों समेत अन्य गतिविधियों को इस डिजिटल एप से जोड़ा गया है। ताकि ग्रामीण इलाकों में किसी भी तरह के कार्यों को समय सीमा के अंदर पूरा करने में आशा कार्यकर्ताओ को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। वहीं, घर-घर जाकर सर्वे करना, ड्यू लिस्ट तैयार करना आदि सभी इस एप के माध्यम से आशा पोर्टल पर अपलोड करेंगी।

एक नजर

मुख्य सचिव ने जिले में समय से खेतों में पानी की व्यवस्था कराने का दिया निर्देश

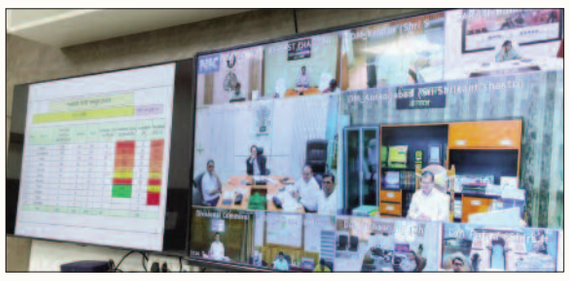

बक्सर। सोमवार को मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सात निश्चय योजना के फेज- 2 अंतर्गत हर खेत तक सिंचाई का पानी कार्यक्रम अंतर्गत लघु जल संसाधन विभाग से संबंधित सतही एवं नलकूप योजनाओं के क्रियान्वयन के सतत अनुश्रवण की समीक्षा की गई। जिसमें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने भाग लिया गया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने किसानों के खेत तक समय से पानी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। ताकी धान की खेती करने वाले किसानों को बिचड़ा डालने या रोपनी के समय पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़े।

अवधेश नारायण सिंह को कार्यकारी सभापति बनाये जाने पर पूर्व जिलाध्यक्ष ने दी बधाई

बक्सर। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री अवधेश नारायण सिंह को बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति बनाये जाने पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राणाप्रताप सिंह ने सोमवार को प्रेस बयान जारी कर बधाई दी है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और गया स्नातक क्षेत्र से विधान पार्षद अवधेश नारायण सिंह इससे पहले भी विधान परिषद के सभापति रह चुके हैं और अब एक बार फिर से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, इससे भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि अवधेश नारायण सिंह तीन बार से एमएलसी हैं और वे नीतीश सरकार में अप्रैल 2008 से नवंबर 2010 तक श्रम संसाधन मंत्री रह चुके हैं। साथ ही, उन्होंने पूर्व में भी विधान परिषद के सभापति की जिम्मेदारी संभाली है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में शामिल अवधेश नारायण सिंह का लंबा राजनीतिक अनुभव है और वे पिछले चार दशकों से भी अधिक समय से राजनीति में सक्रिय हैं। वर्तमान में वे गया स्नातक क्षेत्र से विधान पार्षद हैं। अवधेश नारायण सिंह के अनुभव और नेतृत्व कौशल को देखते हुए, उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे विधान परिषद के कार्यकारी सभापति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उनके नेतृत्व में विधान परिषद का कामकाज और भी सुचारू और प्रभावी ढंग से चलेगा। उनके समर्पण और राजनीतिक सूझबूझ से विधान परिषद के कार्यों में नयी दिशा और गति मिलेगी। उनकी इस नई भूमिका में सफलता की कामना करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सचिदानंद भगत, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिशंकर गुप्ता, अशोक पासवान, मुनि जी सिंह, विमल सिंह,अरुण गुप्ता, धर्मेन्द्र सिंह, बिनोद पासवान, अधिवक्ता अरुण सिंह, सहित अन्य लोगों ने भी बधाई व शुभकमना दी है।

राजपुर में खरीफ महोत्सव सह कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, आधुनिक व वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर जोर

खेती के साथ बागवानी पर भी ध्यान देने की जरूरत : बीडीओ

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के ई किसान भवन परिसर में आत्मा के तत्वावधान में सोमवार को खरीफ महोत्सव सह कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बीडीओ सिद्धार्थ कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार मांझी, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी मुन्ना कुमार सिंह, मुखिया अनिल सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि किसानों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। बाढ़ सुखाड़ की मार झेल रहे किसानों के प्रति सरकार काफी सजग हो गई है। कृषि क्षेत्र में बढ़ावा के लिए पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर कर्मियों की बहाली कर समस्याओं का निदान किया जा रहा है। आज बदलते समय के साथ किसानों को आधुनिक खेती करने की जरूरत है। वही, कृषि कर्मियों को सुझाव दिया कि किसानों की समस्याओं का निराकरण शत प्रतिशत होना चाहिए। खेती के साथ बागवानी पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

कृषि पदाधिकारी सुधीर मांझी ने बताया कि बदलते मौसम के साथ किसानों को अब जलवायु अनुकूल खेती करने की जरूरत है। जलवायु में हो रहे परिवर्तन से खेती पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जिसको लेकर कृषि विभाग के तरफ से कई प्रकार के प्रजाति के धान के बीज उपलब्ध कराए गए हैं। किसान भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार धान की रोपनी करेंगे। अधिक पानी वाले जगह पर नाटी मंसूरी एवं कम पानी वाले जगहों पर कतरनी एवं अन्य प्रजाति के धान की खेती करेंगे। लंबी अवधि वाले पौधे के लिए धान का बिचड़ा 10 जून तक एवं कम अवधि वाले के लिए आगामी 25 जुलाई तक किसान अपने खेतों में बिचड़ा डालेंगे। खरपतवार के लिए जैविक विधि का उपयोग करें।

हॉर्टिकल्चर के वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं किसान : प्रखंड उद्यान पदाधिकारी मुन्ना कुमार सिंह ने उद्यान से संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि किसान आम, पपीता एवं केला के लिए हॉर्टिकल्चर के वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। पहली बार नारियल पौधा भी किसानों को मिलेगा वहीं, शुष्क बागवानी मिशन योजना के तहत खेत की मेड़ पर आंवला, नींबू, अमरुद एवं एप्पल बेर किसान लगा सकते हैं। किसानों को आर्थिक प्रबल देने के लिए इस बार खरीफ मौसम में भी प्याज की खेती करने के लिए सरकार ने योजना बनाई है। जिसके लिए एक हेक्टेयर पर 60000 रुपये अनुदान किसान को दिया जाएगा। यह अनुदान की राशि उनके खाते में भेजी जाएगी। इसके अलावा मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकते हैं। वहीं मशरूम पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को मशरूम किट दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनी स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई अपने खेतों में लगा सकते हैं। जिससे फसलों की पैदावार अच्छी होगी। इस योजना के लिए फिलहाल किसान अगर अपने खेत में यह यंत्र लगते हैं तो उन्हें बोरिंग करने पर 40000 रुपये अनुदान दिया जाएगा। कृषि समन्वयक संजय कुमार सिंह ने कृषि संबंधित सभी योजनाओं पर प्रकाश डालकर किसानों को लाभ लेने के लिए अपील किया। इस मौके पर आत्मा के उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी, प्रगतिशील किसान मदन उपाध्याय, वंश नारायण राम के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

उजड़ते घरों के बाद भी नहीं मिली लड़ने की ताकत, शराब तस्करों से ग्रामीणों में अब भी खौफ

केटी न्यूज/डुमरांव

- आधा दर्जन मौत के बाद भी आमसारी का नहीं छूटा शराब से नाता
- औद्योगिक पुलिस द्वारा कुख्यात शराब तस्कर को गिरफ्तार किए जाने के बाद हुई पुष्टि

तीन दिन पूर्व बक्सर में एसपी के नेतृत्व में वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर हुई छापेमारी में चार शराब तस्करों के साथ ही उनके खेप को पुल से पार कराने में लाईनर की भूमिका निभाने वाले होमगार्ड के दो जवानों की गिरफ्तारी हुई थी। मौके से पुलिस ने एक हजार लीटर अंग्रेजी शराब भी बरामद किया था। इस मामले में पुलिस की जांच जब आगे बढ़ी तो औद्योगिक थाने की पुलिस ने मुरार थाना क्षेत्र के आमसारी गांव निवासी कुख्यात शराब तस्कर हरेन्द्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह पिता गोपाल सिंह को गिरफ्तार किया है। मुन्ना पहले भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। उसकी गिरफ्तारी से एक बार फिर से आमसारी गांव सुर्खियों में है। बता दें कि 26 जनवरी 2022 को इस गांव में शराब पार्टी हुई थी। जिसमें गांव में ही केमिकल से बनी शराब परोसी गई थी। लेकिन यह शराब जहरीली निकली। जिसका सेवन करने वाले एक बाद एक आधा दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। छह मौतों के बाद पुलिस ने गांव में कई दिनों तक छापेमारी अभियान चलाया था। उस मामले में भी हरेन्द्र मुख्य आरोपी बना था। उसी के तालाब के किनारे शराब बनाई गई थी तथा पार्टी भी उसी के खेत में हुई थी।

इस मामले में वह जेल भी गया था। लेकिन जेल से बाहर आने के बाद भी उसका शराब से पीछा नहीं छूटा।

नहीं काम आया जागरूकता अभियान : बता दें कि उस घटना के बाद एक तरफ पुलिस ने सख्त रूख अख्तियार कर शराब तस्करों पर नकेल कसा था तो दूसरी तरफ गांव में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान भी चलाया गया था। शराब से होने वाले नुकसान का प्रमाण भी लोगों के सामने था। तब एक ही पीपल के पेड़ पर छह घंट टांगे गए थे। लोगों ने दुबारा शराब नहीं पीने तथा किसी दूसरे को भी नहीं पीने देने तथा शराब बिक्री की जानकारी गुप्त रूप से पुलिस को देने की शपथ ली थी। बावजूद इस गांव का शराब तस्करी से नाता नहीं छूट सका है। जो इस बात को चरितार्थ करता है कि उजड़ते घरों के बाद भी लोगों में शराब के खिलाफ लड़ने की ताकत नहीं मिल पाई है।

चौकीदारों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की जांच हुई तेज

बक्सर। बक्सर के वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर तीन दिन पहले शराब की खेप पार कराने के आरोप में चेकपोस्ट पर तैनात होमगार्ड के दो जवानों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अब जांच अभियान तेज कर दिया है। सिस्टम में छेद के बाद पुलिस की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में आ गई है। लिहाजा इस बार पुलिस शराब तस्करों के तह तक पहुंचने की फिराक में लग गई है। तस्करी के आरोप में गिरफ्तार दोनों चौकीदारों तथा चार अन्य तस्करों के मोबाईल फोन से पुलिस को कई अहम सुराग हाथ लगे है। इसमें कई सफेदपोशों का चेहरा भी बेनकाब हो सकता है। इस मामले में औद्योगिक थाने की पुलिस ने मुरार थाना क्षेत्र के आमसारी गांव से कुख्यात शराब तस्कर मुन्ना सिंह को गिरफ्तार कर इस बात के प्रमाण दे दिए है कि तस्करी में शामिल किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस सूत्रों की मानें तो अभी इस मामले में कई अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

एक नजर

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने धूम धाम से मनाया रानी दुर्गावती का शहादत दिवस

बक्सर। सोमवार को गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन, बिहार इकाई ने चिलहरी में धूमधाम से गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती की शहादत दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा गोंड ने किया। उन्होंने बताया कि रानी दुर्गावती (5 अक्टूबर 1524 - 24 जून 1564) 1550-1564 ई. में गोंडवाना की रानी थीं। उन्होंने गोंडवाना के राजा संग्राम शाह के बेटे राजा दलपत शाह से विवाह किया। अपने बेटे वीर नारायण के नाबालिग होने के दौरान उन्होंने 1550 से 1564 तक गोंडवाना की रीजेंट के रूप में काम किया। उन्हें मुख्य रूप से मुगल साम्राज्य के खिलाफ गोंडवाना की रक्षा करने के लिए याद किया जाता है। गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती की मुख्य विशेषता यह थी कि वे अकबर जैसे महान शासक को तीन बार युद्ध में हराई थी तथा अंततः अकबर को मैदान छोड़कर भागना पड़ा था। इस कार्यक्रम में राज किशोर गोंड, गौतम गोंड, महात्म गोंड, सोहन गोंड, त्रिभुवन गोंड, मुन्ना गोंड,, साथ ही गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के प्रदेश सचिव धनु गोंड, प्रदेश कोषाध्यक्ष नीतीश गोंड, प्रदेश प्रवक्ता ब्रजेश गोंड, जिला सचिव मुन्ना गोंड, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोंड, इटाढ़ी प्रखंड अध्यक्ष, विश्वामित्र गोंड, जिला अध्यक्ष शंकर गोंड, जिला मीडिया प्रभारी संजय गोंड, डुमरांव प्रखंड अध्यक्ष मंतोष गोंड, एवं समाज के लोग भी शामिल हुए।

डीलरों ने एसडीओ को सौंपा छह प्रस्ताव का ज्ञापन

डुमरांव। अनुमंडल के डीलरों ने एक सभागा में बैठक कर छह एजेंडों पर मुहर लगायी। इन छह एजेंडो की मांग करते हुए सोमवार को एसडीओ राकेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। डीलरों की मांग है कि जन वितरण प्रणाली द्वारा सरकार के निदेर्शानुसार ई-पॉस मशीन से ईकेवाई-सी का कार्य दुकानदारों द्वारा तेजी से किया जा रहा है। जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं द्वारा राशन वितरण के पश्चात सरकार के ई केवाईसी करने के बदले व मजदूरी के बदले संगठन द्वारा प्रति व्यक्ति 50 रूपया दिया जाए। फिर माग किया गया है कि सभी डीलरों का आवंटन समान्य किया जाए। एक पंचायत में सभी विक्रेताओं का खाद्यान एक साथ ही उठाव कराया जाए साथ ही यह मांग किया गया है कि खाद्यान की तौल दुकान पर ही किया जाए। माप-तौल का सत्यापन अनुमंडलीय कार्यालय पर ही शिविर लगाकर इसकी व्यवस्था की जाए। खाद्यान वितरण के दौरान जे पेपर रौल लगता है वह विभाग के कोऑडीनेटर द्वारा नहीं दिया जा रहा है। इस पर विचार करते हुए शीघ्र इस पर उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है।

जमीन विवाद में मारपीट, तीन गिरफ्तार

नावानगर। बासुदेवा ओपी के अतिमी बिंद टोली गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जमकर लाठी-डंडे व ईंट-पत्थर बरसाए। जिसमें दोनों पक्ष के चार लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिनका इलाज नावानगर सीएचसी में कराया गया। जख्मी में दोनों पक्ष के धनजी सिंह, उर्मिला देवी, बिरेंद्र सिंह व उनका पुत्र शामिल हैं। इधर मारपीट के बाद दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए बासुदेवा ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एक पक्ष के धंजी सिंह ने सुरेंद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, चंदन कुमार सिंह सहित 15 लोगों को नामजद किया है। वही दूसरे पक्ष के सुरेंद्र सिंह ने सिपाही सिंह, नंदजी सिंह, धनजी सिंह, सुभाष सिंह समेत 15 लोगों को नामजद किया है। दर्ज प्राथमिकी के बाद पुलिस ने तत्काल करवाई करते हुए दोनों पक्ष के दो महिला समेत चार लोगों गिरफ्तार किया है। बासुदेवा ओपीध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने बताया कि जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। दोनों पक्ष से प्राथमिकी कराई गई है। चार नामजद को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

खबरें फटाफट

रघुनाथपुर में ट्रेन से गिर बंगाल का युवक जख्मी

बक्सर। दानापुर डीडीयू रेल खंड के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर मगध एक्सप्रेस से गिर एक यात्री जख्मी हो गया। जख्मी यात्री की पहचान पश्चिम बंगाल के मुशीर्दाबाद जिला के हाथीबाहा रोड कासिम बाजार निवासी 25 वर्षीय संतोष कुमार के रूप में हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही रघुनाथपुर स्टेशन पर ड्यूटी में तैनात रेलवे सुरक्षा बल बक्सर के आरक्षी धनंजय कुमार द्वारा ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत गंभीर रूप से जख्मी व्यक्ति को इलाज के लिए तुरंत रघुनाथपुर सीएचसी में पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर करने के बाद आरक्षी धनंजय कुमार द्वारा जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल लाया गया। लेकिन चिकित्सकों ने उसे वहां से भी रेफर कर दिया गया। आरपीएफ के प्रभारी इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि रघुनाथपुर स्टेशन पर ठहराव के उपरांत खुलने के दौरान गाड़ी के गेट पर खड़ा होकर लापरवाही पूर्वक यात्रा करने के दौरान यात्री संतोष कुमार गाड़ी के गेट से गिरकर बुरी तरह से जख्मी हो गया है।

वार्ड पार्षद ने की बैठक बुलाने की मांग

डुमरांव। इन दिनों नगर परिषद के बोर्ड में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। लगभग 21 वार्ड पार्षदों ने अलग मोर्चा खोल लिया है। सभी अलग-अलग बैठकें कर अपना एजेंडा बना रहे हैं। आने वाले भविष्य में चेयरमैन सुनीता गुप्ता पर भारी पड़ सकता है। मोर्चा खोलने वाले विधायक अपने-अपने वार्ड में नहीं हुए कार्यों को लेकर काफी खफा हैं। इनका कहना है कि हमलोग अपने वार्ड से जीत कर आए हैं तो वार्ड की जनता हमसे काम की हिसाब मांग रही है। जनता की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। दिये गए आवेदन में नगर में इस भीषण गर्मी में पेयजल समस्या काफी गंभीर बनी हुई है।

अनुमंडलीय अस्पताल में नहीं सुधर रही डॉक्टरों की मनमानी

डेढ माह में दो दिन ही बैठे बच्चों के डॉक्टर, सीएस ने रोका वेतन

केटी न्यूज/डुमरांव

- अल्ट्रासाउंड कक्ष का नहीं खुला ताला, इंतजार करते रहे मरीज

स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन के लाख प्रयास के बावजूद अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन अस्पताल से डॉक्टरों के गायब रहने का मामला सामने आता है। उनपर कार्रवाई भी की जा रही है। बावजूद उनकी कार्य संस्कृति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। अनुमंडलीय अस्पताल के ओपीडी सेवा में बच्चा को लेकर दिखाने आए मरीज डॉक्टर के नहीं रहने से बैरंग वापस लौट गए। वहीं अल्ट्रासाउंड कराने आयी गर्भवती महिलाएं चार घंटा इंतजार कर लौटी। न ही बच्चा के डाक्टर की ओपीडी सेवा में कहीं अता पता था और न अल्ट्रासाउंड करने वाले विशेषज्ञ चिकित्सक की।

जबकि दोनों विशेषज्ञ चिकित्सकों की सोमवार में ड्यूटी रहती है। ऐसे में समझा जा सकता है कि अस्पताल की ओपीडी सेवा से डाक्टर किस तरह से बगैर कोई सूचना के गायब रहते हैं। ऐसे में दिखाने के लिए अस्पताल आए मरीज और उनके अभिभावकों को कितनी परेशनी होती होगा इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। विदित हो कि सोमवार और बुधवार को अल्ट्रासाउंड का दिन फिक्सड किया गया है, अल्ट्रासाउंड के लिए। पिछले सप्ताह भी डॉक्टर के नहीं आने से अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाया था। जिससे इस बार गर्भवती महिलाए काफी उम्मीद लेकर आई थी कि इस बार उनका अल्ट्रा साउंड हो जाएगा। लेकिन, एक बार फिर उन्हें निराशा हाथ लगी। सप्ताह में दो दिन कार्य अवधि के बाद भी डाक्टरों की इस लापरवाही से मरीजों क्या स्थिति रहती होगी इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। बता दें कि दो बच्चा के डाक्टरों ने अनुमंडलीय अस्पताल में लगभग डेढ़ माह पहले अपना योगदान किया था। योगदान करने के बाद एक चिकित्सक डा. राजेश कुमार तो कभी ओपीडी सेवा में आए ही नहीं। वहीं दूसरे चिकित्सक डा. सतीश कुमार दो दिन ओपीडी सेवा किए फिर गायब हुए तो लौटे ही नहीं। इस तरह से इनका लाभ लेने से अनुमंडल के लोग वंचित रह जाते हैं। हालांकि मिली जानकारी के अनुसार दोनों चिकित्सकों के योगदान करने से मरीज ओपीडी सेवा में दिखाने के लिए जरूर पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें बैरंग लौट जाना पड़ जाता है। अल्ट्रासाउंड कराने के लिए गर्भवती महिलाओं को सोमवार और बुधवार को भीड़ लग जाता है, लेकिन इनके नहीं आने से मायूश हो महिलाएं घंटों इंतजार के बाद वापस लौट जाती हैं। यह सिलसिला विगत डेढ़ महीने से चलते आ रहा है। सीएस डॉ. एससी सिन्हा द्वारा डीएस को वेतन काटने का आदेश देते हुए स्पष्टीकरण पूछने का आदेश दिया गया है। इस आदेश का अस्पताल डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह द्वारा पालन भी किया जा रहा है, लेकिन इनपे कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

बड़ा सवाल, आखिर कैसे सुधरेगी व्यवस्था : लगातार डेढ़ महीने से विशेषज्ञ डॉक्टरों की घोर कमी झेल रहे अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था सुधारने के लिए बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल तथा सीएस डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा लगातार अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण कर डॉक्टरों को समय से ड्यूटि करने तथा मरीजों का समुचित इलाज करने का निर्देश दे रहे है। लेकिन, डॉक्टरों पर इसका कुछ भी असर नहीं पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गायब रहने वाले डॉक्टरों का वेतन भी रोक दिया गया है। लेकिन इससे भी मरीजों को कुछ फायदा मिलने वाला है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था कैसे सुधेरेगी।

अजीत हत्याकांड में पिता ने 4 पर दर्ज कराई प्राथमिकी एक गिरफ्तार

राजपुर। रविवार की सुबह राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में हुए युवक अजीत हत्याकांड में उसके पिता ने चार लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने बिरेन्द्र कुमार नामक एक नामजद को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीन अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सदर डीएसपी धीरज कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बता दें कि रविवार की सुबह मछलियों का चारा डालने गए अजित का शव झाड़ियों से बरामद हुआ था। उसके परिजनों ने पूर्व की घटनाओं का जिक्र करते हुए उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। वही, पिता द्वारा नामजदों पर एफआईआर भी दर्ज कराया गया है। बता दें कि मृतक के शरीर के जख्म और कान का खून इस बात की गवाही दे रहे थे। उसकी हत्या की गई है। हालांकि पुलिस अभी भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि उसकी मौत कैसे हुई है। बहरहाल पिता द्वारा दर्ज कराए गए एफआईआर के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

जतकुटवा बस्ती के पास मुख्य सड़क पर जलजमाव से बढ़ी परेशानी

- सात निश्चय योजना के फटे पाइप से सड़क के आधे हिस्से में हो गया है जलजमाव

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के प्रमुख मार्ग स्टेशन रोड में जतकुटवा बस्ती के पास जलजमाव से आवागमन की कठिनाई बढ़ गई है। सड़क के आधे हिस्से पर सात निश्चय योजना के फटे पाइप से गिरने वाला पानी जमा हो गया है। जिससे स्टेशन आने जाने वाले यात्रियों की मुश्किले बढ़ गई है। बता दें कि इस जगह पर पिछले छह महीने से यही स्थिति बनी हुई है।

नगर परिषद प्रशासन द्वारा यहां कई बार फटे पाइप की मरम्मत करवाई जा चुकी है। जिसमें हजारों रूपए खर्च हो चुके है। बावजूद समस्या से निजात नहीं मिल पाई है। इस जगह पर जलजमाव के कारण अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई बार तो बाइक चालक या ई रिक्शा चालक दुर्घटना के शिकार हो चुके है। वही, जलजमाव के कारण इस जगह पर जाम की समस्या भी काफी गंभीर हो चुकी है। पूरे दिन वहा जाम लगा रहता है। जानकारों का कहना है कि सात निश्चय योजना के तहत जलापूर्ति के लिए जो पाइप बिछाया गया था वह काफी दोयम दर्जे का था। जिस कारण पाइप बिछाने के कुछ दिनों के बाद से ही वह फटने लगा था। नगर परिषद प्रशासन द्वारा इसका स्थायी हल नहीं निकाला जा सका है। जिस कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासी सोनू वर्मा, संटू मित्रा, मिल्टन दूबे, सुरेन्द्र पाल आदि का कहना है कि नगर परिषद प्रशासन से कई बार गुहार लगाई जा चुकी है। बावजूद समस्या का समाधान के बजाय सिर्फ कोरम पूरा किया जा रहा है।

मुगांव में चल रहे रूद्र महायज्ञ के अंतिम दिन वैदिक विधान के साथ हुआ शिव-पार्वती का विवाह

श्रीरूद्र महायज्ञ, आकर्षक झांकी के साथ निकली भगवान शिव की बारात, शामिल हुए भूत बैताल

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को मुगांव से लेकर कोरानसराय तक महादेव के जयकारे के साथ भूत बैताल की झांकियां दिखाई दे रही थी। अवसर था मुगांव में आयोजित हो रहे श्री रूद्र महायज्ञ के शिव बारात की झांकी का। बता दें कि इस महायज्ञ के अंतिम दिन पूरे वैदिक विधान के साथ भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह कराया गया। इसके पहले भव्य व आकर्षक झांकी निकाली गई। जिसमें भगवान शिव के गण व भूत पिशाच भी शामिल थे। शिव बारात गाजे बाजे के साथ महायज्ञ परिसर से निकली तथा मुख्य पथ से कोरानसराय थाना तक पहुंच वापस यज्ञ स्थल पर आई। शिव बारात के इस शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं व पुरूष शामिल हुए थे। महिलाओं द्वारा गाए जा रहे मांगलिक गीत तथा श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे जयघोष से इलाका गूंजायमान हो रहा था।

वहीं, वैदिक मंत्रोच्चार व कर्मकांड से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी। बता दें कि यह महायज्ञ 17 जून से प्रारंभ हुआ था। महायज्ञ के शुरूआत से ही श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते हीं बन रहा था। यह आस्था और उत्साह शिव बरात व झांकी में भी देखने को मिला। भीषण गर्मी की परवाह छोड़ बड़ी संख्या में लोग इस बारात में शामिल हुए। महादेव की बारात में शामिल युवक और युवतियों का उमंग और उनका झूमना श्रद्धा व भक्ति के साथ एक अलग ही तरह का मनोरंजक दृश्य पैदा कर रहा था। हाथी घोड़ा ऊंट और गाजे बाजे के साथ निकली भगवान शिव की भव्य बारात में समस्त देवता, दानव, पशु, पक्षी, की भेस में सैंकड़ों लोग शामिल हुए। इस बारात में भगवान कृष्ण, राधा, सुदामा, विष्णु, लक्ष्मी, राम, सीता और लक्ष्मण की भेस में कलाकार दिख रहे थे। गौरतलब है कि यह महायज्ञ आचार्य पंडित संजय ओझा के नेतृत्व में आयोजित हो रहा था। आचार्य ने बताया कि अंतिम दिन पूरे उत्साह व विधि विधान के साथ शिव पार्वती का विवाह संपन्न कराया गया।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English Core - 97 | Mathematics - 95 | Accountancy - 95
Hindi Elective - 95 | Biology - 96 | Business Studies - 93
Physics - 95 | Chemistry - 95 | Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English - 94 | Hindi - 95 | Science - 96
Sanskrit - 100 | Mathematics - 100 | Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON

LIMITED SEATS Hurry Up

जिले में भू-लगान की राशि वसूली में तेजी लाएं सभी अंचलाधिकारी : अलंकृता पांडेय

- ऑन-लाइन म्युटेशन में आवेदन को त्वरित गति से निष्पादित करने का दिया निर्देश
- सरकारी भूमि का ऑनलाइन इंट्री करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/आरा

जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह के संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में राजस्व विभाग के कार्यों, आपदा प्रबंधन, अतिक्रमण, भू-अर्जन इत्यादि कार्यो की बैठक आयोजित की गई एवं संबंधित पदाधिकारियों तथा कर्मियों को आवश्यक निदेश दिया गया। बैठक में डीएम ने सभी सीओ को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया, किसी भी प्रकार की स्थिरता बर्दाश्त नही की जाएगी। सभी आवेदन, मामलों इत्यादि को ससमय निष्पादित करें, जिनके स्तर से कार्य लंबित रहेगा उनके विरुद्ध कार्रवाई किया जाएगा। राजस्व समन्वय समिति की बैठक में सभी अंचल अधिकारी को निदेश दिया गया कि

भू-लगान की राशि वसूली में तेजी लाने का निदेश डीएम ने दिया। पंचायत स्तर पर आरटीपीएस केन्द्रों को सुचारू रूप से संचालित करने का निदेश दिया गया। राजस्व समन्वय समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी ने सरकारी भूमि के चल रहे जमाबंदी रद्दीकरण का प्रस्ताव समर्पित करने का निदेश सभी अंचल अधिकारी को दिया। बैठक में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने सहित परिमार्जन, दाखिल खारिज, अभियान बसेरा-02 संबंधित सर्वेक्षण पर्चा वितरण की तैयारी प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अंचल अधिकारियों को करने का निदेश दिया गया। बैठक में ऑन-लाईन मुटेशन में आवेदन को त्वरित गति से निष्पादित करने का निदेश दिया गया। भू-लगान राजस्व वसूली के मासिक प्रतिवेदन की समीक्षा की गई तथा भू-लगान राजस्व बढ़ाने का निर्देश सभी अंचल अधिकारियों को दिया गया। परिमार्जन में प्रगति लाने का निदेश दिया गया। बैठक में अभियान बसेरा, दखल-देहानी, अतिक्रमण के मामले को निष्पादित करने का निदेश दिया गया। अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय से प्राप्त अंचलवार अतिक्रमण की सूची तैयार कर अंचलवार निष्पादित करने का निदेश दिया गया। अधिकार अभिलेख के मामलों को निष्पादित करने का निदेश डीएम ने दिया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं अंचलवार भूमि उपलब्ध की जाने वाली भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। जल-जीवन-हरियाली अभियान हेतु भूमि उपलब्ध कराने तथा अतिक्रमण मुक्त कराने का निदेश दिया गया।

खबरें फटाफट

मखदूमपुर के बीच बाजार में गिरा मकान

जहानाबाद। सोमवार को जहानाबाद के मखदुमपुर एनएच-83 मखदुमपुर बाजार में एक मकान देखते ही देखते धराशाही हो गया। गनीमत ये रही की किसी तरह की हताहत नहीं हुई। मखदुमपुर बाजार में उस समय अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। जब दशकों पुराना मकान अचानक धराशायी हो गया। इस घर को लेकर जानकर बताते हैं कि इस घर मे कोई नहीं रह रहा था। काफी साल से मकान में ताला लगा हुआ था। इस माकन के मालिक गया में रहते है। मकान काफी साल से जर्जर स्थित में था। नगर पंचायत की ओर से पहले ही माकन तोड़ने का नोटिस दे दिया गया था। फिर भी मकान मालिक ने लापरवाही बरती। अचानक देर शाम देखते ही देखते धराशाई हो गया। गनीमत ये रही कि किसी तरह हताहत नही हुई। लेकिन बड़ा हादसा हो सकता था। इस सड़क पर रोज ही जाम की स्थिति बनी रहती है। ये हादसा होने के बाद कोई भी पदाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। बता दे कि इस तरह कई मकान रोड पर जर्जर स्थिति जिसका नगर पंचायत और पदाधिकारी को वक़्त रहते कदम उठा लेना चाहिए। नही तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

पुलिस ने ढोल बजाकर कुर्क की संपत्ति

गया। गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के पॉक्सो एक्ट के फरार आरोपी समेत तीन आरोपियों के घरों को पुलिस ने कुर्क किया है। इस दौरान पुलिस ने करीब दो दर्जन विभिन्न मामलों के आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया।

नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति मोहल्ले की रविवार रात की घटना

ससुराल में गर्भवती को पीट-पीटकर मार डाला, सास-ससुर गिरफ्तार, पति फरार

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम
- कभी पसंद नहीं होने, तो कभी दहेज के लिये प्रताड़ित करने का आरोप

केटी न्यूज/आरा

नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति मोहल्ले में रविवार की देर रात एक गर्भवती विवाहिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाये जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत महिला बाजार समिति मोहल्ला निवासी अंटु कुमार उर्फ चंदन की 24 वर्षीया पत्नी रोशनी कुमारी थी। वह सात माह की गर्भवती भी थी। हत्या करने का आरोप उसके पति, सास और ससुर पर लगाया गया है। पुलिस की ओर से त्वरित कार्रवाई करते हुए उसकी सास शीला देवी और ससुर ललन प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि उसका पति फरार है। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के असनी गांव निवासी महेश साहू उर्फ टुन्नी बाबू ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रोशनी कुमारी की शादी 27 अप्रैल 2022 को नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति मोहल्ला निवासी ललन प्रसाद के पुत्र अंटु कुमार उर्फ चंदन के साथ की थी। शादी के छह माह तक सब ठीक-ठाक रहा। उसके बाद कभी पसंद नहीं होने, तो कभी दहेज में बुलेट बाइक के लिए उसकी बेटी को प्रताड़ित किया जाने लगा। इस बीच उनकी बेटी को एक पुत्री हुई। उसके बाद उसके साथ अक्सर मारपीट की जाने लगी। बेटा नहीं होने पर ताना भी मारा जाता था। उसे लेकर पंचायती भी हुई, जिसमें उनके दामाद ने भविष्य में मारपीट नहीं करने का वादा किया था। इस बीच उनके दामाद द्वारा फोन कर कहा गया कि रोशनी की तबीयत काफी खराब है। शहर के जीत शर्मा सहित कई महिला चिकित्सक के पास उसे ले जाया गया, पर कोई नहीं मिला है। उस स्थिति में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलने पर वह सदर अस्पताल पहुंचे और इमरजेंसी वार्ड में मौजूद डाक्टर से बात की तो बताया गया कि उसे मृत अवस्था में लाया गया था। महेश साहू उर्फ टुन्नी बाबू द्वारा अपने दामाद अंटु कुमार उर्फ चंदन, सास शीला देवी और ससुर ललन प्रसाद पर घरेलू कलह में अपनी बेटी रोशनी की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। थानाध्यक्ष कमल जीत ने बताया कि घटना की सूचना पर प्राथमिक दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के ससुर ललन प्रसाद और सास शीला देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पति की गिरफ्तारी को लगातार छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि रोशनी दो भाइयों में इकलौती बहन थी। उसके परिवार में मां, भाई नीरज कुमार,धीरज कुमार और नौ माह की पुत्री वैष्णवी है।

ऑपरेशन के बाद प्रसुता की मौत पर हंगामा, इमरजेंसी गेट को किया जाम

- पुलिस के कार्रवाई करने के आश्वासन पर शांत हुआ लोगों का गुस्सा
- परिजनों द्वारा डाक्टर और कर्मियों के खिलाफ थाने में दिया गया आवेदन

आरा। सदर अस्पताल में रविवार रात प्रसव कराने प्रसूता की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। बच्चे की स्थिति भी गंभीर बनी है। मृत महिला संदेश थाना क्षेत्र के बचरी गांव निवासी रविंद्र कुमार सिंह की 24 वर्षीया पत्नी इंदू देवी थी। उसकी शादी तीन साल पहले हुई थी और वह पहली बार मां बनी थी। इधर, प्रसुता की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित परिजनों द्वारा सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया गया। वहीं स्ट्रेचर पर शव रखकर न्यू इमरजेंसी वार्ड के गेट को भी जाम कर दिया गया। परिजनों द्वारा डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों पर ऑपरेशन एवं इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे थे। साथ ही दोषी डाक्टर और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही थी। उसे अस्पताल में काफी देर तक अफरातफरी मची रही। सूचना मिलने पर नवादा थानाध्यक्ष कमलजीत, थानाध्यक्ष अरविंद कुमार एवं दारोगा सुमंत कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और समझा कर परिजनों को शांत कराया। अफसरों की ओर से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। उसके बाद परिजन इमरजेंसी गेट से हटने को तैयार हुए। इस संबंध में रविंद्र कुमार सिंह की ओर से नगर थाने में एक आवेदन भी दिया गया है। उसमें सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डाक्टर और अन्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गयी है। रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी इंदू को प्रसव होने वाला था। देर रात में उनकी पत्नी का ऑपरेशन किया गया और बच्ची पैदा हुई। प्रसव के साथ ही डाक्टर की ओर से बच्ची की स्थिति खराब बताते हुए डाक्टर के पास भेज दिया गया। उसी बीच उसकी पत्नी की हालत बिगड़ने की बात कहते हुए जबरन पटना रेफर कर दिया। दानापुर स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाने में डाक्टर की ओर से बताया गया कि उसकी मौत पहले ही हो चुकी है। रविन्द्र कुमार सिंह की ओर से डाक्टर और कर्मियों पर मौत होने के बाद भी उसकी पत्नी को जिंदा बताकर जबरन पटना रेफर करने का आरोप लगाया गया है।

एक नजर

पर्यावरण बचाने के लिए किया गया पौधारोपण

तिलौथू। मानसून के आगमन पर मां तुतलेश्वरी भवानी वन क्षेत्र में पहली बारिश हुई। सारे जीव जन्तु प्राणी और वृक्ष भी तृप्त हुए। भीषण गर्मी में महीनों से भूखे और शुद्ध जल के बिना वनराज बंदर भी भूख से व्याकुल थे। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हल्की बारिश के बाद वाटर फॉल का आनंद लेने और सभी बंदरों को फल खिलाने के उद्देश्य से पहुंची टीम एसके के सदस्यों ने आम, केला और नारियल का भोग लगा कर सकड़ो बंदरों को खिलाया। समाजसेवी सत्यानंद कुमार के नेतृत्व में युवकों की टीम पर्यावरण को लेकर बहुत ही सजग है। फल वितरण कार्यक्रम में जीवन उत्सव पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर मिथिलेश विश्वकर्मा, रितेश राजपूत, अजय कुमार, प्रशांत चंद्रा, प्रिंस, अभिषेक नंदन का सहयोग प्राप्त हुआ।

सरकार सभी विद्यालय को मुहैया कराए टैबलेट

सासाराम। सरकार ने 25 जून से राज्य के सभी प्रारंभिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की तैयारी कर ली है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने एक बयान जारी कर कहा कि अगर सरकार को ऑनलाइन उपस्थिति शिक्षक का लेना ही है तो इसके लिए प्रत्येक विद्यालय को टैबलेट मुहैया करवायी जाए नकि इसके लिए जबरन शिक्षक के मोबाइल का इस्तेमाल किया जाए। मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि मोबाइल शिक्षक का, डाटा खर्च शिक्षक उठाए फिर सरकार किस आधार पर ऐसा गैर संवैधानिक निर्णय शिक्षकों के उपर थोप सकती है । शिक्षक नेता ठाकुर ने राज्य के मुखिया माननीय नीतीश कुमार एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ से मांग किया ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर शिक्षकों के ऑनलाइन उपस्थिति हेतु सबसे पहले सभी विद्यालयों को टैबलेट मुहैया करायी जाए फिर इस निर्णय को लागू की जाए।

5 सौ लीटर से अधिक महुआ पाश किया विनष्ट

काराकाट। पुलिस अधीक्षक रोहतास विनीत कुमार के निर्देश पर शराब निर्माण, बिक्री और सेवन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कछवां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बेलाढ़ी मुसहर टोली में छापेमारी की। जहां कई शराब निर्माण केंद्रों का उद्भेदन किया। सभी निर्माण केंद्रों को ध्वस्त कर दिया गया। वहां से भारी संख्या में निर्माण सामग्री बरामद किया गया। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर शराब निर्माण के लिए डाले गए 5 सौ लीटर से अधिक महुआ पाश मौके पर विनष्ट किया गया। शराब धंधेबाजों की पहचान की जा रही है। शीघ्र हीं उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पीएम विश्वकर्म योजना के आवेदनों का करें निपटरा

सासाराम। सोमवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना की जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक डीआरडीओ सभागार सासाराम में हुई। इससे संबंधित सभी अधिकारी पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी पंचायत से एवं नगर निकायों से कल है 5756 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जो बिहार राज्य में रोहतास जिला का प्रथम स्थान प्राप्त है। इसके पीछे कारण यह रहा 17 सितंबर 2023 में जब विश्वकर्म योजना लॉन्च हुआ। नवंबर और दिसंबर माह में मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी प्रत्येक पंचायत में पहुंची जहां पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने इसका प्रचार प्रसार किया था।

रोहतास जर्नलिस्ट संगठन का गठन : अध्यक्ष बने रवि व संरक्षक के पद पर आसीन हुए सुरेंद्र

केटी न्यूज/डेहरी

डेहरी शहर के नील कोठी में पत्रकारों की एक बैठक रवि कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित सभी पत्रकारों ने वर्तमान परिवेश में आंचलिक पत्रकारिता पर चर्चा की। इस दौरान कहा गया कि पत्रकारों को संगठित होकर कार्य करने की आवश्यकता है। क्योंकि समाज में सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में लोग संगठित होकर कार्य कर रहे हैं। किंतु किसी कारणवश पत्रकारों के संगठित नहीं होने का फायदा समाज के कई गलत प्रकार के लोग उठा रहे हैं। कई पत्रकारों का कहना था कि यदि किसी भी सरकारी या गैर सरकारी कार्यालय में किसी भी पत्रकार के साथ समाचार संकलन के दौरान परेशानी हो तो सभी पत्रकारों को संगठित होकर उसके लिए आवश्यक कदम उठाया जाना चाहिए। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जो पत्रकारों

को दर्जा मिला है, यदि उसमें किसी प्रकार का कोई छेड़छाड़ हुआ तो पत्रकार बर्दाश्त नहीं करेंगे। कई पत्रकारों ने यह भी कहा कि पत्रकारिता करते समय हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पत्रकारिता धर्म का अच्छा से पालन कर सके। और समाचार संकलन के दौरान पत्रकारिता के नियमों व सामाजिक का ख्याल अवश्य रखा जाए। बैठक में सर्व सम्मति से पत्रकार संगठन रोहतास जर्नलिस्ट एसोसिएशन का गठन किया गया।

दो-दो बच्चे के माता पिता प्रेम में हुए पागल, दोनों को पुलिस ने धर-दबोचा

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना क्षेत्र के सकला गांव से प्रेम प्रसंग में फरार दो बच्चों की मां व प्रेमी को सोमवार को पुलिस ने जोरावरपुर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। महिला दरोगा अंजली कुमारी ने बताया कि 18 जून को सकला निवासी कृष्णा कुमार ने विवाहिता लड़की को बहला फुसलाकर भगाने के मामले में सकला गांव के गौतम कुमार पिता सुरेंद्र कुमार सहित चार लोगों को आरोपित किया था। महिला दरोगा ने बताया कि जांच के दौरान गुप्त सूचना मिली कि गौतम कुमार विवाहिता के साथ भगाने के फिराक में है। सूचना मिली कि एनएच-120 पर जोरावरपुर पुल के साथ गाड़ी पकड़ने के लिए खड़े है। त्वरित कारवाई करते हुये जोरावरपुर पुल के पास से दोनों को गिरफ्तार किया गया। न्यायालय के बयान के बाद आगे की कारवाई जारी है। सबसे आश्चर्य की बात ये बताया जाता है कि उक्त दोनों दो-दो बच्चों के माता -पिता है । उसके बाद भी इस कदर प्रेम में अंधा हुए की भागने के फिराक में गाड़ी पकड़ने की फिराक में थे ठीक उसी वक्त गुप्त सूचना पर पुलिस पहुंच गई और दोनों को गिरफ्तार कर न्यायलय को सुपुर्द कर दिया। आगे की कार्रवाई कोर्ट की ओर से की जा रही है।

अभ्यर्थी 1.6 किलोमीटर की दौड़ में लेंगे हिस्सा, इसमें सफल होने वाले युवाओं का होगा फिजिकल टेस्ट

गया में आज से शुरू होगी अग्निवीर सेना भर्ती, 11 जिलों के अभ्यर्थी लेंगे भाग

- शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सोनू कुमार को मिला मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार

केटी न्यूज/गया

गया में गया-बोधगया मुख्य मार्ग स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-03 के मैदान में मंगलवार से दक्षिण बिहार के 11 जिलों के अभ्यर्थियों के लिए भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में अग्निवीर सेना भर्ती रैली के लिए लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित पुरुष उम्मीदवार हिस्सा लेंगे। 25 से 29 जून तक आयोजित होने वाली इस

रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, ऑफिस असिस्टेंट, एसकेटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन और सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायक और सिपाही फार्मा के अभ्यर्थी हिस्सा ले सकेंगे। उक्त जानकारी सोमवार को सेना भर्ती कार्यालय, गया के भर्ती निदेशक कर्नल राहुल द्विवेदी ने मीडिया को संबोधित कर दी।

कर्नल द्विवेदी ने बताया कि आयोजित सेना भर्ती रैली के दौरान दक्षिण बिहार के 11 जिलों गया, अरवल, औरंगाबाद, जमुई, रोहतास, जहानाबाद, कैमूर, लखीसराय, नालंदा, नवादा और शेखपुरा के चयनित किए गए 5,494 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि यह रैली तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में अभ्यर्थियों को 1.6 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा लेना होगा। इसमें सफल अभ्यर्थियों को फिजिकल फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद अभ्यर्थी मेडिकल टेस्ट में भाग लेंगे। सफल अभ्यर्थियों को सितंबर महीने में प्रशिक्षण में भेजा जाएगा और अक्तूबर महीने के अंत तक वे अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर सकेंगे। कर्नल द्विवेदी ने बताया कि अग्निवीर सेना भर्ती के लिए बिहार-झारखंड के 15 जिलों में विगत 22 अप्रैल से तीन मई के बीच लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 95 हजार 549 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा में करीब 30 हजार अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इनमें से दक्षिण बिहार के 11 जिलों के 5,494 अभ्यर्थी शामिल हैं। कर्नल द्विवेदी ने बताया कि गया में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए दौड़ में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों के लिए न सिर्फ ठंडे पेयजल और रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त अगर कोई अभ्यर्थी बीमार पड़ जाता है तो उसके लिए कूल रूम, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा की भी व्यवस्था की गई है।

छह दिनों से बिजली आपूर्ति ठप, ग्रामीणों ने पावर हाउस घेरा, ताला बंदकर भागे कर्मचारी

♦ मरदह ब्लाक में 25 गांवों की बड़ी आबादी बिन बिजली बिलबिलाती रही, अफसरों ने नहीं ली सुधि

केटी न्यूज / गाजीपुर

छह दिन से बिजली आपूर्ति बंद होने से आक्रोशित लोगों ने घेरा पावर हाउस तो कर्मचारी ताला? बंद कर भागे इलाके के पृथ्वीपुर पावर हाउस से विकास खंड के 25 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति होती है। यहां बीते बुधवार की रात आई आंधी और पानी से तकनीकी फाल्ट से बिजली गुल हो गई, जो रविवार तक वापस नहीं लौटी और अफसर उदासीन बने रहे। इससे क्षेत्र के? लोग आग बबूला हो उठे और आज दर्जनों की संख्या में ग्रामीण पावर हाउस पहुंचकर बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया तथा जमकर नारेबाजी करने लगे। उधर पावर हाउस पर मौजूद कर्मचारी दरवाजे का ताला बंद कर धीरे से फरार हो गए, तो ग्रामीणों ने मुदार्बाद सहित बिजली विभाग होश में आओ के नारे लगाने लगे। इससे अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घंटों बाद

विभागीय जेई के आश्वासन पर किसी तरह लोग शांत हुए। पिछले छह दिन से बिजली गुल रहने से दर्जनों गांवों में अफरा-तफरी मची हुई है। एक लाख से ऊपर की आबादी प्रभावित है। उमस भरी गर्मी में लोग छह दिन बिजली को लेकर बिलबिलाते रहे। लेकिन किसी ने इसकी सुधि नहीं ली और न ही दुरूस्त करने की जहमत उठाई। देखा जाए तो जनता आक्रोशित हो उठी है। लगातार छह दिन विद्युत आपूर्ति ठप रहने से क्षेत्र के रानीपुर, बौरी, तिलाड़ी, श्रवणडीह, महमूदपुर, पारा, चौराबोझ, बिहरा, नसीरूद्दीनपुर, उच्चौर, बरेन्दा, हरहरी, सुलेमापुर, दुर्खुर्शी, फेफरा, महाहर धाम, कुचया, तेजपुरा, इंदौर मड़ही, धर्मपुरा, सराय मुबारक, पृथ्वीपुर, दसौली, झंगहा, भवानीपुर सहित सैकड़ों गांवों के घरों व दुकानों में बिजली उपकरण जहां शो पीस बन गए, वहीं दूसरी ओर लोग चहलकदमी कर उमस भरी गर्मी में समय बीताने के लिए विवश रहे। बिजली गुल रहने से हजारों घरों में जहां बिजली उपकरण शो पीस बने हैं। इस सबंध में बिजली निगम के जेई मिथिलेश यादव ने बताया कि एक दिन 33 हजार मेन सप्लाई ब्रेक डाउन में रही। बाकी समय पावर हाउस पर पांच केबीए का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण आपूर्ति बाधित थी, जो अब सही कर ली गई है और आपूर्ति तत्काल शुरू हो रही है।

इस मौके पर प्रदर्शन करने वालों में जिला पंचायत सदस्य शैलेश यादव, जयप्रकाश यादव, रामनारायण यादव, विनय, प्रमोद कुशवाहा, सुबब्चन राजभर, अनीश, शेषनाथ, अमरनाथ सिंह, भोला, रवि विश्वकर्मा, ओमप्रकाश, कामरान, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

एसओजी प्रभारी समेत 27 दारोगा का गैर जनपद में हुआ तबादला

बलिया। जनपद में अपनी पांच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके चार इंस्पेक्टर और एसओजी प्रभारी समेत 27 दारोगा (सब इंस्पेक्टर) का गैर जनपद में तबादला किया गया है। जबकि मंडल स्तरीय स्थानांतरण में बलिया को दो इंस्पेक्टर और 43 सब इंस्पेक्टर मिले हैं। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय आजमगढ़ से जारी आदेश के अनुसार 30 अप्रैल तक एक ही जनपद में पांच वर्ष से अधिक दिनों तक तैनात पुलिस अधिकारियों को गैर जनपद में भेजा गया है। पुलिस विभाग ने जनपद में तैनात इंस्पेक्टर राकेश सिंह, योगेश यादव और सियाराम यादव को मऊ भेजा है, जबकि राम अनुराग शुक्ल का तबादला आजमगढ़ के लिए किया गया है। इसके साथ ही आजमगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर योगेंद्र बहादुर सिंह और मऊ से बृजमोहन सरोज को बलिया भेजा गया है। इसके अलावा सब इंस्पेक्टरों के तबादले में एसओजी प्रभारी अजय यादव सहित कई प्रमुख नाम शामिल हैं।

हथियार के साथ वारंटी को पुलिस ने किया अरेस्ट

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देश पर जिले के

अपराधियों की धरपकड़ के दौरान दुल्लहपुर थाने के उपनिरीक्षक यज्ञ नारायण यादव ने सिखड़ी गांव से काफी दिनों से फरार चल रहे एक वारंटी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि दुल्लहपुर पुलिस ने सुबह वांछित व पुरस्कार घोषित अभियुक्तों व गैर जमानती वारंटीयों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए अभियान में थाना दुल्लहपुर पुलिस द्वारा मु0नं0 359/16 धारा 25 आर्म्स एक्ट से संबंधित वारंटी बरखू राम चौहान पुत्र स्व. रामफेर चौहान निवासी सिखडी थाना दुल्लहपुर जो काफी दिनों से फरार चल रहा था। बरखू राम चौहान वारंटी को पुलिस ने अरेस्ट कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि वारंटी की काफी दिनों से तलाश थी। जिसको आज मुखबिर की सूचना अरेस्ट कर जेल भेजा गया।

उभाव थाना क्षेत्र के कस्बा का मामला, 5 साल पूर्व मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी शादी

दहेजलोभियों ने बहू को जहर देकर मार डाला

♦ चार पहिया वाहन मांगने का मायके वालों ने लगाया आरोप

केटी न्यूज/बलिया

उभाव थाना क्षेत्र के कस्बा में दहेज के लिए ससुरालीजनों ने पहले लड़की को बेरहमी से मारा पीटा और फिर भोजन में जहर डालकर मार डाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं ससुरालीजनों के विरुद्ध देकर कार्रवाई की मांग की है। मृतका के परिजनों की माने तो पांच वर्ष पूर्व गड़वार थाना क्षेत्र के विशुकिया गांव निवासी असलम की पुत्री अमीना खातून की शादी मुस्लिम रीति-रिवाज से उभाव थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी सैफुल्लाह अहमद के पुत्र अनवर के साथ हुई थी। शादी के दो वर्ष बाद ही दहेज को लेकर ससुरालीजन लड़की को प्रताड़ित करने लगे। जिसके बाद लड़की के पिता असलम ने लड़की को प्रताड़ित होते देख जो उन लोगों की डिमांड थी उसे पूरा किया। इसके बाद ससुरालिजनों ने चार पहिया गाड़ी की मांग करने लगे। जिसका लड़की ने विरोध किया तो ससुरालीजनों ने लड़की को पहले मारा पीटा और उसके बाद भोजन में जहर डालकर मार दिया। मृतका अनामिका खातून के दो छोटे-छोटे बच्चिया हैं। एक तीन वर्ष और दूसरी एक वर्ष की है। उधर मृतका के मौत के बाद ससुरालीजन घर छोड़कर फरार हैं। इस बाबत उभाव थानाध्यक्ष विपिन सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पवन हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, प्रेमिका के 11 वर्षीय भाई की गला दबाकर कर दी थी हत्या

♦ पवन की बहन से 10 वर्षो से करता था प्यार
♦ प्रेमिका से झगड़ा होने के बाद प्रेमी बना हैवान
♦ प्रेमी की पत्नी से रिलेशनशिप बताना व मोबाइल छीनना प्रेमिका को पड़ा महंगा

बलिया। प्रेमिका के प्रेम में पागल प्रेमी युवक ने प्रेमिका के 11 वर्षीय भाई की हत्या कर गांव से चार किमी दूर खेत में शव को फेंक दिया था। उभाव पुलिस ने रविवार की रात मुखबीर की सूचना पर साइकिल से तुतीर्पार के रास्ते भागलपुर होते हुए बिहार भाग रहे आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल मृतक का टी-शर्ट व एक जोड़ी चप्पल, आधार कार्ड बरामद किया। वही आरोपी को सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सोमवार को न्यायालय भेज दिया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम व पता हिमांशु यादव निवासी भदौरा तरछापार थाना उभांव जनपद बलिया बताया। अभियुक्त ने बताया कि मै अपने ही गांव की एक लड़की से विगत 10 वर्षो से प्यार करता हूँ तथा हम लोग रिलेशनसिप में रहते थे। लड़की का पिता उसे डूहा बिहरा थाना सिकन्दरपुर बलिया पहुँचा दिया। शुक्रवार को डूहा बिहरा से लड़की मेरे घर आई और मेरा मोबाइल छीना और मेरी पत्नी से मुझसे अपना रिलेशनसिप होने की बात बताकर पुनः डूहा बिहरा मठिया चली गयी। जिससे नाराज होकर मैं प्रेमिका के पैतृक गांव डूहा बिहरा जाकर जबरन मोबाइल छिनकर आ रहा था कि उसके द्वारा विरोध करने पर मैंने उसे धक्का देकर गिरा दिया और मैं चला आया। शुक्रवार की शाम मैं कुण्डैल ढाला साईकिल से आ रहा था कि प्रेमिका का भाई पवन राजभर 11 वर्ष तेंदुहारी में मिल गया। जिसे हम बहला फुसला कर अपने साथ लेकर तुतीर्पार पहुंचकर महादेव चाट भण्डार से छोला पैक कराया। मैंने

विशुनपुरा चट्टी पर जाकर देशी शराब की 02 शीशी खरीदा और चन्दायर कला ग्रामीण मार्ग के पुलिया पर बैठकर पवन को शराब पिलाया और चाट खिलाया। गर्मी व पसीना से तंग आकर पवन राजभर ने अपना टी-शर्ट निकालकर हाथ में ले लिया और नशे में होकर गांव की तरफ जाने लगा, तभी सड़क से निचे खेत में जाकर अचेत होकर सो गया। तभी मुझे अपनी प्रेमिका के प्रति ख्याल आया और मेरी पत्नी की भी याद आयी। इसके बाद मेरे दिमाग में आया कि पवन राजभर सुनसान स्थान पर अचेत अवस्था में सोया हुआ है, क्यों न इसकी हत्या कर दी जाय, तब उसकी बहन (प्रेमिका) पुनः मेरे गांव चली आयेगी। ततपश्चात मैंने पवन राजभर के आसमानी टी-शर्ट से उसका गला कस दिया। वह काफी छटपटाने लगा और मुंह से आवाज करने लगा। उसके शेष बचे टी-शर्ट से उसका मुंह दबा दिया तथा घुटने से उसका सीना दबाकर तब तक टी-शर्ट को खिचे रहा जब तक उसकी जान नहीं निकल गयी। उसने स्वीकार किया कि मैंने उसकी हत्या जान बुझकर किया है जिससे प्रेमिका उसके घर आ जाएगी। मृतक पवन के पिता नागेन्द्र व भाई शनि द्वारा मेरे विरूद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत कराया गया। जिससे बचने के लिए मैं बिहार भाग रहा था कि पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उभांव इंस्पेक्टर विपिन सिंह, उनि पंकज कुमार सिंह, उनि राकेश यादव, का इन्द्रेश वर्मा, का धनन्जय माझी, का प्रमोद चौरसिया, का वेद प्रकाश यादव आदि रहे।

बाल स्वास्थ्य पोषण माह के लिए एएनएम व पर्यवेक्षकों की हुई बैठक

केटी न्यूज /गाजीपुर

आगामी 26 जून से शुरू हो रहे बाल स्वास्थ्य पोषण माह के लिए सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरदह पर एएनएम और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सभी एएनएम प्रत्येक सत्र पर कम से कम तीन बोतल बिटामिन ए का रखना सुनिश्चित करें। नौ माह से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को विटामिन पिलाना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण देते हुए ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक प्रेम प्रकाश राय ने कहा कि बाल स्वास्थ्य पोषण माह में विभिन्न गतिविधियों का संचालन होता है। इसकी जानकारी समुदाय स्तर पर सभी को देना आवश्यक है, जो भी लाभार्थी टीकाकरण सत्र पर आ रहे हैं सभी को संपूर्ण टीकाकरण, स्तनपान को बढ़ावा देना, खान-पान की सलाह, आयोडीन युक्त नमक को ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने का सलाह तथा आंगनबाड़ी के माध्यम से कुपोषित अतिकुपोषित बच्चों का मूल्यांकन कर आवश्यक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर करने की सुविधा भी आप लोगों को करनी होगी। सभी एएनएम प्रत्येक सत्र पर 9 माह से पांच वर्ष तक के बच्चों की सूची तैयार कर रखेंगे। इसमें आंगनबाड़ी और आशा दोनों का सहयोग लेना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण में प्रियंका सिंह, सीमा सिंह, पुष्पा गौतम, कलाई देवी, नीलम देवी, शैल कुमारी रानी, रागिनी जायसवाल, किरण यादव, सुनीता यादव, रंजना यादव, सारिका सिंह, प्रमिला देवी गीता यादव शशि किरण निशा यादव ज्योति तिवारी, पारो कुमारी आदि एएनएम के साथ ही स्वास्थ्य पर्यवेक्षक भी उपस्थित थे।

दाह संस्कार में जा रहे बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत, दूसरा घायल

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाने के जलालाबाद गांव में सायंकाल आशीष वर्मा की पत्नी सोना देवी की बीमारी के चलते निधन होने से दाह संस्कार में जा रहे लोगों के साथ सदर कोतवाली अंतर्गत बुजुगा स्थित हमीद मार्ग पर शाम चार बजे दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। बाइक पर सवार अपने ननिहाल में आए आजमगढ़ जनपद के तरवां थाने के नौरसिया गांव निवासी सोनू -19 पुत्र गामा वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जलालाबाद गांव निवासी गुलशन वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जहां पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वहीं घायल के उपचार के लिए गोरा बाजार भेज दिया। उधर जलालाबाद गांव में घटना की सूचना मिलने पर मातम छा गया। दुर्घटना में बताया जा रहा है कि दूसरे अज्ञात बाइक सवार की भी मौत गई है और एक घायल हो गया है।

एक नजर

बलिया के रतसर बाजार में औषधि विभाग की टीम ने की छापेमारी, जांच को लिये छह नमूने

बलिया। नकली और एक्सपायरी दवाओं के बिक्री की शिकायत पर औषधि विभाग की टीम ने सोमवार को रतसर बाजार में छापेमारी की। इस

दौरान टीम ने दो दवा की दुकानों से संदिग्ध छह दवाओं के नमूने लिए। इसके साथ ही तीन दवा की दुकानों का निरीक्षण भी किया। अचानक हुई इस कार्रवाई से बाजार में हड़कम्प की स्थित बनी रही। वही कई मेडिकल दुकानों के शटर गिर गए। औषधि निरीक्षक सिद्धेश्वर शुक्ला ने बताया कि यह कार्रवाई नकली और एक्सपायरी दवाओं की बिक्री की शिकायत पर की गई है। इस दौरान नेशनल दवा केंद्र और न्यू मेडिसिन सेंटर से तीन-तीन दवाओं के नमूने टीम द्वारा लिया गया। इसके अलावा मुन्ना मेडिकल स्टोर, न्यू दवा संगम व नेशनल मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया। वही सभी दुकानों के कागजातों, दवाओं की खरीद- बिक्री, स्टॉक रजिस्टर आदि कागजातों का निरीक्षण किया गया। इसके साथ हीदवाओं को स्टॉक व खरीद पर्चा से से मिलान किया गया। उन्होंने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा, रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी दवा के दुकानदारों को हिदायत दी कि वे अपने-अपने दुकानों पर सीसीटीवी कैमरा हर हाल में लगवा ले, ताकि समय पड़ने पर इसका उपयोग किया जा सके। इस मौके पर टीम में वरिष्ठ लिपिक रविशंकर पाण्डेय मौजूद रहे।

सिंचाई विभाग के पंप कैनाल के माइनर की सीमांकन में भारी पुलिस फोर्स तैनात

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के चकमलूक गांव में सोमवार की सुबह दस बजे नायब तहसीलदार रवि रंजन, सिंचाई विभाग के एई के साथ कई

थानों की पुलिस फोर्स की मौजूदगी में माइनर का सीमांकन करने के दौरान आज पुलिस फोर्स के अलावा ग्रामीण भी मौजूद रहे। पूर्वाह्न दस बजे से नायब तहसीलदार सहित दर्जनों लेखपालों की मौजूदगी में माइनर का बंदोबस्ती कुआं से सीमांकन कराया गया। एक तरफ जहां किसान खुश हैं, वहीं कुछ किसान नाराज भी दिखे। ग्राम प्रधान रमेश यादव ने कहा कि माइनर पर 70 से अधिक किसानों का अतिक्रमण है। हालांकि किसानों को इससे कोई एतराज नहीं है, लेकिन आज देवकली पंप कैनाल से माइनर के सीमांकन को लेकर काफी संख्या में पुलिस फोर्स देख कर लोग भयभीत हो गए। नायब तहसीलदार रवि रंजन ने बताया कि सोनहड़ा गांव से चकमलुक गांव में साढ़े चार किलोमीटर का लगभग माइनर है जिस पर किसान खेती-बाड़ी करते हैं। उस माइनर का सीमांकन किया गया है जल्द खुदाई कर भी किया जाएगा। किसानों ने कहा कि देवकली पंप कैनाल से माइनर में पानी जब आ जाएगी तो आगे मगई नदी के पास माइनर बंद है माइनर में अगर पानी ज्यादा हुआ तो किसानों का नुकसान भी हो सकता है। इस मौके पर नायब तहसीलदार रवि रंजन, देवकली पंप कैनाल के एई, थाना अध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह, कानूनगो महेंद्र यादव, कानूनगो रमापति राम, लेखपाल अतुल, सौरभ, पूर्व प्रधान बाडू यादव, देवेंद्र चौहान सहित काफी ग्रामीण मौजूद रहे।

सपा नेता को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस से लगाई गुहार

गाजीपुर। भुडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत भुडकुंडा गांव निवासी तूफानी यादव ने कोतवाली में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जमीनी विवाद को लेकर मोबाइल फोन पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। इससे पूरा परिवार भयभीत है। बता दें कि

तूफानी यादव जखनियां विधानसभा समाजवादी पार्टी के प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने प्रार्थना पत्र देने के बाद मीडिया से रू-ब-रू होकर कहा कि गांव का दबंग युवक मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दिया है। जिससे पूरा परिवार भयभीत है। उन्होंने कोतवाल तारावती को प्रार्थना पत्र देखकर न्याय की गुहार लगाई है। कोतवाल तारावती ने बताया कि उन्होंने कहा कि अभी तो तहरीर नहीं मिली है अगर तहरीर मिलती है तो आगे कार्रवाई भी की जाएगी।

जखनियां ब्लॉक में रानी दुर्गावती का 460वां बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया गया

गोंड समाज के लोग आज भी झेल रहे उपेक्षा का दंश: सुभाष

केटी न्यूज/गाजीपुर

जखनियां ब्लाक के खंड शिक्षा संसाधन केंद्र परिसर में अखिल भारत वर्षीय गोड़ महासभा जखनियां इकाई के तत्वावधान में प्राथमिक विद्यालय जखनियां परिसर में रानी दुर्गावती बलिदान दिवस 460 धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के पूर्व सभी पदाधिकारी ने रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर बलिदान दिवस के रूप में मनाया। मुख्य अतिथि सुभाष राम पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन ने कहा कि रानी दुर्गावती की पद चिन्ह पर लोगों को चलना चाहिए। रानी दुर्गावती युद्ध में भी तत्काल निर्णय लेने की अदम्य साहस था हमेशा कमजोर वर्गों के लिए लड़ा। उनकी बहादुरी के किस्से बच्चों को सुनाई दी जाती है। आज भी गोंड समाज पूरी तरफ से पिछड़े पन के दंश झेल रहा है। गोड समाज के लोगों को कड़ी मेहनत के बाद कहीं जाति प्रमाण पत्र जारी हो पा रहा है। देश कितने बड़े लोकतंत्र में हर व्यक्ति हर जंतु का समान अधिकार है। लेकिन गोड़ समाज के लोगों को आज भी कई ऐसे प्रचलन से जूझना पड़ता है। आज बहुत ऐसे गोड़ समाज के लोग हैं जो मेहनत मजदूरी पर टिके हुए हैं और लगातार मेहनत करके तो किसी तरह दो जून का रोटी जुटा पाते हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश गोंड ने कहा कि समाज के लोगों पूरी तरह से एकजुट हो जाए क्योंकि अपने हक और हकूक की लड़ाई लगातार संगठन के बलबूते लड़ी जाएगी। गोंड समाज के लोगों को लगातार जो सरकारी दफ्तर में उपेक्षा का दंश झेल रहे हैं वह जल्द दूर होगी। नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष रविंदर गोंड को मनोनीत कर अंगद राम मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर रमेश गोंड, फुल मैन गोड़, राजेंद्र गोड़, सोनू, नारद गोंड, लालजी गोड़ कार्यक्रम का आयोजन लाल जी गोड़ और संचालन संतोष कश्यप में किया है।

डॉ. आंबेडकर की मूर्ति के पास पानी टंकी का निर्माण नहीं होना चाहिए

♦ विरोध में पकड़ी गांव के लोगों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/ बलिया

नवीन परती की भूमि में डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति के पास पानी टंकी का निर्माण किए जाने पर पकड़ी गांव के लोगों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया कि पकड़ी गांव में आराजी नंबर 286 रकबा भूमि पर प्राथमिक विद्यालय, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सामुदायिक शौचालय तथा आंबेडकर जी की प्रतिमा ग्राम प्रधान के पति राजकुमार यादव के ग्रामसभा के प्रस्ताव एवं जिलाधिकारी की अनुमति से डॉ. बाबा साहब आंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। शेष भूमि विद्यालय के बच्चे एवं आंगनबाड़ी के बच्चों के खेलकूद के लिए तथा आंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष ग्रामसभा की जमीन जन्म उत्सव एवं दलितों के वैवाहिक कार्यक्रम हेतु खाली है और इसी जमीन पर चुनावी रंजिश को लेकर वर्तमान ग्राम प्रधान पानी टंकी स्थापित करना चाहते हैं। जो कि सराकसर गलत है। प्रदर्शन करने वालों में पंचानंद राम, छोटेलाल भारती, सुमेर राम, संजय कुमार, अर्जुन, अभय राम रहे।

भटनी-औड़िहार रेलखंड पर दोहरीकरण कार्यों के चलते आठ ट्रेनों को रेलवे ने किया निरस्त, कई के मार्ग बदले

केटी न्यूज /गाजीपुर

भटनी-औड़िहार रेलखंड पर दोहरीकरण के चलते कुल आठ ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। जबकि कई ट्रेनों के मार्ग बदल दिए गए हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मंडल के भटनी-औड़िहार खंड के कीड़िहारापुर-बेलथरारोड स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण का कार्य चल रहा है। इसके मद्देनजर प्री-नान इंटरलाकिंग एवं नान इंटरलाकिंग कार्य तथा रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन, रि-शिड्यूलिंग एवं नियंत्रण निम्नवत किया गया है।

निरस्तीकरण

वाराणसी सिटी से 21 से 27 जून 2024 तक चलने वाली 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

गोरखपुर से 21 से 27 जून 2024 तक चलने वाली 15129 गोरखपुर-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

बनारस से 21 से 27 जून 2024 तक चलने वाली 01748 बनारस-भटनी अनारक्षित विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

भटनी से 21 से 27 जून 2024 तक चलने वाली 01747 भटनी-वाराणसी सिटी अनारक्षित विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

बनारस से 26 एवं 27 जून 2024 को चलने वाली 15104 बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

गोरखपुर से 26 एवं 27 जून 2024 को चलने वाली 15103 गोरखपुर-बनारस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

प्रयागराज रामबाग से 26 जून 2024 को चलने वाली 12538 प्रयागराज रामबाग-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

मुजफ्फरपुर से 26 जून 2024 को चलने वाली 12537 मुजफ्फरपुर-प्रयागराज रामबाग एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर से 22 जून 2024 को चलने वाली 15050 गोरखपुर- कोलकाता सीतामढ़ी से 21, 22, 25, 26 एवं 27 जून 2024 को चलने वाली 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-भटनी-मऊ के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा- फेफना- मऊ के रास्ते चलाई जाएगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी एकमा, चैनवा, दुर्गौंधा, सीवान, जीरादेई, मैरवा, भाटपार रानी, भटनी, सलेमपुर, लार रोड एवं बेलथरा रोड स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

आनन्द विहार टर्मिनल से 26 जून 2024 को चलने वाली 14006 आनन्द विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मऊ- भटनी-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मऊ- फेफना- छपरा के रास्ते चलाई जाएगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी बेलथरारोड, लार रोड, सलेमपुर, भटनी, भाटपार रानी, मैरवा, जीरादेई, सीवान, दुर्गौंधा, चैनवा एवं एकमा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

अहमदाबाद से 26 जून, 2024 को चलने वाली 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.-मऊ-भटनी-गोरखपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाराणसी जं.-शाहगंज-अयोध्या कैंट-गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सलेमपुर, बेलथरारोड, मऊ, इन्दारा, रसड़ा, बलिया एवं सुरेमनपुर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

कोलकाता से 26 जून 2024 को चलने वाली 15049 कोलकाता-गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-फेफना- इंदारा- मऊ- भटनी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-भटनी के रास्ते चलाई जाएगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सुरेमनपुर, बलिया, रसड़ा, इन्दारा, मऊ, बेलथरा रोड एवं सलेमपुर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

अहमदाबाद से 26 जून, 2024 को चलने वाली 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.-मऊ-भटनी-गोरखपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाराणसी जं.-शाहगंज-अयोध्या कैंट-गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, मैरवा, भटनी, सलेमपुर एवं बेलथरा रोड स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

छपरा से 27 जून, 2024 को चलने वाली 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-भटनी-मऊ के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-फेफना-मऊ के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, मैरवा, भटनी, सलेमपुर एवं बेलथरा रोड स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

दुर्ग से 26 जून, 2024 को चलने वाली 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.-मऊ-भटनी-गोरखपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाराणसी जं.-शाहगंज-अयोध्या कैंट-गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी मऊ, बेलथरा रोड, सलेमपुर, भटनी एवं देवरिया सदर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

छपरा से 27 जून, 2024 को चलने वाली 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-भटनी-मऊ के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-फेफना-मऊ के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, मैरवा, भटनी, सलेमपुर एवं बेलथरा रोड स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-लखनऊ जं. से 25 एवं 26 जून, 2024 को चलने वाली 15008 लखनऊ जं.-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस वाराणसी सिटी के स्थान पर गोरखपुर में यात्रा समाप्त करेगी तथा गोरखपुर-वाराणसी सिटी के मध्य निरस्त रहेगी।

वाराणसी सिटी से 26 एवं 27 जून, 2024 को चलने वाली 15007 वाराणसी सिटी-लखनऊ जं. एक्सप्रेस वाराणसी सिटी के स्थान पर गोरखपुर से चलाई जायेगी तथा वाराणसी सिटी-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।

रि-शिड्यूलिंग

गोरखपुर से 25 जून, 2024 को चलने वाली 19092 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस गोरखपुर से 120 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

गोरखपुर से 25 जून, 2024 को चलने वाली 15004 गोरखपुर-कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस गोरखपुर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

वाराणसी सिटी से 27 जून, 2024 को चलने वाली 05148 वाराणसी सिटी-भटनी अनारक्षित विशेष गाड़ी वाराणसी सिटी से 100 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

गोरखपुर से 22 जून, 2024 को चलने वाली 15050 गोरखपुर-कोलकाता एक्सप्रेस गोरखपुर से 60 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

नियंत्रण

अहमदाबाद से 20, 22, 23 एवं 25 जून, 2024 को चलने वाली 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस मार्ग में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

नौतनवा से 23 जून, 2024 को चलने वाली 18202 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस मार्ग में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

गोरखपुर से 24 जून, 2024 को चलने वाली 15022 गोरखपुर-शालिमार एक्सप्रेस मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

छपरा कचहरी से 24 जून, 2024 को चलने वाली 05443 छपरा कचहरी-मऊ

खबरें फटाफट

देवी देवताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर भड़के लोग

गाजीपुर। हिंदू देवी- देवताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी व इंस्टाग्राम पर पोस्ट को लेकर जखनियां बाजार में हिंदू समाज सेवी संगठन और भाजपा कार्यकताओं में आक्रोश व्याप्त है। इसको लेकर थाने में विश्व हिंदू परिषद के द्वारा नामजद तहरीर दिया गया और उचित कार्रवाई के लिए आग्रह किया गया। बता दें कि जखनियां कस्बे में ही रहने वाला हसन नाम का युवक इंस्टाग्राम पर देवी देवताओं और हिंदू पूर्वजों महानायकों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग शेयर कर रहा था। इसकी सूचना जखनियां हिंदू संगठनों को प्राप्त होने पर आक्रोश व्याप्त हो गया, लेकिन कुछ बुद्धिजीवी लोगों के कारण बड़ा बवाल होने से टल गया और लोगों के सूझबूझ तथा भूड़कुडा कोतवाल तारावती देवी की फुर्ती के कारण कोई हंगामा नहीं खड़ा हुआ। कोतवाली को जैसे ही सूचना प्राप्त हुई कि किसी युवक ने हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी की है। कोतवाल तारावती ने तुरंत उस युवक को पुलिस हिरासत में ले लिया और और हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा के लिखित तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया। इस मौके पर हिंदू वाहिनी के राकेश सिंह, मदन पांडेय, अजय विक्रम, पिल्लू दुबे, वरिष्ठ भाजपा नेता दयाशंकर सिंह, अवधेश यति, अशोक गुप्ता, धर्मेंद्र चौरसिया, सुनील सिंह टिंकू, प्रशांत सिंह, मुन्ना सिंह सहित प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पाठ्य सामग्री बांट स्कूल आने को किया प्रेरित

चंदौली । ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूलों के खुलते ही घुमंतू बच्चों को स्कूल बुलाने का प्रयास आरंभ हो गया है। इसी कड़ी में सकलडीहा विकास क्षेत्र के रैपुरा कम्पोजिट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह ने क्षेत्र के भट्ठों पर जाकर मजदूरों के बच्चों को स्लेट पेंसिल कापी देकर स्कूल के लिए प्रेरित किया।

एसटीएफ ने प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी सुनील रघुवंशी समेत 6 लोगों को प्रयागराज से किया अरेस्ट

भोपाल की प्रिंटिंग प्रेस में छपा था आरो एआरओ का पेपर, यहीं से हुआ था लीक

- प्रिंटिंग प्रेस का कर्मचारी पानी की बोतल के सहारे बाहर लेकर आया था यूपी आरो/एआरओ का पेपर
- एक-एक अभ्यर्थियों से 10-12 लाख रुपए लेकर भोपाल के एक होटल में उन्हें रटवाया प्रश्न पत्र व जबाब

केटी न्यूज/वाराणसी

यूपी में समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी के पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने बड़ा खुलासा किया है। एसटीएफ के मुताबिक, परीक्षा का पेपर भोपाल की प्रिंटिंग प्रेस में छपा था। यहीं से पेपर लीक हुआ था। प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी सुनील रघुवंशी की मदद से राजीव नयन मिश्रा ने पेपर लीक करवाया था। अभ्यर्थियों से 10-12 लाख रुपए लेकर भोपाल के एक होटल में उन्हें रटवाया गया था। एसटीएफ ने भोपाल के प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी सुनील रघुवंशी समेत 6 लोगों को प्रयागराज से अरेस्ट किया। एसटीएफ अब तक इस मामले में 16 लोगों को जेल भेज चुकी है।

11 फरवरी को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था पेपर

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 11 फरवरी, 2024 को आरो-एआरओ (समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी) की प्रारंभिक परीक्षा कराई थी। कई परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही उसका प्रश्नपत्र वायरल हो गया। यूपी सरकार ने परीक्षा निरस्त करके मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी। एसटीएफ ने 100 से अधिक नंबर सर्विलांस पर लगाए। पेपर भोपाल में छपा था, तो प्रेस के हर कर्मचारी का कॉल डेटा रिकॉर्ड यानी सीड़ीआर निकाला। टीम भोपाल पहुंची तो पता चला कि पेपर लीक का मास्टर माइंड राजीव नयन मिश्रा उस समय अपने गैंग के साथ भोपाल में रह रहा था। एसटीएफ को शक हो गया कि इसी गैंग ने प्रेस के कर्मचारी सुनील रघुवंशी से पेपर लीक करवाया। सुनील रघुवंशी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो उसने आनाकानी की। मगर, सख्ती से पूछताछ करने पर जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों के नाम भी बताए। एसटीएफ ने दबिश देकर 5 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

कैसे हुआ पेपर लीक

प्रिंटिंग के दौरान प्रश्नपत्र में स्याही लगने पर उसे छांटकर अलग रखा जाता है। बाद में इसे कटर मशीन में नष्ट कर दिया जाता है। 3 फरवरी को सुनील मशीन की मरम्मत के समय मौजूद था। मौका पाकर एक स्याही लगा प्रश्नपत्र अपने पानी पीने की बोतल के साथ बाहर ले आया। उसने विशाल दुबे को फोन किया। फिर विशाल, राजीव नयन मिश्रा और सुभाष प्रकाश को होटल बुलाया। फिर सॉल्वरों से प्रश्नपत्र को हल कराकर अभ्यर्थियों को दे दिया। इसके लिए हर अभ्यर्थी से 12-12 लाख रुपए मांगे थे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में साथ थे पढ़ते

एसटीएफ जांच में प्रिंटिंग प्रेस कर्मी और गिरफ्तार सॉल्वर गैंग के नंबरों के बीच बातचीत के सबूत भी मिले। पता चला कि प्रयागराज का राजीव नयन मिश्रा, बिहार के सुभाष प्रकाश, प्रयागराज के विशाल दुबे और भोपाल के प्रिंटिंग प्रेस कर्मी सुनील रघुवंशी अलग-अलग प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे, लेकिन एक-दूसरे से परिचित थे। विशाल दुबे और सुनील रघुवंशी 2014 से 2017 तक इंजीनियरिंग कॉलेज में एक साथ पढ़े थे। सुनील रघुवंशी प्रिंटिंग प्रेस में मैकेनिकल इंजीनियर है। सुभाष प्रकाश प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में नौकरी करता है। सुनील की प्रिंटिंग प्रेस में पेपर छपते हैं। यह जानकारी विशाल दुबे ने राजीव नयन और सुभाष प्रकाश को दी। फिर सभी ने पेपर लीक की प्लानिंग की।

भोपाल के होटल में रटाया पेपर

सॉल्वर गैंग ने भोपाल के कोमल होटल में अभ्यर्थियों को पेपर रटवाया था। सबसे पहले विशाल दुबे अपने साथ संदीप पांडेय को ले गया। फिर सुनील रघुवंशी प्रश्नपत्र की 6-6 फोटो कॉपी कराकर वहां पहुंचा। सुभाष प्रकाश ने गाइड और मोबाइल से पेपर को सॉल्व कराया और वहां मौजूद अभ्यर्थियों को रटवाया गया। विवेक उपाध्याय और अमरजीत शर्मा भी अभ्यर्थी लेकर आए थे।

पहले विशाल को बताया आरो-एआरओ पेपर

सुनील रघुवंशी ने विशाल दुबे को बताया कि आरो-एआरओ का प्रश्नपत्र छप रहा है, जिसके एक प्रश्नपत्र में 140 प्रश्न हैं। दूसरे में 40 प्रश्न हैं। राजीव नयन, विशाल दुबे और सुभाष प्रकाश ने प्रश्नपत्र को आउट कराने के लिए सुनील रघुवंशी को तैयार किया। उसने 10 लाख रुपए की मांग की। प्रश्नपत्र भोपाल में अपने सामने पढ़वाने की शर्त रखी। राजीव नयन, विशाल दुबे और सुभाष तैयार हो गए।

कौन है मास्टरमाइंड राजीव नयन

राजीव नयन मूल रूप से प्रयागराज के थाना मेजा के अमोरा गांव का रहने वाला है। राजीव ने भोपाल से इंजीनियरिंग की है। फिर उसने नौकरी नहीं की। भोपाल में ही करियर एंड प्लेसमेंट कंसल्टेंसी का ऑफिस खोल लिया।

एक नजर

बेटे ने की बाप की गला रेतकर हत्या

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र स्थित उसरौली गांव में सोमवार सुबह युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई । युवक की हत्या उसके बड़े पुत्र ने ही धारदार हथियार से गला रेतकर की थी । युवक मुंबई रहता था और दो दिन पहले ही गांव आया हुआ था । युवक की हत्या की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । सेराज की गर्दन किसी धारदार हथियार से काट दी गई थी और आसपास खून बिखरा हुआ था । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

गुरुकुल पद्धति के विद्यालय में राष्ट्रवाद की शिक्षा पर जोर

चंदौली। भारत के प्रमुख एड-टेक प्लेटफॉर्म, फिजिक्स वाला (पीडब्लू) द्वारा सशक्त गुरुकुलम स्कूल ने कक्षा पांच और उससे ऊपर के छात्रों के लिए परिसर में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराया है। यह स्कूल पुरातन गुरुकुल की पद्धति से संचालित किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रवाद की शिक्षा प्रमुख है। वाराणसी डाफी मुगलसराय बाईपास पर स्थित है ।गुरुकुलम स्कूल सीबीएसई बोर्ड से संचालित हो रहा है। पाठ्यक्रम की रूपरेखा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप है। विशेष फोकस के क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता शामिल है। छात्र मोंटेसरी शिक्षाशास्त्र, रोबोटिक्स और अन्य कौशल के विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। गुरुकुलम स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका मुखर्जी ने कहा,कि "हमारा लक्ष्य रटने की शिक्षा से व्यावहारिक शिक्षा की ओर बढ़ना है, जो हर छात्र को दुनिया का सामना करने के लिए तैयार करेगा। छात्रों को संस्कृति से जुड़ाव के साथ-साथ टेक्नोलॉजी के महत्व से भी परिचित कराया जा रहा है। सामूहिक शिक्षण के माध्यम से शिक्षार्थियों को जिम्मेदार बनाया जा रहा है।

पूर्व पीएम विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती आज

चंदौली। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती 25 जून को नगर पंचायत के कार्यालय के पास पूर्वाहन 11 से धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक सियाराम सिंह चौहान ने देते हुए बताया कि इसमें गोष्ठी के साथ-साथ उनके किए गए कार्यों पर चर्चा की जाएगी इसके मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल है।

चौकिया धाम में श्रद्धालुओं और दुकानदारों से किया संवाद

जौनपुर। मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत सोमवार को मिशन ड्रग फ्री कैंपस एवं सोसायटी के समन्वयक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के व्यवहारिक मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के समूह द्वारा अभियान के 13वें दिन जनपद स्थित चौकियां माता मंदिर के प्रांगण एवं मंदिर के आस-पास स्थित दुकानों एवं दर्शन करने आए श्रद्धालुओं से विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत संवाद एवं संपर्क के माध्यम से नशा से होने वाले विभिन्न बीमारियों के बारे में बताया। साथ ही हमारे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभाव तथा उससे स्वयं और अपने परिवार, दोस्तों को नशा मुक्त जीवन जीने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। ज्ञात हो कि यह अभियान विगत 12 जून से विश्वविद्यालय परिसर स्थित नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र और व्यावहारिक मनोविज्ञान द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में अभियान विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर चल रहा है।

सीएमओ की अध्यक्षता में शहरी समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मऊ। शहरी समन्वय समिति की त्रैमासिक बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नंदकुमार की अध्यक्षता में हुई, इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर निगम, शिक्षा, आईसीडीएस, डूडा, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम), जलकल विभाग, बेसिक शिक्षा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहीं सहयोगी संस्थाओं पीएसआई इंडिया , यूनिसेफ के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जिसमें सभी ने जनकल्याण की योजनाओं को और भी प्रभावी बनाने पर अपने विचार व्यक्त किये।

काशी विश्वनाथ धाम में दान और दर्शनार्थियों की संख्या में हुई रिकॉर्ड वृद्धि

'बाबा' विश्वनाथ धाम की आय में चार गुना की वृद्धि

- दुनिया के हर कोने से काशी पहुंचना हुआ आसान

केटी न्यूज/वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ धाम का विस्तार कर सुगम और अत्याधुनिक बनाया गया तो विश्व भर से शिव भक्तों की संख्या दिन ब दिन बढ़ने लगी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बादे बाबो की आय में भी कई वृद्धि हुई। डबल इंजन सरकार में सुविधाओं के विस्तार होने के बाद विश्वनाथ धाम में दान और दर्शनार्थियों की संख्या में रिकॉर्डे वृद्धि भी हुई। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2023 -24 में बाबा की आय में चार गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। बीच में कोरोना काल में भक्तों की संख्या में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन इसके बाद फिर से इसमें बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के कायाकल्प के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लगातारे निरीक्षण और निर्देशन में मंदिर में कई सुविधाओं की बढ़ोतरी हुई। मंदिर का विस्तार और दर्शन की सुगमता ने काशी में तीर्थाटन को और बढ़ा दिया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि बाबा के आय में चढ़ावा, दान, टिकटे औरे परिसर में नवनिर्मित भवनों के आय आदि के रूप में पिछले 7 साल में 4 गुना की वृद्धि हुई है। 13 दिसम्बर 2021 को हुए विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद मई 2024 तक बाबा के भक्तों की संख्या 16.22

डबल इंजन सरकार में मिलने लगी विश्व स्तरीय सुविधाएं

धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी काशी अनादिकाल से सनातन धर्म मानने वालों की तीर्थस्थली है। डबल इंजन सरकार में अब काशी में विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलने लगी है। इस प्राचीन शहर में दुनिया के हर कोने से पहुंचना आसान हो गया है, जिससे यहां भक्तों का प्रवाह बढ़ गया है। ऐसी मान्यता है कि सनातन परम्परा में दान से विशेष पुण्य मिलता है। धर्म की नगरी काशी में आने के बाद शिव भक्त दिल खोल कर चढ़ावा व दान कर रहे हैं।

वित्तीय वर्ष	आय
2017-2018	20,14,56,838 .43
2018-2019	26,65,41,673 .32
2019-2020	26,43,77,438 .00
2020-2021	10,82,97,852 .09
2021-2022	20,72,58,754 .03
2022-2023	58,51,43 ,676 .33
2023-2024	86,79,43,102 . 00

सुभाषितम्

चितवन से जो रुखाई प्रकट की जाती है, वह भी प्रोध से भरे हुए कटु वचनों से कम नहीं होती। -आचार्य रामचंद्र शुक्ल

लाइन लास के नाम पर बिजली चोरी का गोरख धंधा

देश में बिजली चोरी के लिए झुग्गी- झोपड़ी, किसानों और निम्न-मध्यम वर्ग को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। बिजली चोरी बड़े पैमाने पर विभिन्न राज्यों के विद्युत मंडल और विद्युत उत्पादन संयंत्रों से होती है। पिछले चार दशक में लाइन लास को कम करने के लिए हजारों करोड़ों रुपए प्रत्येक राज्य विद्युत मंडल द्वारा खर्च किए जाते है। लाइन लास कम होने के स्थान पर, बढ़ता ही जा रहा है। 2023 के जो नए आंकड़े सामने आए हैं, उसके अनुसार अरुणाचल राज्य में 58 फीसदी, नागालैंड में 46 फीसदी, सिक्किम में 37 फीसदी, झारखंड में 30 फीसदी, त्रिपुरा में 28 फीसदी, उड़ीसा में 27 फीसदी, मिजोरम में 26 फीसदी, मेघालय में 24 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 22 फीसदी और मध्य प्रदेश में 21 फीसदी लाइन लास बताया गया है। विद्युत मंडलों का सबसे बड़ा नुकसान लाइन लास के रूप में होता है। थर्मल पावर संयंत्रों में कोयला चोरी से विद्युत उत्पादन की कीमत 25 से 30 फीसदी तक बढ़ी है। जिसके कारण उपभोक्ताओं को महंगी बिजली मिल रही है। पिछले कई दशकों से विद्युत संयंत्रों से कोयले की चोरी रोकने और लाइन लास कम करने के नाम पर हर साल, हर राज्य का विद्युत मंडल, हजारों करोड़ों रुपए खर्च करता है। लेकिन चोरी रुकने के स्थान पर साल दर साल बढ़ती ही चली जा रही हैं। बड़े-बड़े औद्योगिक संस्थानों की मिली भगत से विद्युत चोरी, बिजली विभाग के अधिकारियों और राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर होती है। इस बिजली चोरी को लाइन लास और विद्युत उत्पादन में हुए नुकसान से जोड़कर एक सुनियोजित साजिश के तहत, पिछले दो दशक से लगातार बिजली की कीमतें लगातार बढ़ाई जा रही हैं। इसका खामियाजा निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों को भुगतना पड़ता है। हर राज्य के करोड़ों उपभोक्ताओं को जो ईमानदारी से अपना बिजली का बिल चुकाते हैं, उन्हें महंगी बिजली खरीदना पड़ रही है। हर राज्य की विद्युत कंपनियों ने चोरी पकड़ने के लिए हजारों कर्मचारी नियुक्त किए हैं। पिछले कई दशकों से विद्युत वितरण क्षेत्र में कोटेड वायर बिछाए गए हैं। पोल पर ट्रांसफार्मर लगाकर चोरी रोकने के लिए मीटर भी लगाए गए। उसके बाद भी विद्युत चोरी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। उल्टे हर साल विद्युत चोरी बढ़ती ही जा रही है। राजनीतिक दबाव भी इसका एक सबसे बड़ा कारण है। उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश की बात करें, तो यहां पर विद्युत वितरण की तीन कंपनियां हैं। पश्चिम क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनी में 13 फीसदी लाइन लॉस है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 23 फीसदी तथा पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 27 फीसदी का लाइन लॉस है। ऊर्जा मंत्रालय की 12वीं रेटिंग रिपोर्ट में मध्य प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियों में आंशिक सुधार होने की बात जरूर कही गई है। लेकिन किसी भी विद्युत कंपनी को ए क्लास वाली रेटिंग नहीं मिली। विद्युत नियामक आयोग की भूमिका इसमें सबसे ज्यादा खराब है। विद्युत वितरण और उत्पादन कंपनियों द्वारा जो हिसाब किताब नियामक आयोग में पेश किया जाता है। उसी के अनुसार बिजली की दरें तय कर दी जाती हैं। विद्युत नियामक आयोग में कंपनियों के साथ-साथ आम विद्युत उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखने के लिए विद्युत नियामक आयोग को उनकी शिकायतों पर सुनवाई करनी चाहिए। सुनवाई के नाम पर केवल फॉर्मेलिटी पूरी कर ली जाती है। विद्युत उपभोक्ता असंगठित होते हैं। विद्युत नियामक आयोग में वह अपना पक्ष अच्छे तरीके से नहीं रख पाते हैं। विद्युत नियामक आयोग को जिस तरह से कंपनियों के उत्पादन, वितरण और अन्य खर्चो के बारे में जांच करनी चाहिए, उसकी ओर आयोग ध्यान नहीं देता है। इस कारण देश भर के करोड़ों बिजली उपभोक्ता जो ईमानदारी के साथ अपना बिल भरते हैं, उनके ऊपर साल दर साल बोझ बढ़ता चला जा रहा है।

चिंतन-मनन

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है। यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी। यद्यपि निर्धारण कताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं। जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है। शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है?

सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने पर हो रहा विचार

- प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का एवं भारत के राजकोषीय घाटे से सम्बंधित आंकड़ों का लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। यदि उक्त दोनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है। किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। भारत में हाल ही में केंद्र में नई सरकार के गठन सम्बंधी प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीमंडल के समस्त सदस्यों को विभागों का आबंटन भी किया जा चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों का भरपूर लाभ देश को मिला है। इससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली है एवं आज भारत, विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अपार कमी दृष्टिगोचर है। देश में बहुत बड़े स्तर पर वित्तीय समावेशन हुआ है, जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक बचत खाते खोले जा चुके हैं एवं इन बचत खातों में आज लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है, इस राशि का उपयोग देश के आर्थिक विकास के लिए किया जा रहा है। रोजगार के नए अवसर भारी संख्या में निर्मित हुए हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2200 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। देश के कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दुगने से भी अधिक हो गई है। भारत में विदेशी निवेश भारी मात्रा में होने लगा है एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में ही करने लगी हैं। इससे देश में विनिर्माण इकाईयों (उद्योग क्षेत्र) की विकास दर 8-9 प्रतिशत के पास पहुंच गई है। मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं लगातार तेज गति से आगे बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन के चलते भारत में आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से भी अधिक रही है। भारत, अपने आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से आधारभूत ढांचें को विकसित करने के लगातार प्रयास कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.5 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान देश के आधारभूत ढांचे को विकसित करने हेतु किया गया था, जिसे वित्तीय वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इसे और अधिक बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है। आधारभूत ढांचे को विकसित करने से देश में उत्पादकता में सुधार हुआ है एवं विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कमी आई है। जिससे, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को भारत में स्थापित करने हेतु आकर्षित हुई हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर का तो यह भी कहना है कि भारत जिस प्रकार की आर्थिक नीतियों को लागू करते हुए आगे बढ़ रहा है और केंद्र में नई सरकार के आने के बाद से अब सम्भावनाएं बढ़ गई हैं कि भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम बहुत तेजी के साथ किए जाएंगे इससे कुल मिलाकर भारत की आर्थिक विकास दर को लम्बे समय तक 8 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जा सकता है। भारत ने अपने आर्थिक विकास की गति को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। भारत के राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.1 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत तक नीचे लाने के प्रयास केंद्र सरकार द्वारा सफलता पूर्वक किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं परंतु भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का खर्च उसकी आय से अधिक होने पर इसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है। यह लम्बे समय में देश के आर्थिक स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है। भारत के कुछ राज्यों (पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल, आदि) में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, परंतु केंद्र सरकार एवं कुछ अन्य राज्य (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु आदि) जरूर अपने राजकोषीय घाटे को सफलता पूर्वक नियंत्रित कर पा रहे हैं। राजकोषीय घाटा मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम जैसे देशों में 4 प्रतिशत से कम है जबकि भारत में केंद्र सरकार एवं समस्त राज्यों का कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा 7.9 प्रतिशत है। उक्त वर्णित समस्त देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ है जबकि भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ- है। अतः भारत के कुछ राज्यों को तो अपने राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु बहुत मेहनत करने की आवश्यकता है। राजकोषीय घाटे को कम करने में भारत को सफलता इसलिए भी मिली है कि देश 20 से अधिक करों को मिलाकर केवल एक कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली, को सफलता पूर्वक लागू किया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के रूप में भारत को औसत 1.75 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रतिमाह अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त हो रही है। साथ ही, प्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी 20 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि परिलक्षित हुई है। भारत में बैंकिंग व्यवस्थाओं के डिजिटलीकरण को ग्रामीण इलाकों तक में लागू करने से भारतीय अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बहुत तेज गति से हुआ है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में भारी भरकम वृद्धि हुई है। जबकि केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों ने अपने गैर योजना खर्च की मदों पर किए जाने वाले व्यय पर नियंत्रण करने में सफलता भी पाई है। इसके कारण राजकोषीय घाटे को लगातार प्रति वर्ष कम करने में सफलता मिलती दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग का आंकलन करने वाले विभिन्न संस्थान भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं आर्थिक प्रगति के साथ साथ राजकोषीय घाटे को कम करते हुए भारत द्वारा जिस प्रकार अपनी वित्त व्यवस्था को नियंत्रण में रखने का काम सफलता पूर्वक किया जा रहा है, इससे यह संस्थान भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने हेतु गम्भीरता से विचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

लगता है एसपी साहेब विदेश से आ रहे थे...

- चैतन्य भट्ट

लो साहब भारी विवाद मच गया विद्युत मंडल के अधिकारियों और अपने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच। नेताओं का गुस्सा तो आप जानते ही हैं पहुंच गए उनके दफ्तर में उठा पटक कर दी, कुर्सियां फेंक दी, फाइलें फाड़ दी ऐसा विद्युत मंडल के अधिकारी बता रहे हैं, वैसे जो वीडियो जारी हुए हैं उसमें भी यही सब दिखाई दे रहा है,जब इतना सब हो गया तो अफसर पहुंच गए थाने लिखवा दी रिपोर्ट कि ऐसा ऐसा हुआ। नेताओं को गुंडा बता दिया बस फिर क्या था ,तीन तीन बीजेपी विधायक नगर अध्यक्ष और तमाम भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी पहुंच गए कोतवाली, ना धूप देखी ना मौसम चिलचिलाती धूप में दोपहर तीन बजे से धरना दे दिया। मांग थी कि एसपी साहब यहां आए और उनसे बात करें और विद्युत मंडल के अफसरों के खिलाफ भी एफ आई आर दर्ज करवाएं। एसपी कोई छोटा-मोटा अफसर तो होता नहीं पूरे जिले की पुलिस उसके अंडर में होती है उन्होंने भी एक एडिशनल एसपी को भेज दिया कि जाकर देखो यार क्या लफड़ा धपडा चल रहा है, लेकिन तीनों विधायक ,नगर अध्यक्ष और तमाम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की एक ही मांग थी कि एसपी थाने आएं। चिल्ला चोट करते-करते नेताओं का गला सूख गया पर एसपी साहब नहीं आए पूरी रोड जाम हो गई लोगों का निकलना मुहाल हो गया लेकिन एसपी साहब नहीं आए। धरना चलता रहा समय बीतता गया और फिर रात के साढ़े आठ बजे एस पी साहेब भए प्रगट कृपाला की तर्ज पर थाना कोतवाली पहुंचे और विद्युत मंडल के अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। लोग बात पूछ रहे हैं कि आज जिनकी सरकार है उनके इतने सीनियर विधायकों, नगर अध्यक्ष और तमाम भारतीय जनता पार्टी के लीडरों को धरने पर बैठना पड़ा और वो भी एक एसपी को कोतवाली बुलाने के लिए। आखिर एसपी साहब कोतवाली क्यों नहीं पहुंच पा रह रहे थे तो अपन ऐसा अनुमान लगा रहे हैं कि एसपी साहब जरूर विदेश में रहे होंगे जब यहां से खबर पहुंची होगी कि हुजूर आपके आए बिना ये धरना खत्म नहीं होगा तब फिर विदेश से उन्होंने अपनी रवानगी डाली होगी वरना एस पी आफिस से कोतवाली आने में कितना वक्त लगता, लेकिन जब विदेश से आना है तो 5-7 घंटे तो लगेंगे और लग भी गए, लेकिन इसमें सबसे ज्यादा मजा तो कांग्रेस वाले ले रहे हैं उनका कहना है कि जिनकी सरकार है उनके विधायकों की एक एसपी नहीं सुन रहा तो फिर उनके कार्यकताओं और आम जनता की सुनवाई कैसे होगी ? अब पता लगा है कि खबर ऊपर तक पहुंच गई है और मुख्यमंत्री जी ने नेताओं और अफसरों की बैठक ली है अब देखना ये है कि इस मसले पर होता क्या है क्योंकि विद्युत मंडल अफसरों और कर्मचारियों की यूनियनें भी बहुत तगड़ी हैं, उन्होंने भी साफ-साफ कह दिया है कि अगर गलत एफ आई आर दर्ज की गई तो वे सड़कों पर उतर जाएंगे इन दोनों के चक्कर में जनता भारी हलाकान है कि कहीं ऐसा ना हो दोनों की लड़ाई के बीच में जनता पिस जाए अगर एक दिन भी लाइट गोल कर दी विद्युत मंडल के अफसरों ने तो जनता का क्या हाल होगा यह जनता ही बता पाएगी।

मंत्री आखिर मंत्री है

मुरैना की एक खबर है कि बिहार के नेता जीतन राम मांझी जी जो आजकल केंद्रीय मंत्री भी है कहीं जा रहे थे अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई आनन फानन में मुरैना के अफसरों ने मंत्री जी को देखा और उनको सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाने ले गए। सरकारी अस्पताल के आईसीयू में एक मरीज भर्ती था जिसको सांस की बीमारी थी अब चूंकि मंत्री जी के लिए पलंग की जरूरत थी तो उस गरीब को आईसीयू से उठाकर गैलरी में लिटा दिया गया बाद में जब मंत्री जी की तबीयत ठीक हो गई और जब वे वहां से चले गए तब उस गरीब को फिर से आईसीयू नसीब हुआ। अखबारों में खबर छप गई कि मंत्री जी के लिए ऐसा कर दिया गया। अरे भाई ये तो सोचो आप कि वो कोई साधारण आदमी नहीं था मंत्री है और वो भी केंद्रीय मंत्री और फिर अभी तो केंद्र की सरकार के लिए एक-एक सांसद जरूरी है ऐसे में यदि उनकी देखरेख न की जाती तो अफसरों की तो लाई ही लुट जाती , आम मरीज का क्या है थोड़ी देर अगर गैलरी में लेटा भी रहा तो कौन सी उसकी सांस रुक गई? वो तो अच्छा हुआ कि उसे गैलरी में लिटा दिया था उसे तो इस बात का डर लग रहा था कि कहीं मंत्री जी के चक्कर में उसे डिस्चार्ज ही ना कर दिया जाए वैसे उस मरीज को मंत्री जी का भी शुक्रगुजार होना चाहिए कि वे चार छह दिन भर्ती नहीं रहे वरना उसे भगवान का प्यारा होने से कोई नहीं रोक सकता था।

खेल नर्सिंग काउंसिल का

मानते हैं अपन सरकार में बैठे मंत्रियों और अफसरों को वे वास्तव में भगवान ही होते हैं जिस पर मेहरबान हो जाए तो उसके वारे न्यारे हो जाते हैं अब देखो ना एक स्टाफ नर्स सुनीता शिजु थी लेकिन अफसरों और मंत्री जी ने निर्मल बाबा की तर्ज पर ऐसी कृपा बरसाई कि उन्हें नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रार बना दिया जबकि इसके लिए पंद्रह साल की सेवाएं और पांच साल का प्रशासनिक अनुभव जरूरी था, अब आप खुद समझ लो कि एक नर्स को प्रशासन का अनुभव कैसे हो सकता है लेकिन जब अफसर मेहरबान तो गधा पहलवान वाली कहावत चरितार्थ हो गई। वो स्टाफ नर्स रजिस्ट्रार बन कर तमाम ऐसे नर्सिंग कालेजों को मान्यता देती रही जिनके पास में कमरा था, ना अस्पताल ना पढ़ाने वाले लोग, वो तो अच्छा हुआ कि हाई कोर्ट ने बत्ती दी और जब घपलों की परतें खुली तो सुनीता जी को बर्खास्त कर दिया गया लेकिन भैया उन अफसरों का क्या होगा जिन्होंने एक स्टाफ नर्स को रजिस्ट्रार बनकर बैठा दिया था,लेकिन अपने को मालूम है कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि वो ही तो सरकार चला रहे हैं

सुपर हिट ऑफ द वीक

आपके पति केवल चौबीस घंटे के मेहमान हैं डाक्टर ने श्रीमान जी की हालत देखते हुए श्रीमती जी से कहा कोई बात नहीं डाक्टर साहेब जहां चौबीस साल काट लिए वहां चौबीस घंटे और सही! श्रीमती जी ने उत्तर दिया।

औरत को कब बराबरी का दर्जा मिलेगा!

- सोनम लववंशी

वह तोड़ती पत्थर, देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर! कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने जब यह कविता लिखी। तबसे लेकर अबतक काफी कुछ बदल गया है। जिंदगी की रफ़्तार बदल गई। लोगों के सोचने-समझने का नजरिया बदला गया। जीवन के मायने बदल गए और निःसन्देह महिलाओं के जीवन में भी काफी बदलाव आया है। आज महिलाएं आगे तो बढ़ रही हैं, लेकिन आज भी उनके रफ़्तार की गति बहुत धीमी है। तभी तो देश की आजादी के 77 वर्ष बाद भी देश की महिलाएं आर्थिक लैंगिक समानता के मामले में पिछड़ी हुई है। हालिया जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ताजा रिपोर्ट की माने तो लैंगिक समानता के मामले में भारत 146 देशों की सूची में 129 वें नंबर पर है। आज भी हमारे देश में औसतन पुरुषों को 100 रुपए कमाई के मिलते है तो महिलाओं को मात्र 39.80 पैसे मिलते है। वैसे यह दस्तूर सिर्फ भारत का नही बल्कि पूरी दुनिया का है। आखिर यह भेदभाव क्यों? हम स्त्री को सृजनकर्ता के रूप में देखते। फिर उसके द्वारा किया गया कार्य कमतर कैसे हो जाता। यह बात समझ से परे है। देखा जाए तो पुरुषों और महिलाओं में समानता का सवाल बहुत पुराना है। लेकिन, जब योग्यता, क्षमता और दक्षता में दोनों समान हों, तो सिर्फ लैंगिक कारणों से दोनों में विभेद नहीं किया जाना चाहिए! लेकिन, हर क्षेत्र में लैंगिक असमानता बरकरार है। यहां तक कि खेल संगठन में भी पुरुषों और महिलाओं में फर्क किया जाता है और ये उनको मिलने वाले वेतन, भत्तों में भी साफ नजर आता है! वर्तमान दौर में लैंगिक समानता पर बहस छिड़ी है और इस असमानता का अर्थ महिलाओं के संघर्ष से जोड़कर देखा जाने लगा। जबकि, लैंगिक समानता का सीधा सा अर्थ है कि महिला और पुरुषों को हर क्षेत्र में बराबरी के अवसर मिले। उन्हें न केवल समान वेतन मिले, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में भी समानता के भाव से देखा जाए। पर, विडंबना देखिए कि हम बात तो समता और समानता की करते है, लेकिन आज भी महिलाओं को उस नजरिए से नहीं देखा जाता। यहां तक कि उन्हें काम पाने के लिए भी कड़े संघर्ष करने पड़ते हैं। जबकि कमाई के मामले में महिलाएं आज भी बहुत पिछड़ी हुई है। पिछड़ेपन की सबसे बड़ी वजह महिलाओं को उनके काम का उचित पारिश्रमिक नहीं मिलना है। भारत में जिस कार्य के लिए पुरुष को 100 रुपए मिलते है महिलाओं को उसी काम के लिए महज 52 रुपए ही मिलते है। जबकि आर्थिक लैंगिक समानता की सूची में बीते वर्ष 127 वें स्थान पर थे लेकिन अब फि सलकर 129 वें स्थान पर पहुंच गए है। यही स्थिति रही तो वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में आने के हमारे लक्ष्य को आर्थिक लैंगिक असमानता बाधक बन सकती है। आज भी हमारे देश में बडे संवैधानिक पद हो, या उद्योग जगत महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले कम ही नजर आती है। यह सामाजिक व्यवस्था की कमजोरी कहे चाहे प्रशासनिक संस्था की लाचारी और बेबसी। लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कमतर ही आंका जाता है। महिलाएं ही हैं जो घर और समाज को बेहतर ढंग से चला सकती हैं। फिर क्यों उस महिला को समाज में कमतर आंका जाता है उसे उचित सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता है। उसके द्वारा किए काम का सही मूल्य नहीं दिया जाता। आज पुरुष प्रधान समाज के साथ-साथ महिलाओं को भी इस दिशा में सोचना होगा। इससे इतर अपनी बेहतरी के लिए आगे आना होगा।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला आज करियर में लाभ का दिन है और आज आपके लिए पराक्रम में वृद्धि के योग बन रहे हैं।

वृषभ आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक दिन सफलता से भरा होगा। दिन आपके लिए हर कार्य में विजय प्रदान करने वाला होगा।

मिथुन आज करियर के मामले में आज का दिन काफी भागदौड़ और व्यस्तता से भरा होगा।

धनु अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। धन की प्राप्ति होने से आपके कोष में वृद्धि होगी।

कर्क आज दिन शुभ है और आज आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर व्यस्तता के संकेत मिल रहे हैं। व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सिंह आज लाभ होगा और आपकी आय में वृद्धि होगी। भाग्य वृद्धि आज के शुभ ग्रह योग साथ दे रहे हैं।

कुंभ दिन सफलता से भरा होगा और आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं। धन और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या आज लाभ का दिन है और आज आपको भाग्य के विकास में सफलता मिलेगी।

मीन हर मामले में किस्मत का साथ मिलेगा। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है।

विशेष

प्रादेशिक पार्टियों के लिए खतरे की घंटी

कई राज्यों की प्रादेशिक पार्टियों के अस्तित्व पर खतरे की घंटी बज रही है। उन्हें अपना अस्तित्व बचाए रखने में कडा संघर्ष करना पड़ रहा है। हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों की स्थिति काफी कमजोर हुई है। पिछले चुनाव की तुलना में उनका वोट प्रतिशत लगातार घट रहा है।लोकसभा के चुनाव में क्षेत्रीय पार्टियों को अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। इसके बाद भी उनका वोट प्रतिशत लगातार घटता जा रहा है। बसपा को इस चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

आरक्षण की राजनीति और आम मतदाता

आरक्षण की राजनीति पिछले कई दशकों से हो रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 50 फीसदी का अधिकतम बैरियर लागू किया गया है। उसके बाद भी हर चुनाव के पहले प्रत्येक प्रदेश में आरक्षण का खेल राजनीतिक दल खेलते हैं। बिहार में भी यह खेल जातिगत जनगणना के बाद खेला गया। इसके पहले महाराष्ट्र में खेला गया था। आरक्षण के नाम पर एक वर्ग को प्रभावित करके वोट पाने का यह हथकंडा हर राजनीतिक दल चुनाव के पहले अपनाता है। इसके बाद कोर्ट में चुनौती दी जाती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट आरक्षण को निरस्त कर देते हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1862: अमरीका ने लाइबेरिया की स्वतंत्रता को मान्यता दी. 1900: ब्रिटिश राजनेता लार्ड लुई माउंटबेटन का जन्म हुआ. 1932: भारत ने पहला क्रिकेट टेस्ट लाड्र्स मैदान पर खेला. 1942: ब्रिटिश वायुसेना ने जर्मनी पर हमला किया. 1950: कोरियाई युद्ध भड़का. 1966: वेटिकन और युगोस्लाविया के बीच राजनीतिक संबंध स्थापित हुए . 1983: भारत विश्व कप क्रिकेट चैम्पियन बना. 1987: सोवियत नेता मिखाइल गोबार्चेव ने देश में व्यापक सुधारों का आह्वान किया. 1988: पेशावर के एक होटल में बम विस्फोट से 3 व्यक्ति मारे गए और अनेक लोग घायल हो गए. 1990: जांबिया में सरकार विरोधी दंगे भड़के. 1994: मुंबई के पूर्व अंडरवर्ल्ड डान हाजी मस्तान का निधन. 2001 जम्मू रेलवे स्टेशन पर बम फटने से 43 घायल.

दैनिक पंचांग

25 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.51 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	09.07 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.19 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.30 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.45 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	18.01 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.06 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.52 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	23.25 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	मेष	00.56 बजे से
		वृष	02.36 बजे स
		मिथुन	04.34 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 177 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 23.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 14.33 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 09.06 बजे को समाप्त।
करण बव 12.18 बजे तदनन्तर बालव 23.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872021
जूलियन दिन 2460486.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज
तारीख 18 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फेस के शेप के हिसाब से कैरी करें इयररिंग्स

हर किसी की चाहत अच्छा दिखना होती है। लोग स्टाइलिश लगने के लिए कई ट्रेंडिंग आउटफिट खरीदते हैं। अगर बात करें लड़कियों की तो वह आउटफिट के साथ कई ऐसी चीजें होती हैं, जिनका उपयोग लड़कियां खूबसूरती बढ़ाने के लिए करती हैं।

लड़कियां मेकअप के अलावा आउटफिट के हिसाब से एक्सेसरीज पहनने की भी शौकीन होती हैं। एक्सेसरीज ही आपके लुक को परफेक्ट बनाती हैं। वहीं अगर बात सिर्फ इयररिंग्स की हो तो फेस के शेप के हिसाब से इयररिंग्स कैरी करना चाहिए। वहीं अगर आप गलत इयररिंग्स का चुनाव करती हैं, तो आपका अच्छा-खासा लुक भी बिगड़ सकता है। एथनिक वियर के साथ कई अलग तरह की इयररिंग्स पहनी जाती हैं। अगर आप अपने चेहरे के हिसाब से इयररिंग्स नहीं पहनती हैं, तो यह देखने में भी खराब या अजीब लग सकता है। इसलिए आपको अपने चेहरे के हिसाब से इयररिंग्स कैरी करना चाहिए। इस इयररिंग्स से आपके लुक में चार चांद लगते हैं।

डायमंड आकार का फेस

अगर आपका फेस डायमंड शेप के आकार का है, तो आप पर लंबे लटकने वाले इयररिंग्स काफी अच्छे लगेंगे। क्योंकि क्योंकि चीकबोन की तुलना में इन लोगों का माथा कम चौड़ा होता है। इसलिए डायमंड आकार के फेस पर लंबे इयररिंग ही बेस्ट दिखेंगे।

हार्ट शेप फेस के लिए

हार्ट शेप आकार के फेस पर चौड़े बॉटम और टॉप पर संकरे, शैलेंडियर या लॉन्ग टीयरड्रॉप ईयररिंग्स काफी फबेंगे। क्योंकि इन लोगों की जॉ-लाइन बहुत अच्छी होती है।

लंबे फेस के लिए

अगर आपका फेस लंबा है, ऐसे में आप इसको भरा लुक देना चाहती हैं तो इस दौरान आप लंबे हूप्स, स्टड, क्लस्टर्ड ईयररिंग्स और स्टोन लगे हुए छोटे डैंगल ईयररिंग कैरी कर सकती हैं।

गोल फेस वालों के लिए

गोल फेस वाली लड़कियों पर लंबे लंबे इयररिंग्स अच्छे लगेंगे। यह आपके लुक को परफेक्ट बनाने का काम करेंगे।

अंडाकार फेस के लिए

अंडाकार फेस वाली लड़कियों पर स्डट, ईयरड्रॉप और हल्के ट्राईएंगुलर शेप के इयरिंग्स काफी अच्छे लगेंगे। क्योंकि अंडाकार फेस वालों का माथा और जॉ-लाइन लगभग एक समान होता है।

किसे करवाना चाहिए कैसा हेल्थ इंश्योरेंस जानें ये जरूरी जानकारी

गाहे-बगाहे आपके हेल्थ इंश्योरेंस के बारे में सुनने को मिल ही जाता है। इस दौरान जब लोग अपनी सेहत को लेकर सजग हो रहे हैं और बीमारियों ने हमें परेशान कर रखा है तब हेल्थ इंश्योरेंस एक बहुत बड़ी जरूरत बनती चली जा रही है। हेल्थ इंश्योरेंस की बात करें तो अधिकतर लोग अपने ऑफिस के हेल्थ इंश्योरेंस से ही खुश हो जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी जरूरत कितनी बड़ी है?

हेल्थ इंश्योरेंस पिछले कुछ सालों में इतना जरूरी टूल बन गई है कि आपको इसकी अहमियत समझनी चाहिए। ये आपके लंबे-चौड़े हेल्थ बिल का भुगतान आसानी से कर सकती है और किसी बड़े ऑपरेशन का खर्च भी निकाल सकती है। पर अधिकतर लोगों की समस्या ये होती है कि उन्हें ये जानकारी नहीं होती कि कैसा इंश्योरेंस प्लान उनके लिए बेस्ट होगा।

मुख्य दो तरह के होते हैं इंश्योरेंस प्लान-

आपको सबसे पहले तो ये तय करना होगा कि आपको किस टाइप का हेल्थ इंश्योरेंस लेना है यानि आपको फैमिली प्लान लेना है या फिर एक सिंगल प्लान जो सिर्फ आपको कवर करे। अगर आपकी शादी हो गई है तो फैमिली फ्लोटर प्लान बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। सिंगल लोगों के लिए ही नॉर्मल प्लान होना चाहिए।

सिर्फ ऑफिस के प्लान पर भरोसा ना करें क्योंकि कई बार ये काफी नहीं होता है। अगर आपने अपना ऑफिस छोड़ा तो साथ ही प्लान का कवर भी छूट जाएगा। आपको अपनी हेल्थ हिस्ट्री के हिसाब से ही अपना प्लान तय करना चाहिए।

कितनी तरह के होते हैं हेल्थ इंश्योरेंस प्लान?

अब बात करते हैं हेल्थ इंश्योरेंस प्लान की और बात करते हैं कि आखिर कितने प्लान आप ले सकते हैं? हेल्थ इंश्योरेंस प्लान हॉस्पिटलाइजेशन और डे-केयर ट्रीटमेंट्स भी कवर कर सकते हैं। कुछ प्लान ऐसे भी होते हैं जो हेल्थ चेक अप और एम्बुलेंस चार्ज भी मैनेज कर लेते हैं। आप इन तरह के इंश्योरेंस प्लान ट्राई कर सकते हैं-

ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस

ये आमतौर पर वो हेल्थ इंश्योरेंस है जिसमें एक ग्रुप को कवर किया जाता है। ये कॉर्पोरेट, एम्प्लॉयज या स्टार्टअप्स के लिए लिया जाता है। ये आमतौर पर ऑफिस से मिलने वाला इंश्योरेंस है जिसमें सभी के पास एक जैसे इंश्योरेंस बेनिफिट्स होते हैं।

इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस

जैसा कि हमने पहले बताया ये इंश्योरेंस प्लान सिर्फ एक सिंगल इंसान के लिए होता है। ये प्लान फाइनेंशियल बेनिफिट्स देता है पर आपको परिवार के हर इंसान के लिए अलग-अलग कवर लेना होगा।

फैमिली फ्लोटर प्लान

ये वो प्लान है जिसमें आपको पूरे परिवार को कवरेज मिलता है। ये काफी अफोर्डेबल होता है और अलग-अलग फैमिली मेंबर्स इसका इस्तेमाल करते हैं। एक ही इंश्योरेंस पॉलिसी में सभी को कवर करने का फायदा ये होता है कि सभी फैमिली मेंबर्स फ्लोटर प्लान के जरिए कवर हो जाते हैं। आप इसमें माता-पिता, पत्नी, खुद की बीमारी और बच्चों की बीमारियां कवर कर सकते हैं।

गंभीर बीमारियों के लिए इंश्योरेंस

ये इंश्योरेंस प्लान सिर्फ गंभीर बीमारियों के लिए होता है जैसे किडनी फेल, स्ट्रोक, हार्ट अटैक, लकवा आदि। इस प्लान को पहले से लिया जाता है और इसका प्रीमियम भी ज्यादा हो सकता है। आपकी फैमिली हिस्ट्री के हिसाब से ये प्लान लिया जा सकता है।

एक्सीडेंटल इंश्योरेंस

ये वो प्लान होता है जिसमें दुर्घटनाओं को कवर किया जाता है। अगर कोई दुर्घटना हो जाती है तो आपकी सेविंग्स खत्म ना हो इसलिए आपको ये इंश्योरेंस करवाना चाहिए। ये पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस पॉलिसी आपके किसी भी तरह के एक्सीडेंट, डिसेबिलिटी, मौत आदि सभी को कवर करती है।

मैटरनिटी हेल्थ इंश्योरेंस

ये वो हेल्थ इंश्योरेंस प्लान है जिसमें मां और होने वाले बच्चे के लिए बेसिक हेल्थ पॉलिसी दी जाती है। ये डिलीवरी से पहले होने वाले टेस्ट, डिलीवरी का खर्च और उसके बाद होने वाले मेडिकल खर्च को कवर करता है। इस प्लान का वेटिंग पीरियड होता है और बेहतर होगा कि आप इस प्लान को बच्चे की प्लानिंग करने से पहले लें।

सीनियर सिटीजन हेल्थ इंश्योरेंस

ये पॉलिसी सीनियर सिटिज़न्स के लिए ली जाती है और 60 साल से ऊपर के किसी भी इंसान को इस पॉलिसी के अंतर्गत कवर किया जा सकता है। इस प्लान का रेट काफी हाई होता है।

ट्रैवल इंश्योरेंस से बनाएं अपने सफर को सुरक्षित जानें इसके फायदे

अगर आप कहीं ट्रैवल करने जा रही हैं तो आपको ट्रैवल इंश्योरेंस जरूर करवाना चाहिए क्योंकि इससे आपको कई सारे फायदे मिलेंगे।

अगर आप कहीं घूमने जा रही हैं तो उससे पहले आपको ट्रैवल इंश्योरेंस जरूर करवाना चाहिए क्योंकि अगर सफर के समय आपको किसी प्रकार की इमरजेंसी होगी तो यह ट्रैवल इंश्योरेंस आपके लिए बहुत मददगार हो सकता है। आप अपने साथ-साथ अपने परिवार वालों का भी ट्रैवल इंश्योरेंस करवा सकती हैं। इससे आपको यात्रा के समय सामान चोरी होने की स्थिति या फिर मेडिकल इमरजेंसी आदि कोई भी परेशानी होने पर ट्रैवल इंश्योरेंस का लाभ मिल सकता है।

क्या होता है ट्रैवल इंश्योरेंस?

ट्रैवल इंश्योरेंस कई तरह की इमरजेंसी जैसे मेडिकल खर्च के लिए कवरेज देता है। इस कवरेज में मेडिकल खर्च और चेक-इन में सामान संबंधी परेशानी होना या फिर यात्रा के समय सामान खो जाना इन ट्रैवल इमरजेंसी में फाइनेंशियल सहायता जैसे खर्च भी शामिल होते हैं।

इससे आपको कई तरह के अन्य फायदे भी मिलते हैं। यह सभी यात्रा के जोखिम को भी कवर करता है। कई सारी कंपनियां ट्रैवल इंश्योरेंस देती हैं और उनका प्रीमियम चार्ज अलग-अलग होता है और सुविधाएं भी उसी के अनुसार होती है। आपको बता दें कि बीमा कंपनी आपको ट्रैवल इमरजेंसी में मुआवजा देती है और यह इंश्योरेंस सिर्फ विदेश यात्रा के लिए ही नहीं बल्कि घरेलू सफर के लिए भी मिलता है।

क्या होते हैं ट्रैवल इंश्योरेंस के फायदे

इस इंश्योरेंस के कई सारे फायदे होते हैं। अगर आप विदेश में कहीं छुट्टियां बिताने गए हैं तो आपके घर पर चोरी हो सकती है ऐसे में आपके घर पर हुई चोरी से होने वाले नुकसान को पॉलिसी में कवर किया जाता है।(इंश्योरेंस नहीं, हेल्थ केयर मैनेजमेंट से सेक्योर करें अपने परिवार की हेल्थ)इसके अलावा इस इंश्योरेंस से आपको विदेश यात्रा जाने पर कई लाभ मिलते हैं जैसे अगर आपका पासपोर्ट या कोई अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट खो जाता है, प्लेन हाईजैक हो जाता है या आपको कोई स्वास्थ्य से जुड़ी हुई परेशानी होती है तो आप इस इंश्योरेंस का लाभ उठा सकते हैं।

इसके साथ-साथ अगर आप देश के अंदर या फिर विदेश में पूरे परिवार के साथ कहीं जाते हैं तो किसी भी प्रकार की दुर्घटना, बीमारी, उड़ान रद्द होने पर आपको और आपके परिवार को पूरा फायदा मिल सकता है अगर आपने यह इंश्योरेंस सभी परिवार के सदस्यों के लिए कराया होगा। इसके अलावा फ्लाइट में देरी होने पर भी कंपनी आपको मुआवजा देती है।

पंजाबी अंदाज पाने के लिए आप भी अगर सलवार सूटी की खूबसूरत डिजाइंस तलाश रही हैं, तो आपको भी एक बार लेख में दिखाई गई डिजाइंस पर गौर फरमाना चाहिए और इन्हें स्टाइल करने का तरीका भी सूखना चाहिए।

परफेक्ट पंजाबी लुक देंगे ये सूट डिजाइंस

पटियाला सूट

पंजाब का पटियाला सूट दिखने में बहुत ज्यादा अच्छा लगता है। इसके साथ आप शॉर्ट या फिर लॉन्ग किसी भी तरह की कुर्ती पहन सकती हैं। पतियाला सलवार में अब मोहरी पर भी हैवी वर्क किया जाने लगा है। आपको इस तरह के पटियाला सूट बाजार में मिल जाएंगे और आप अलग से कपड़ा लेकर इन्हें स्टिच भी करा सकती हैं।

अनारकली सूट

अनारकली सूट में आपको एक नहीं कई तरह की वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। आप लॉन्ग, नी-लेंथ और फ्लोर लेंथ कैसे भी अनारकली सूट बनवा सकती हैं या फिर आपको बाजार में पंजाबी स्टाइल में इस तरह के सूट मिल भी जाएंगे। पहले तो अनारकली कुर्ते को चूड़ीदार पैजामे के साथ ही पहना जाता था, मगर अब आपको इसमें सल्वार, प्लाजो, पैंट और शरारा या गरारा भी मिल जाएगा।

चूड़ीदार सूट

चूड़ीदार पैजामें के साथ सूट पहनने का फैशन एक बार फिर से आ गया है। वैसे तो चूड़ीदार के साथ लॉन्ग कुर्ते बहुत अच्छे लगते हैं, मगर अब आप शॉर्ट कुर्तियों के साथ भी चूड़ीदार पैजामें पहन सकती हैं। आप कुर्तियों को बंदगला स्टाइल, डीप नेकलाइन वाला या आप डोरी वर्क वाली कुर्ती भी इसके साथ पहन सकती हैं।

प्लाजो सूट

प्लाजो के साथ भी कुर्तियों के डिजाइन में आपको बहुत सारी वेराइटी देखने को मिलेगी। अब कुर्तियां सिंपल और डिजाइनर प्लाजो भी खूब मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। ऐसे पंजाबी प्लाजो सूट आप किसी अच्छे टेलर से स्टिच भी करा सकती हैं। आप किसी सॉलिड कलर वाली सिंपल कुर्ती के साथ प्रिंटेड प्लाजो पहन कर भी अच्छा लुक पा सकती हैं।

शॉर्ट कुर्ती पंजाबी सूट

शॉर्ट कुर्तियों का ट्रेंड पंजाब से ही आया है और इस तरह की कुर्तियों को आप चूड़ीदार, पटियाला सल्वार, चुन्नट वाली सल्वार या फिर प्लाजो किसी के साथ भी कैरी कर सकती हैं। आजकल तो गरारे और शरारे के साथ भी शॉर्ट कुर्तियों का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। आप इन कुर्तियों में थोड़ा बहुत वर्क करा लेती हैं, तो यह पार्टीवियर हो जाती है।

हैवी पंजाबी सूट

अगर आप हैवी पंजाबी सूट की नई डिजाइंस तलाश रही हैं, तो आपको बता दे कि अब वेल्वेट फैब्रिक के सूट्स काफी ट्रेंड में हैं। इन सूट्स में आपको स्लीव्ज और कुर्ते की हेमलाइन पर हैवी गोटा वर्क मिल जाएगा। वहीं इसके साथ आप पैंट बनवा सकती हैं। और यह पैंट आप ब्रोकेड फैब्रिक की बनवाएंगी तो ज्यादा अच्छा रहेगा क्यों इस फैब्रिक से सूट अपने आप ही हैवी लगने लगता है। इस तरह के सूट के साथ आप हैवी शिफॉन या जॉर्जेट का दुपट्टा कैरी करें। इस दुपट्टे में आप गोटा लगवा सकती हैं।

गरारा पंजाबी सूट

गरारा सूट में भी पंजाबी स्टाइल खूब पसंद किया जाता है। इसमें भी आपको बहुत सारे खूबसूरत डिजाइंस मिल जाएंगे। इन्हें आप किसी भी छोटे बड़े ईवेंट में पहन सकती हैं। इसमें आपको हैवी वर्क वाले गरारे भी मिल जाएंगे और सिंपल लुक के ट्रेंडी गरारों में भी कई डिजाइंस देखने को मिल जाएंगी।

शरारा पंजाबी सूट

शरारा सूट तो कब से ट्रेंड में है और इसमें नई-नई वेराइटी आती ही जा रही हैं। ऐसे में आप भी अगर पंजाबी शरारा सूट पहनना चाहती हैं, तो बाजार में आपको एक से बढ़कर एक डिजाइन मिल जाएंगी। इसमें लाइट वेट फैब्रिक और हैवी फैब्रिक दोनों में ही आपको अच्छी वेराइटी बाजार में मिल जाएगी और आपको इसे किसी भी अवसर में पहन सकती हैं।

लोर लेंथ पंजाबी सूट

लोर लेंथ पंजाबी सूट में भी आपको एक नहीं ढेरों वेराइटी मिल जाएंगी। इसमें भी हैवी और लाइट वर्क का विकल्प होता है। आप इनके नीचे चूड़ीदर पैजामें या फिर डिजाइनर पैंट भी पहन सकती हैं। किसी शादी के फंक्शन या फिर घर के किसी बड़े अवसर पर आपको परफेक्ट एथनिक लुक चाहिए तो फ्लोर लेंथ कुर्ते ऐसे समय के लिए अच्छे होते हैं।

शेयर नहीं पारस पत्थर हैं सरकारी कंपनियों के स्टॉक

▶▶ कई शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है ▶▶ कोचीन शिपयार्ड ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है

रेल विकास निगम में निवेश करने वालों को बंपर मुनाफा हुआ है

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कई ऐसे स्टॉक हैं, जिन्होंने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। इन शेयरों में निवेश करने वाले मालामाल हो गए हैं। इन शेयरों ने काफी कम समय में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आज हम आपको एक ऐसे ही सरकारी कंपनियों के शेयरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इन शेयरों में लगातार तेजी बनी हुई है। यहां हम आपको ऐसे 3 स्टॉक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें निवेश करने वालों को सिर्फ दो साल में ही एक हजार फीसदी से ज्यादा का छप्परफाड़ रिटर्न मिला है। ये शेयर किसी पारस पत्थर से कम नहीं हैं। हालांकि आप शेयर बाजार में किसी भी स्टॉक में बिना जानकारी के निवेश न करें। ऐसा करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें।

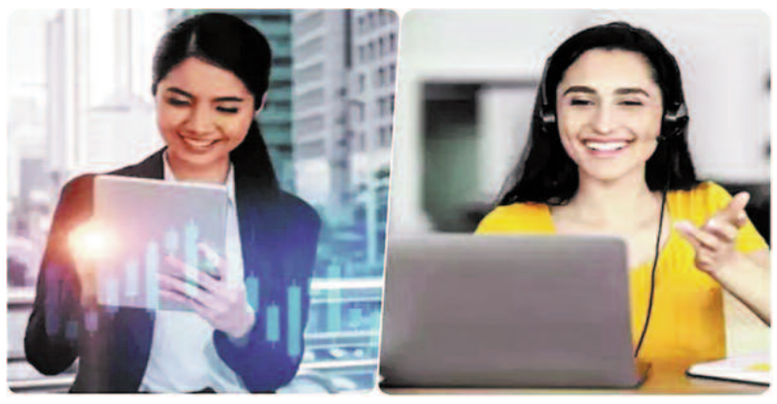

इन शेयरों ने किया मालामाल

निवेशकों को मालामाल करने वाले शेयरों में कोचीन शिपयार्ड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स और रेल विकास निगम शामिल हैं। इन शेयरों में दो साल पहले एक लाख रुपये का निवेश करने वालों की रकम 15 लाख से ज्यादा हो चुकी है। कोचीन शिपयार्ड की बात करें तो इस शेयर ने पिछले 2 वर्षों में निवेशकों को 1200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। यह शेयर बीते शुक्रवार को एनएसई पर 2139 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं। वहीं दो साल पहले की बात करें तो साल 2022 में 24 जून को ये शेयर 155 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस शेयर में निवेश करने वालों को शानदार रिटर्न मिला है।

लगातार बढ़ रहे भाव

बाजार में निवेशकों को बंपर रिटर्न देने के मामले में रेल विकास निगम का शेयर भी शामिल है। दो साल पहले 24 जून 2022 को ये शेयर सिर्फ 30 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं बीते शुक्रवार यानी 21 जून को यह शेयर 409 रुपये के स्तर पर बंद हुआ है। ऐसे में देखें तो इसने बीते दो वर्षों में निवेशकों को 1200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। शेयर में अभी भी तेजी बनी हुई है। अगर किसी ने इस शेयर में दो साल पहले एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी रकम 13 लाख रुपये से ज्यादा हो चुकी होती।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर ने भी निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इसमें निवेशकों को दो साल में 1400 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। साल 2022 में 24 जून को ये शेयर 245 रुपये के भाव पर था। वहीं अभी यह शेयर 3896 रुपये के स्तर पर है। इसमें एक लाख रुपये का निवेश करने वालों को 15 लाख रुपये से ज्यादा का रिटर्न मिला है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रो यूजर्स का बड़ा दावा, कहा पैसा भी कटा और निवेश भी नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रोकरेज कंपनी ग्रो पर एक यूजर ने फ्रॉड का आरोप लगाया है। यूजर ने बताया कि निवेश ना होने के बावजूद अकाउंट से पैसा कट गया। ग्रो की तरफ से इस पूरे मामले में स्पष्टीकरण आया है। वहीं, ग्राहक का पैसा भी रिफंड किया गया है। हनेंद्र प्रताप सिंह नाम के एक ग्राहक ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने लिखा कि अकाउंट से पैसा कटने के बाद भी ग्रो ऐप ने किसी भी म्युचुअल फंड्स में पैसा नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि ग्रो ऐप ने एक गलत फोलियो नंबर बनाया जोकि अस्तित्व में ही नहीं है। हनेंद्र सिंह ने दावा किया जब उनकी बहन ने पैसा निकालने की कोशिश की तब उन्हें पता चला कि कोई निवेश हुआ ही नहीं है। बता दें, उन्होंने इसका स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। लेकिन बाद में इसे डीलीट कर दिया गया। हालांकि, तब तक कई अन्य यूजर्स ने इसे शेयर कर दिया। हनेंद्र ने लिंकडिन पोस्ट में लिखा कि मेरी बहन ने 2020 में पराग पारिख म्युचुअल फंड में ग्रो ऐप के जरिए पैसा लगाया था। तब ट्रांजैक्शन सफल दिखाया था। और एक फोलियो नंबर भी जनरेट हुआ था। लेकिन जब हमने पैसा निकालने की कोशिश तब हमें फ्रॉड का पता चल पाया। उन्होंने बताया कि पराग पारिख में बात करने पर पता चला कि किसी प्रकार का निवेश हुआ ही नहीं है। और जो फोलियो नंबर ग्रो ने दिया है वो अस्तित्व में ही नहीं है। एक ऐसे ही सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में ग्रो ने बताया कि कस्टमर के डैशबोर्ड में गलती से एक फोलिया अपडेट हो गया था। लेकिन किसी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ था। ग्राहक के खाते से कोई पैसा नहीं काटा गया है। ग्रो ने बताया कि 'गुड फेथ' की वजह से उन्होंने उनके खाते में पैसा जमा करवा दिया है। लेकिन कंपनी ने डेबिट की हुई राशि का बैंक स्टेटमेंट मांगा है।

बाजार में कमाई का मौका, वैशाली पारेख ने दी स्टॉक्स को खरीदने की सलाह, लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख और विदेशी कोषों की निकासी के बीच सोमवार को स्थानीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले हैं। शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा काटा जिससे बाजार नीचे आया है। सुबह बाजार खुलने के साथ बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 463.96 अंक गिरकर 76,745.94 अंक पर आ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 149.6 अंक टूटकर 23,351.50 अंक पर आ गया था। हालांकि इसके बाद बाजार में तेजी आई और दोपहर करीब एक बजे बीएसई सेंसेक्स 140 अंकों के उछाल के साथ 77,343 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 36 अंकों की बढ़त के साथ 23,535 के स्तर पर आ गया है। अगर ऐसे बाजार में भी आप कमाई करना चाहते हैं तो शेयर मार्केट एक्सपर्ट वैशाली पारेख की सलाह पर अमल कर सकते हैं। हालांकि आप बिना जानकारी के शेयर बाजार में निवेश न करें। किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले आप एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। ब्रोकरेज फर्म प्रभुदास लीलाधर की टेक्निकल रिसर्च वीपी वैशाली पारेख ने दो स्टॉका का रिकोमेंडेशन किया है।

1 जुलाई से बिल भरने में होगी दिक्कत, कई बैंकों ने अभी तक नहीं किया बीबीपीएस पर रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक ऐप्स के जरिए क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान करने वाले ग्राहकों को 30 जून के बाद मुश्किल हो सकती है। दरअसल, जिन बैंकों और क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सभी कंपनियों ने आरबीआई के भारत बिल पेमेंट सिस्टम पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उनके ग्राहकों के लिए इन ऐप्स से बिल पेमेंट की सुविधा बंद हो जाएगी।

रिजर्व बैंक ने रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 30 जून तय की है। बताया जा रहा है कि अब तक एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस रजिस्ट्रेशन नहीं किया है। इन तीनों बैंकों के पांच करोड़ से अधिक क्रेडिट कार्ड धारक हैं। वहीं, फिनटेक ऐप्स फोन-पे और क्रेड पहले से रजिस्टर्ड हैं। जिन बैंकों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उनके ग्राहक भी फिनटेक कंपनियों के ऐप के जरिए एक जुलाई से बिल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। बताया जा रहा है कि कंपनियों और बैंकों ने समयसीमा को 90 दिनों तक बढ़ाने की मांग की है। अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर बिल भुगतान को सक्रिय किया है, जबकि कुल 34 बैंकों को क्रेडिट कार्ड जारी करने की अनुमति है। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक के सोशल मीडिया मंच एक्स पर आधिकारिक खाते से छेड़छाड़ की गई है।

हिंडनबर्ग पर जमकर बरसे गौतम अडानी, कहा- हमें बदनाम करने के लिए बनाई गई थी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के एजीएम के दौरान समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने सोमवार को निवेशकों को संबोधित किया। भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के बीच अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने सोमवार को निवेशकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की ओर से समूह को बदनाम करने के लिए और अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया।

अदाणी ने कहा कि शॉर्ट-सेलर की ओर से किए गए हमले के बाद लिक्विडिटी हमारे लिए सबसे बड़ी संपत्ति बन गई। धन जुटाने से से बाजार का भरोसा बहाल हुआ, अस्थिरता के खिलाफ पोर्टफोलियो की रक्षा की गई। अदाणी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक संबंधों को तनाव देते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। प्रौद्योगिकी परिवर्तन हमारे जीने और काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। शेयरधारकों के संबोधन का समापन अदाणी ने हम करके दिखाएंगे कहकर किया।

कंपनी के वार्षिक आम बैठक के दौरान अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने कहा कि 2 साल के लिए कर्ज के पुनर्भुगतान को कवर करने के लिए हमने 40,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को बताया कि पिछले 5 साल में समूह का सालाना खर्च तीन गुना हो गया।

गौतम अदाणी ने कहा कि हिंडनबर्ग के आधारहीन दावों से हम प्रभावित हुए। इससे हमारा एफपीओ प्रभावित हुआ। अदाणी ने कहा, चुनौतियों के बावजूद हमने अपने निवेशकों का विश्वास हासिल किया। जीक्यूजी, क्यूआईए, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प ने हम पर भरोसा जताया। हमारी परीक्षा लेने वाली विपरीत परिस्थितियों ने हमें और भी मजबूत बना दिया।

भारतीय बाजार में फिर लौटे विदेशी निवेशक, जून में अब तक किया 12 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूत वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक (21 जून तकत्र भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 12,170 करोड़ रुपए डाले हैं। नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता और सतत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद में एफपीआई का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली थी।

क्या कह रहे आंकड़े

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी (21 जून) 11,194 करोड़ रुपए रही है। मोजो पीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया ने कहा कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। फिडेलफोलियो के स्मॉलकेस प्रबंधक और संस्थापक किसलय उपाध्याय ने कहा, हालांकि आम चुनाव के नतीजे एक तरह से आश्चर्यचकित करने वाले थे लेकिन बाजार स्थिर सरकार के गठन का जश्न मना रहा है।

इस वजह से बढ़ा भरोसा

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इसके अलावा वृद्धि को समर्थन देने वाले बजट की उम्मीद से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,575 करोड़ रुपए डाले हैं।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कहा कि ऊंची ब्याज दरों तथा कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने आर्थिक दृष्टिकोण में, एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ने के साथ भारत की आर्थिक वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से ऊपर की ओर बनी हुई है। एसएंडपी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ऊंची ब्याज दर और राजकोषीय घाटे में कमी से गैर-कृषि क्षेत्रों में मांग में नरमी के साथ चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए, एसएंडपी ने क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया। वित्त वर्ष 2025 के लिए एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तुलना में कम है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति घटने के कारण कारण चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एशियाई विकास बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। चीन के लिए, एसएंडपी ने अपने 2024 के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें क्रमिक मंदी आ सकती है।

क्वांट म्यूचुअल फंड में अपना पैसा लगाने वाले 79 लाख रिटेल इन्वेस्टर्स सेबी के हालिया एक्शन से चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वांट म्यूचुअल फंड में अपना पैसा लगाने वाले 79 लाख रिटेल इन्वेस्टर्स सेबी के हालिया एक्शन से चिंतित हैं। सेबी ने फ्रंट-रनिंग केस को लेकर फंड हाउस के मुंबई मुख्यालय और हैदराबाद में इसके स्वामित्व से जुड़े स्थानों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की है। क्वांट डीलरों और सहयोगियों से पूछताछ की गई है। क्वांट म्यूचुअल फंड में सेबी की जांच एक गंभीर मामला है, लेकिन रिटेल निवेशकों को घबराना नहीं चाहिए। सेबी के साथ सहयोग और पारदर्शिता के लिए फंड हाउस की प्रतिबद्धता एक सकारात्मक संकेत है, जो यह दर्शाता है कि क्वांट म्यूचुअल फंड इस मुद्दे को हल करने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है।

क्वांट म्यूचुअल फंड का ग्रोथ

क्वांट म्यूचुअल फंड ने 27 फंडों को मैनेज करता है। इसकी कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 84,000 करोड़ है और इसके पास 79 लाख फोलियो हैं। फंड के ग्रोथ का अंदाजा इसके ऐतिहासिक आंकड़ों से लगाया जा सकता है, जो पिछले कुछ वर्षों में एयूएम और फोलियो की संख्या दोनों में ग्रोथ दिखाता है।

दिसंबर 2019 में इसका एयूएम 166 करोड़ था और फोलियो की संख्या 19,829 थी। जबकि, दिसंबर 2020 में यह बढ़कर 488 करोड़ हो गया और फोलिया की संख्या भी उछलकर करीब तीन गुना 58,737 हो गया। दिसंबर 2021 में एएमयू 5,455 करोड़ हो गया और फोलियो 6,79,559 पर पहुंच गया। इसके बाद दिसंबर 2022 एएमयू उछलकर 19,39,220 फोलियो के साथ 17,228 करोड़ पर पहुंच गया। मई 2024 में एएमयू 84,000 करोड़ से अधिक हो गया और फोलियो की संख्या उछलकर 79,00,000 पर पहुंच गया।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट, 1133 सस्ता हो गया सोना, सिल्वर 1948 टूटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा मार्केट में आज भारी गिरावट नजर आ रही है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को 24 कैरेट सोना 1133 रुपये सस्ता होकर 71613 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी के रेट 1948 रुपये प्रति किलो टूट कर 88718 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं।

आज 23 कैरेट सोने का रेट जीएसटी के साथ 73465 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। अन्य चार्जेज के साथ यह 80812 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पड़ेगा।

जबकि, 22 कैरेट गोल्ड का भाव जीएसटी समेत 67565 रुपये पर आ गया है। जबकि, ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ने के बाद यह करीब 74322 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से मिलेगा।

18 कैरेट सोने का जीएसटी समेत भाव 55321 रुपये पर है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा समेत इसका भाव 60853 रुपये प्रति 10 ग्राम हो जा रहा है। वहीं, 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत 73761 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। जबकि, चांदी का भाव जीएसटी के साथ 91379 रुपये प्रति किलो पड़ेगा।

मुनाफा देने में सोना, सेंसेक्स, निफ्टी को पछाड़ चांदी सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल निवेशकों को मोटा मुनाफा देने में चांदी सबसे आगे निकल गई है। चालू कैलेंडर वर्ष में 20 जून तक चांदी ने करीब 23 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, सोने ने 14.87 प्रतिशत, सेंसेक्स ने 7.25 प्रतिशत और निफ्टी ने 8.45 प्रतिशत का ही मुनाफा दिया है। इस तरह चांदी निवेशकों को मालामाल करने में सोने और शेयर बाजार से कहीं आगे हैं।

चांदी की कीमत जनवरी की शुरुआत में 75000 रुपये प्रति किलो के आसपास थी, जो 21 जून को खत्म हुए कारोबारी सत्र तक 93,700 रुपये पहुंच गई। मई के महीने में यह 83 हजार रुपये तक पहुंची थी। एक महीने में ही इसकी कीमत में 10 हजार रुपये प्रतिकिलो किलो से अधिक का का इजाफा हो चुका है। इस तरह चांदी ने बीते छह माह में करीब 23 प्रतिशत का मुनाफा निवेशकों को करवाया है।

चांदी के ईटीएफ में भी तेज बढ़ोतरी

बेहतर रिटर्न की वजह से चांदी के ईटीएफ में भी इस साल जमकर निवेश हुआ है। म्युचुअल फंड के संगठन एम्फी के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई 2024 की अवधि में सिल्वर ईटीएफ में 2653 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, गोल्ड ईटीएफ में इस अवधि के दौरान 2460 करोड़ रुपये का ही निवेश आया। चांदी की बढ़ती कीमतों और निवेशकों के रुझान की वजह से मई 2024 तक सिल्वर ईटीएफ का कुल परिसंपत्ति आकार (एयूएम) बढ़कर 7018 करोड़ पहुंच गया, जोकि मई 2023 में 1852 करोड़ रुपये था। सालाना आधार पर इसमें 279 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

तारातला संयंत्र के स्थायी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना स्वीकार की, कंपनी ने यह कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कोलकाता के तारातला कारखाने के सभी स्थायी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) स्वीकार कर ली है। कंपनी के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि संयंत्र के सभी स्थायी कर्मियों द्वारा वीआरएस स्वीकार किये जाने से कंपनी के कारोबारी परिचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने हाल ही में तारातला संयंत्र के सभी स्थायी कर्मचारियों के वीआरएस स्वीकार करने की जानकारी शेयर बाजार को दी थी। तारातला संयंत्र देश में ब्रिटानिया के सबसे पुराने बिस्कुट विनिर्माण संयंत्रों में से एक है। यह जमीन सात दशक से भी अधिक समय पहले तत्कालीन कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट) ने कंपनी को पट्टे पर दी थी।

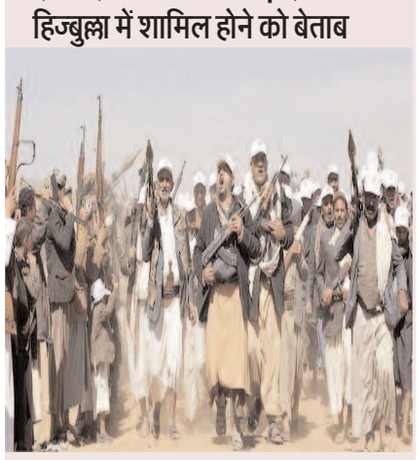

दागेस्तान-माखचकाला में आतंकी हमला; 15 पुलिसकर्मियों समेत कई नागरिकों की मौत, छह हमलावर भी ढेर

दागेस्तान , एजेंसी। रूस के दक्षिणी प्रांत-दागेस्तान में ईसाईयों और यहूदियों के धर्मस्थल (सिनेगॉग) पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने की खबर है। गोलीबारी दागेस्तान के डर्बेंट शहर में हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एपी के हवाले से बताया कि दागेस्तान के गवर्नर ने बताया कि बंदूकधारियों के हमलों में 15 से अधिक पुलिसकर्मियों और कई नागरिकों की हत्या कर दी गई है।वहीं, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में छह आतंकियों को मार गिराया है। हमले में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है।

इन जगहों पर हुआ हमला : एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस के दागेस्तान में रविवार को आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया। क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस मनाया जाएगा। दागेस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर पर स्थित डर्बेंट शहर में एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इससे दोनों जगह आग लग गई। लगभग उसी समय, माखचकाला में एक चर्च और एक यातायात पुलिस चौकी पर हमले की खबरें सामने आईं।

इतने हमलावर मार गिराए : अधिकारियों ने क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया और पांच हमलावरों को मार गिराया। हालांकि, गवर्नर का कहना है कि छह बंदूकधारियों को मार गिराया है। फिलहाल, इसकी स्पष्ट पुष्टि नहीं हो सकी है।

सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया : हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने एक आतंकवादी अधिनियम के आरोप में एक आपराधिक जांच शुरू की। इससे पहले देर रात आई विदेशी मीडिया की शुरुआती खबर में इसे आतंकी हमला बताया गया। फायरिंग में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मी समेत सात लोगों की मौत की खबर आई थी। अब मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 15 हो चुका है। वहीं, हमलावरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान रूस के सुरक्षाबलों ने कई हमलावरों को मार गिराया। एक को हिरासत में लिया रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ञड्डह्यह्य ने कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागेस्तानी के एक अधिकारी को हमलों में उनके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है। मेलिकोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति कानून प्रवर्तन और स्थानीय अधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कसम खाई कि हमलों की जांच तब तक जारी रहेगी जब तक कि आतंकवादियों का पता नहीं चल जाता। उन्होंने बिना सबूत दिए दावा किया कि हमलों की तैयारी विदेश से की गई हो सकती है। छह अधिकारियों और पादरी की मौत इससे पहले हमले के बारे में दागेस्तान लोक निगरानी आयोग के शमील खदुलेव ने बताया था कि चर्च पर हमले में पादरी और छह अधिकारियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक डेरबेंट के चर्च में मारे गए पादरी की पहचान 66 वर्षीय फादर निकोले के रूप में हुई है। आतंकियों ने गला रेतकर इनकी नृशंस हत्या कर दी। चर्च की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी की हत्या गोलीमार की गई। गार्ड के पास केवल एक पिस्तौल थी। माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर आतंकी हमला खबर के मुताबिक आतंकी हमले के बाद यहूदियों के धर्मस्थल की एक मंजिल पर बनी खिड़कियों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें निकलती देखी गई। धुएं का गुबार भी देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को तीन जगहों पर हमले किए गए। माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर हमले की खबरें मिली हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में 12 कानून प्रवर्तन अधिकारी घायल भी हुए हैं। डर्बेंट शहर में हमले के समय ही माखचकाला में भी हमला हुआ अधिकारियों के मुताबिक तीनों जगहों पर हमले के तरीके और समय को देखते हुए ऐसा लगता है कि हमलावरों ने संगठित तरीके से हमले किए। जिस समय डर्बेंट शहर में हमला हुआ उसी समय यहां से करीब 120 किलोमीटर दूर माखचकाला में पुलिस यातायात चौकी पर भी गोलीबारी की गई। इस हमले में एक पुलिसकर्मी के घायल होने की भी खबर है।

फ्रांस में फिर से हिंसा, नौ लोगों की मौत; कई इमारतें आग के हवाले की गईं, कई इलाकों में तनाव

नौमिया , एजेंसी। फ्रांस के न्यू कैलेडोनिया में हिंसा के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। बताया जा रहा है कि रात भर में एक पुलिस स्टेशन और एक टाउन हॉल सहित कई इमारतों में आग लगा दी गई। फ्रांसीसी प्रशांत क्षेत्र में अशांति के बीच अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा की वजह से मेनलैंड, पिंस और मारे द्वीप पर तनाव का माहौल है। यहां आगजनी और सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया। पुलिस को भी निशाना बनाया गया।

हिंसा की वजह क्या : दरअसल, न्यू कैलेडोनिया में मई के मध्य में एक चुनावी सुधार योजना को अमली जामा पहनाने की तैयारी की गई। इसके बाद से यहां दंगे और लूटपाट शुरू हो गई। नई योजना से स्थानीय कनक लोगों के मन में यह डर बैठ गया कि वे स्थायी रूप से अल्पसंख्यक बन जाएंगे और उनकी स्वतंत्रता की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

अब तक कितना नुकसान : इस तनाव में नौ लोग मारे गए हैं। 1.5 बिलियन यूरो (1.6 बिलियन डॉलर) से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। राजधानी नौमिया के उत्तर में डुम्बिया में, पुलिस स्टेशन और एक गैरेज को आग लगा दी गई। इस दौरान चार बख्तरबंद वाहनों ने हालात पर काबू पाने की कोशिश की और काफी मशक्कत के बाद हालात को सामान्य किया। इसके अलावा नौमिया के ड्यूकोस और मैजेंटा जिलों में भी आगनजी की घटनाएं हुई। पुलिस स्टेशन के परिसर, उनके वाहनों के साथ निजी वाहनों को भी जला कर राख कर दिया गया। वहीं, बौरेल में पुलिस और अलगाववादियों के बीच झड़प की खबर सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया।, एएफपी ने बताया।

फ्रांस सरकार ने क्या किया : तनाव के बाद से फ्रांस सरकार ने पेरिस से लगभग 17,000 किलोमीटर (10,600 मील) दूर इस क्षेत्र में 3,000 से अधिक सैनिकों और पुलिस की तैनाती की है। तनाव वाले इलाकों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इससे पहले शनिवार को पिछले महीने हुए दंगों की साजिश रचने के आरोपी समूह से जुड़े सात लोगों पर अभियोग लगाया गया और उन्हें हिरासत के लिए मेनलैंड, फ्रांस भेज दिया गया।

नेतन्याहू ने कहा, गाजा में भीषण लड़ाई जल्द खत्म होगी

यरूशलेम , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के खिलाफ गाजा में भीषण लड़ाई जल्द खत्म होने वाली है। इजरायली चैनल 14 टीवी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि रफा में युद्ध समाप्त होने वाला है। साथ ही उन्होंने कहा, पूरी गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त होने के बहुत करीब है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि नेतन्याहू ने साथ ही ये भी कहा है कि इसका मतलब ये नहीं है कि गाजा पट्टी में चल रहे हमास के साथ संघर्ष का अंत हो जाएगा। हमास के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। नेतन्याहू ने लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध शुरू करने की इजरायल की चेतावनियों का जिक्र करते हुए कहा, गाजा में युद्ध समाप्त होने के बाद, हम उत्तर की ओर बढ़ना जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि इजरायल-लेबनान सीमा पर युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए कोई भी समझौता हमारी शर्तों पर होगा। इजरायल के उत्तर में हिजबुल्लाह-इजरायल के बीच 7 अक्टूबर, 2023 से गोलीबारी चल रही है। उन्होंने कहा कि वह केवल इस समझौते पर सहमत होंगे कि गाजा पट्टी में हमास को पूरी तरह से सत्ता से हटा दिया जाएगा और लगभग 100 बंधकों को रिहा किया जाएगा, जो अभी भी गाजा में कैद में हैं।

लाल सागर में हूतियों का आतंक जारी, व्यापारिक जहाज को बनाया निशाना; हिंद महासागर में भी किया हमला

सना, एजेंसी। यमन के पास रविवार को लाल सागर में एक ड्रोन हमले में एक व्यापारिक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। दो समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की। बता दें कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग पर हमले की घोषणा की है। यमन के हूती पिछले कुछ महीनों से ही लाल सागर में जहाजों पर निशाना बनाकर हमले कर रहा है। उनका कहना है कि वह यह हमला गाजा पट्टी में जारी इस्राइल हमास संघर्ष में फलस्तीनियों के समर्थन में कर रहे हैं। रविवार को हूतियों ने लाल सागर और हिंद महासागर में एक-एक जहाज को निशाना बनाया था।

लाल सागर में हूतियों का हमला ब्रिटेन मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि ताजा हमला यमनी के होदेदा शहर से 120 किमी पश्चिम की तरफ किया गया है। एजेंसी ने बताया कि व्यापारिक जहाज के मास्टर ने अनक्रूड एरियल सिस्टम (यूएएस) की चपेट में आने की रिपोर्ट दी, जिसमें जहाज को नुकसान पहुंचा। उन्होंने आगे कहा, जहाज अपने अगले बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी हमले की जांच कर रहे हैं।

ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे ने बताया कि ग्रीस के जहाज में लाइबेरिया का झंडा लगा था। संयुक्त समुद्री सूचना केंद्र (जेएमआईसी) इस क्षेत्र में पश्चिमी नेतृत्व वाली नौसैनिक टास्क फोर्स के साथ काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया है।

यूकेएमटीओ ने बताया कि रविवार को उन्हें एक दूसरे जहाज से संकटपूर्ण कॉल प्राप्त हुआ। दरअसल, यमन के दक्षिण-पूर्वी तट पर जहाज को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। चालक दल को जहाज छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, यूकेएमटीओ ने अभी तक घटना के कारणों की पुष्टि नहीं की।

हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने रविवार को एक बयान जारी कर बताया कि विद्रोहियों ने दो जहाजों पर एक लाल सागर और दूसरा हिंद महासागर में निशाना बनाया था। शनिवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हूती ठिकनों के खिलाफ जवाबी हमले किए। उन्होंने पिछले 24 घंटों में हूती से संबंधित तीन समुद्री ड्रोन को नष्ट कर दिया।

रूस के दागेस्तान में धार्मिक स्थलों पर हमला, पादरी व सात सुरक्षाकर्मियों की मौत

मॉस्को, एजेंसी। रूस के दागेस्तान क्षेत्र में रविवार को दो ऑर्थोडॉक्स चर्च, एक आराधनालय और एक यातायात पुलिस स्टेशन पर हमला किया गया। हमले में एक पादरी और सात सुरक्षाकर्मी मारे गए। आरटी की रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो हमलावर भी ढेर हो गए। हमले क्षेत्रीय राजधानी माखचकाला और डर्बेंट शहर में हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि अज्ञात हमलावरों ने माखचकाला में धार्मिक इमारतों पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की और फिर एक वाहन में बैठकर भाग गए।

माखचकाला के केंद्र में एक यातायात पुलिस स्टेशन पर भी हमला किया गया। हमले कई पुलिसकर्मी मारे गए। डर्बेंट में भी पुलिसकर्मियों के मारे जाने की खबर है। डर्बेंट में चर्च पर हुए हमले में 66 वर्षीय ऑर्थोडॉक्स पादरी की मौत हो गई। इससे पहले, एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने दावा किया था कि हमलावरों ने पादरी का गला रेत दिया था। डर्बेंट में पुलिस अधिकारियों पर हमले का वीडियो बनाया गया और इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। क्लिप में गोलियों की आवाज़ सुनी जा सकती है, साथ ही सड़क पर पुलिस की गाड़ियां खड़ी दिखाई दे रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सेंट्रल डर्बेंट में अभी भी गोलियों की आवाज़ सुनी जा सकती है। ऑर्थोडॉक्स चर्च के पास पुलिस व हमलावरों के बीच गोलीबारी जारी है।

स्थानीय मुस्लिम नेताओं ने हमलों की निंदा की है। उत्तरी काकेशस मुस्लिम समन्वय परिषद के प्रमुख ने हमलावरों को क्रूर और घृणित जानवर कहा, जबकि चेचन गणराज्य के प्रमुख रमजान कादिरोव ने हमलों को उकसाने वाली कार्रवाई करार देते हुए इसे धर्मों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास बताया।

सऊदी अरब में इस साल 1,301 हाजियों की मौत

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब ने घोषणा की है कि इस साल हज सीजन के दौरान 1,301 तीर्थयात्रियों की मौत हुई, जिनमें से 83 प्रतिशत अपंजीकृत थे। सऊदी प्रेस एजेंसी ने स्वास्थ्य मंत्री फहद अल-जलाजेल के हवाले से बताया कि हीट स्ट्रेस के अनेक मामले सामने आये हैं। उनमें कुछ लोग अब भी इलाजरत हैं। मंत्री ने रविवार को कहा, मृतकों में कई बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि गर्मी से अपंजीकृत तीर्थयात्रियों को सबसे अधिक परेशानी हुई क्योंकि वे बिना किसी आश्रय या आराम के सीधे धूप में लंबी दूरी तक चले थे। सभी पीड़ितों की पहचान कर ली गई है और उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पहचान, दफनाने और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए उचित प्रक्रियाओं का पालन किया गया। अल-जलाजेल ने उच्च तापमान का सामना करने वाले तीर्थयात्रियों के बीच हीट स्ट्रेस के बारे में जागरूकता और तैयारी बढ़ाने के लिए सक्षम अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। समाचार एजेंसी ने शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने घोषणा की कि हज सीजन के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन सफल रहा और महामारी या व्यापक बीमारियों का कोई प्रकोप दर्ज नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि आपातकालीन देखभाल और सर्जरी से लेकर डायलिसिस तक 4,65,000 से अधिक हाजियों को विशेष इलाज प्रदान किये गये। इनमें 1,41,000 अपंजीकृत लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने हज करने के लिए आधिकारिक प्राधिकरण प्राप्त नहीं किया था।

बाइडन-ट्रंप के बीच गुरुवार को होगी पहली राष्ट्रपति बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। अमेरिकी चुनाव 2024 भी 2020 की तर्ज पर बाइडन बनाम ट्रंप लड़ा जाएगा, इसकी संभावना काफी अधिक है। देश की जनता जो बाइडन को अपना कीमती वोट देकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बनाएगी या फिर इस बार डोनाल्ड ट्रंप को चुनेगी, यह सब कई अहम मुद्दों पर निर्भर करेगा। इस बार के अहम मुद्दों में गर्भपात, सीमा सुरक्षा, गाजा युद्ध और गन कल्चर है। माना जा रहा है कि अमेरिका में पिछली बार हुए मध्यावधि चुनाव की तरह इस बार भी गर्भपात का मुद्दा छाया रहेगा। गुरुवार को बाइडन और ट्रंप के बीच होने वाली बहस में यह मुद्दा प्रमुखता से उठेगा। रिपब्लिकन पर मतदाताओं को अलग-थलग नहीं करने का दबाव होगा।

यह है मामला : दरअसल, 24 जून 2022 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के अधिकार को मिली संवैधानिक सुरक्षा खत्म कर दी थी। अदालत ने 49 साल पुराने रो वी वेड केस में दिए गए फैसले को पलट दिया था। वहीं, कुछ राज्यों ने उसी दिन से गर्भपता पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे क्लीनीकों को जल्दबाजी में बंद करने पर मजबूर होना पड़ा।

इस पार्टी को मिल रहा इसका फायदा : गर्भपात के अधिकार को गैरसंवैधानिक करार देने के बाद अमेरिकी महिलाएं रिपब्लिकन पार्टी से नाराज चल रही हैं। यही वजह है कि डेमोक्रेट इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, रिपब्लिकन इससे बचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले चुनाव में गर्भपात का मुद्दा टॉप-10 में भी नहीं था मगर इस बार ये सबसे पहले नंबर पर है।

दो भागों में बंटा देश : पहले से ही राजनीतिक रूप से प्रभावित देश अब दो भागों में बंट गया है। एक तो वे राज्य जिन्होंने गर्भपात पर

प्रतिबंध लगा दिया है या इस तक पहुंच को काफी सीमित कर दिया है। दूसरे वे राज्य, जिन्होंने गर्भपात कराने के महिला के अधिकार के लिए नए संरक्षण उपाय अपनाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से पूरे देश में राजनीतिक हलचल मच गई तथा इसके दुष्परिणाम भी हुए। इस निर्णय के बाद से कंजर्वेटिव गर्भपात तक पहुंच के मुद्दे पर लगभग हर जनमत संग्रह या मतदान हार चुका है। इनमें से कुछ हार उन राज्यों में हुई जो हाल ही में पूरी तरह दक्षिणपंथी हो गए हैं, जैसे कि ओहियो, अलबामा और कंसास। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय डेविस लॉ स्कूल की प्रोफेसर मैरी जिग्लर ने कहा, रो के फैसला पलटने के बाद से गर्भपात अधिकार को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। गर्भपात अधिकार आंदोलन ने पाया कि अमेरिकियों को गर्भपात के अधिकारों के बारे में अधिक परवाह है, जितना कि अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया, वोट पाने के लिए डेमोक्रेट्स इस मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं। उन्हें महिलाओं और युवा मतदाताओं से महत्वपूर्ण समर्थन मिलने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति भी उतरीं समर्थकों को एकजुट करने बाइडन एक कैथोलिक हैं। वह लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर परेशान थे। अब वे गर्भपात के अधिकारों के समर्थक बन गए हैं और उन्होंने इसे अपने पुनर्निर्वाचन अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है तथा कई परिवार नियोजन संगठनों का समर्थन भी प्राप्त किया है। वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपनी पार्टी के समर्थकों को एकजुट करने के लिए महीनों तक देश भर में घूमी हैं। 59 वर्षीय हैरिस मार्च में मिनेसोटा में गर्भपात करने वाले क्लिनिक का दौरा करने वाली पहली उपराष्ट्रपति बनीं। सोमवार को वह एरिजोना में एक कार्यक्रम करेगी। बता दें, नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में एरिजोना एक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। यहां सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। डेमोक्रेटिक गवर्नर केटी हॉब्स ने बाद में 1864 के कानून को निरस्त करने पर हस्ताक्षर किए थे।

संक्षिप्त समाचार

ईरान समर्थित हजारों लड़ाके इजराइल के खिलाफ लड़ाई में हिज्बुल्ला में शामिल होने को बेताब

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित समूहों के हजारों लड़ाकों ने इजराइल के खिलाफ लड़ाई के लिए चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला में शामिल होने की पेशकश की है। ईरान समर्थित गुटों के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने यह जानकारी दी। लड़ाकों का कहना है कि वे हिज्बुल्ला का साथ देने के लिए लेबनान आने को तैयार हैं। अक्टूबर की शुरुआत में हमास नियंत्रित गाजा पट्टी के लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इजराइल पर हिंसक हमला करने के बाद से उत्तरी इजराइल के साथ लगी लेबनान की सीमा पर लगभग रोजाना गोलीबारी हो रही है। इस महीने उत्तरी क्षेत्र में स्थिति तब और खराब हो गई जब दक्षिणी लेबनान में इजराइली हवाई हमले में हिजबुल्ला के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर की मौत हो गई। हिज्बुल्ला ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उत्तरी इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे थे। पिछले दशक के दौरान लेबनान, इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ईरान समर्थित लड़ाकों ने सीरिया के 13 साल के संघर्ष में एक साथ लड़ाई लड़ी है। ईरान समर्थित समूहों के अधिकारियों का कहना है कि वे इजराइल के खिलाफ फिर से एकजुट हो सकते हैं। ईरान समर्थित लेबनानी और इराकी समूहों के अधिकारियों का कहना है कि यदि लेबनान-इजराइल सीमा पर युद्ध छिड़ता है तो पूरे क्षेत्र से ईरान समर्थित लड़ाके इसमें शामिल हो जाएंगे।

टेक्सास के स्टोर में डकैती के दौरान भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या, आठ महीने पहले ही आया था अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास के एक स्टोर में डकैती के दौरान एक 32 वर्षीय भारतीय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस यानी की 21 जून को प्लेजेंट ग्रोव, डलास के गैस स्टेशन सुविधा स्टोर पर घटी। महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ ने इस घटना की पुष्टि की। मृतक की पहचान दसारी गोपीकृष्ण के तौर पर की गई है, जो आंध्र प्रदेश का रहने वाला था। वह आठ महीने पहले ही अमेरिका आया था। गोपीकृष्ण के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मंजूनाथ ने कहा, भारतीय नागरिक दसारी गोपीकृष्ण के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। प्लेजेंट ग्रोव में एक डकैती के दौरान उन्हें गोली मार दी गई थी। हम उनके स्थानीय परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। वाणिज्य दूतावास, भारतीय संघों के साथ मिलकर शव परीक्षण और मृत्यु प्रमाणपत्र सहित स्थानीय औपचारिकताओं के बाद शव को भारत वापस लाने के लिए हर संभव मदद कर रहा है। डकैती के दौरान गोपीकृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गोपीकृष्ण अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहता था। टेक्सास में हुए इस घटना ने डलास में रहने वाले हिंदू समुदाय को बहुत ज्यादा प्रभावित किया।

इराक में हवाई हमलों में सात आईएस आतंकवादी मारे गए

बगदाद, एजेंसी। इराकी सेना ने दावा किया है कि बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकानों पर किए गए दो हवाई हमलों में सात आतंकवादी मारे गए हैं। इराकी संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल की ओर से शनिवार को जारी बयान के अनुसार, इराकी लड़ाकू विमानों ने खुफिया रिपोर्टों के आधार पर प्रांत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक पहाड़ी इलाके में आईएस के ठिकानों और उनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक सुरंग पर दो हवाई हमले किए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, हवाई हमलों में एक प्रमुख व्यक्ति सहित सात आईएस आतंकवादी मारे गए। बयान में हमलों के समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, आईएस के बचे हुए लोग शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ इलाकों में घुस आए हैं और सुरक्षा बलों तथा नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

लुसाने, एजेंसी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच में बेल्जियम के खिलाफ ग्रेट ब्रिटेन की हार के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2023/24 सीज़न की शुरुआत में, इस आयोजन में एक नया प्रोत्साहन जोड़ा गया, जिसमें खिताब विजेता आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधे योग्यता अर्जित करेंगे। नियमों के

अनुसार, बेल्जियम या नीदरलैंड पुरुष या महिला दोनों में से किसी एक का खिताब जीतते हैं, तो उनके पीछे सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली टीम को सीधे प्रवेश मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में 34 अंकों के साथ पुरुष तालिका में पहले स्थान पर है, पहले ही अपने 16 मैच पूरे कर चुका है। ग्रेट ब्रिटेन के आज अंक गिरने से, अब वे अधिकतम 31 अंक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं। जबकि नीदरलैंड, अपने सीज़न में 4 मैच शेष रहते हुए, वर्तमान में 26 अंकों पर है, खिताब की तलाश में बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया को अब खिताब विजेता के रूप में या नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहने की गारंटी है, दोनों उदाहरणों से उन्हें एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में स्थान की गारंटी मिलती है।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने जीते दो कांस्य पदक, भारत ने अपने नाम किए कुल इतने पदक, जानें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में दो कांस्य पदक और जीते। भारत के लिए धीरव बोम्मादेवरा और भजन कौर की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन चार पदक के साथ किया। भारत के लिए इससे पहले शनिवार को ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

भारतीय मिक्स्ड जोड़ी ने वापसी कर जीता पदक -मिक्स्ड डबल्स में तीसरी वरीयता प्राप्त

भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। धीरज ने इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग के क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद देश को एक और पदक दिलाया। उन्होंने इटली के नौवें वरीय मार्को नेस्पोली को 7-3 (28-27, 29-28, 27-28, 28-28, 30-29) से हराया। यह विश्व कप में उनका दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में अपना पहला पदक जीता था। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व ओलंपिक टीम पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन से हार गए थे। सेना के इस जवान को अंतिम चार मैच में 2-6 (29-29, 27-30, 29-29, 27-29) से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

10 साल बाद

सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका

वेस्टइंडीज को हरा तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा

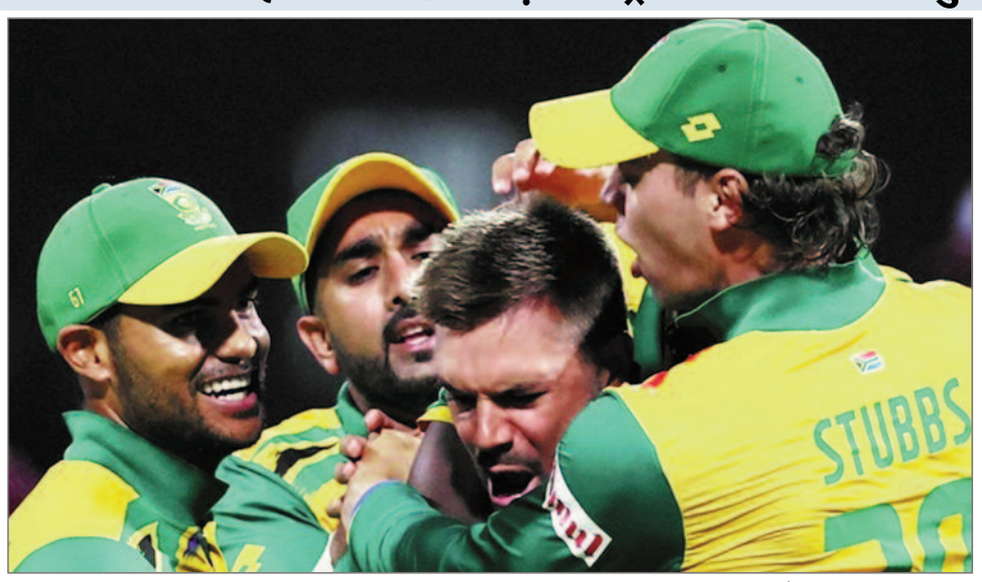

नॉर्थ साउंड, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने 24 जून की सुबह (भारतीय समयानुसार) वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वेस्टइंडीज बनाम साउथ अफ्रीका का यह एंटिगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेला गया। यह मैच बारिश से प्रभावित रहा।

साउथ अफ्रीका ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 135 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की पारी 2 ओवर ही हुए थे कि बारिश आ गई। उस समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 2 विकेट पर 15 रन था। बारिश बंद होने के बाद जब दोबारा खेल शुरू हुआ तो ओवर में कटौती के कारण साउथ अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति के आधार पर जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। पावरप्ले 5 ओवर का कर दिया गया। साउथ अफ्रीका ने यह लक्ष्य 16.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 124 रन बनाकर हासिल किया।

साउथ अफ्रीका की टी20 विश्व कप 2024 में लगातार 7वीं जीत- दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही 10 साल बाद टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले उसने 2014 के संस्करण में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। साउथ अफ्रीका की इस संस्करण यह लगातार 7वीं जीत है। उसने इस जीत के साथ ही श्रीलंका का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

श्रीलंका ने 2009, ऑस्ट्रेलिया ने 2010 संस्करण में जीते थे लगातार 6-6 मैच

श्रीलंका ने टी20 विश्व कप 2009 में लगातार 6 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद 2010 में ऑस्ट्रेलिया ने उसके इस रिकॉर्ड की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप 2021 में लगातार 6 जीत हासिल कीं, लेकिन श्रीलंका के रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया। अब दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया दोनों को पीछे छोड़ दिया।

मेजबान कभी नहीं बन पाया टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन

दक्षिण अफ्रीका से मैच हारने के बाद के बाद सह मेजबान वेस्टइंडीज आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गया। दूसरा सह मेजबान अमेरिका पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। दोनों सह मेजबानों के बाहर होने के साथ ही टी20 विश्व कप से जुड़ा एक मिथक कायम रहा। वह यह है कि मेजबान टीम आज तक टी20 विश्व कप नहीं जीत पाई है।

मंधाना ने रचा इतिहास

- शतक की हैट्रिक लगाने से चूकी स्मृति मंधाना, 3 मैचों में बनाए 343 रन

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ तीसरे वनडे में लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गई। स्मृति ने सीरीज के पहले दो मैचों में 117 और 136 रन बनाए थे। रविवार को तीसरे वनडे में 216 रनों का पीछा करते हुए स्मृति ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी। वह 31वें ओवर में 90 रन बनाकर आऊट हुई और अपने शतक से चूक गईं। स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से यह रन बनाए। तीन वनडे मैचों की सीरीज में इसी के साथ स्मृति के 343 रन हो गए हैं। वह 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

पहले ही मिताली का रिकॉर्ड कर चुकी हैं बराबर- स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में दो शतक लगाए जिसके चलते उन्होंने अपने वनडे करियर में 7 शतक पूरे किए। भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले मिताली राज के नाम पर था। अब इसे स्मृति ने बराबर कर लिया है। महिला वनडे में सबसे ज्यादा 15 शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग के नाम पर हैं जिन्होंने 103 मैचों में ही 15 शतक लगाए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम 13 शतक हैं। इंगलैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की अथापथ्थु, इंगलैंड की टिम ब्यूमोंट और एडवर्ड 9-9 शतक लगा चुकी हैं। अब स्मृति से आगे इंगलैंड की एस टेलर, न्यूजीलैंड की सोफिया डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की के रॉल्टन हैं जोकि 8-8 शतक लगा चुकी हैं।

ऐसा रहा तीसरा वनडे

दक्षिण अफ्रीका को ओपनर लौरा वोल्वार्ड्ट और तजमिन ब्रिट्स ने मजबूत शुरूआत दी। दोनों ने 20 ओवर के अंदर ही स्कोर 102 रन पर ला खड़ा किया। वोल्वार्ड्ट 57 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 61 तो तजिमन 38 रन बनाकर आऊट हुई। मध्यक्रम में नादिन डी क्लार्क ने 26, शंगासे ने 16 तो मिके डी रिडर ने 26 रन बनाकर स्कोर 215 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना के कारण मजबूत शुरूआत की।

वेस्टइंडीज वर्सेस साऊथ अफ्रीका

मैदान पर भयंकर हादसा, बाउंड्री में टकराकर गिरे खिलोड़ी

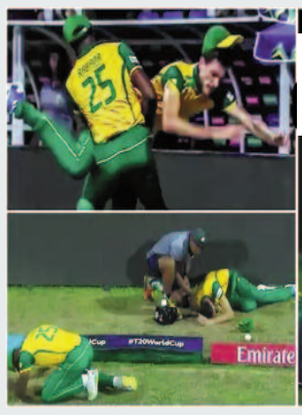

रबाडा और यानसेन के बीच हादसा, मैच रोकना पड़ा

नॉर्थ साउंड, एजेंसी। मेजबान वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में एक दर्दनाक हादसा हो गया। कैच पकड़ने के चक्कर में बाउंड्री पर दो साउथ अफ्रीकी खिलाड़ियों की भयंकर टक्कर हुई, जिसके बाद दोनों ही दर्द से कराहने लगे। थोड़ी देर के लिए मैच भी रोकना पड़ा। अंपायर्स और फिजियो आनन-फानन में बाउंड्री किनारे पहुंचे। दरअसल, सेमीफाइनल के लिहाज से वेस्टइंडीज के लिए बेहद अहम मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया।

रबाडा और यानसेन की टक्कर

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। सात गेंद के भीतर ही कैरेबियाई टीम ने सिर्फ पांच रन पर अपने दो अहम विकेट गंवा दिए थे, जिसमें इन फॉर्म निकोलस पूरन भी शामिल थे। यहां से तीसरे विकेट के लिए काइल मेयर्स और रोस्टन चेज के बीच 65 गेंद में 81 रन की शानदार साझेदारी हुई। दोनों ने मिलकर अपनी टीम को मुश्किलों से उबारा। इस बीच आठवें ओवर में एडन मार्करम की बॉल पर काइल मेयर्स ने बड़ा शॉट लगाना चाहा, गेंद छक्के के लिए बाउंड्री के पार जा रही थी, जिसे लपकने के चक्कर में कागिसो रबाडा और मार्को यानसेन की तेज टक्कर हो गई।

जोस बटलर ने 1 ओवर में जड़े 5 छक्के

इंग्लैंड वर्सेस यूएसए

इंग्लैंड टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में

बारबाडोस, एजेंसी। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के सुपर 8 चरण में इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने बारबाडोस के मैदान पर यूएसए को 10 विकेट से हराकर यह उपलब्धि अपने नाम की। इंग्लैंड को ग्रुप चरण में भी मुसीबत का सामना करना पड़ा था। लेकिन अच्छी किस्मत से वह सुपर 8 में क्वालिफाई हो गए थे। लेकिन सुपर 8 में वह गजब का प्रदर्शन कर रहे हैं। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने सुपर 8 में अपने दूसरे मुकाबले में यूएसए को महज 115 रन पर ही ढेर कर दिया था। जवाब में इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर बल्ले से मुखर रहे। उन्होंने एक ही ओवर में पांच छक्के भी लगाए और 83 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

- यूएसए के लिए स्टीवन टेलर और गौंस ओपनिंग पर आए। लेकिन पहली ही ओवर में गौंस 8 रन बनाकर आऊट हो गए। तभी स्टीवन टेलर और नितिश कुमार स्कोर को 43 रन तक ले गए। स्टीवन 12 रन बनाकर सैम कुरैन का शिकार हो गए। इसके बाद यूएसए के कप्तान आरोन जोंस महज 10 रन बनाकर आदिल राशिद की गेंद पर बोल्ड हो गए।
- यूएसए ने जब 56 रन पर तीन विकेट गंवा लिए थे तो आदिल राशिद ने उन्हें एक और झटका दिया। उन्होंने जमे हुए बल्लेबाज नितिश कुमार (30) को पवेलियन की राह दिखा दी। जिससे यूएसए का बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। मध्यक्रम में हरमीत सिंह ने जरूर 17 गेंदों पर 2 चौके और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए लेकिन बाकी बल्लेबाजी फेल हो गए।
- यूएसए के लिए 19वां ओवर बेहद खरतनाक रहा। गेंद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन के हाथों में थी। जॉर्डन ने पहली ही गेंद पर कोरी एंडरसन को पवेलियन की राह दिखाई जोकि 28 गेंदों पर 29 रन बनाने में सफल रहे थे। इसके बाद जॉर्डन ने तीसरी, चौथी और 5वीं गेंदों पर लगातार विकेट लिए। उन्होंने हैट्रिक पूरी की और यूएसए को 115 रनों पर ही रोक दिया। जॉर्डन इंग्लैंड की ओर से टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप:2024

एक दिन में 2 हैट्रिक...

- पैट कमिंस के बाद क्रिस जॉर्डन का कमाल
- टी20 वर्ल्ड कप में रचा इतिहास

बारबाडोस, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रविवार (23 जून) को इतिहास रचा गया है. इस एक ही दिन में 2 हैट्रिक लगी हैं. पहले ऑस्ट्रेलियाई पेसर पैट कमिंस ने अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली. अब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन ने अमेरिका के खिलाफ हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया है. जॉर्डन ने यह उपलब्धि अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में हासिल की है. मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए अमेरिकी टीम 18.5 ओवर में 115 रन बनाकर ही ढेर हो गई. टीम के लिए नीतीश कुमार ने 30 और कोरी एंडरसन ने 29 रन बनाए.

टी20 वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले इंग्लिश गेंदबाज- मगर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जॉर्डन के आगे अमेरिकी टीम बेबस दिखी. जॉर्डन ने 2.5 ओवर में 10 रन देकर 4 विकेट झटके. इस दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली. जॉर्डन ने यह उपलब्धि पारी के 19वें ओवर में हासिल की. उन्होंने अली खान, नोस्थुश केंजिगे और सौरभ नेत्रवलकर को लगातार गेंदों पर आउट कर हैट्रिक लगाई. जॉर्डन ने ओवर की तीसरी, चौथी और पांचवीं गेंद पर यह तीन विकेट झटके. उनका शिकार होने वाले तीनों प्लेयर खाता नहीं खोल सके.

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा

पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी।

उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है।

उषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद एक्शन में EFA, यूरो मुकाबलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

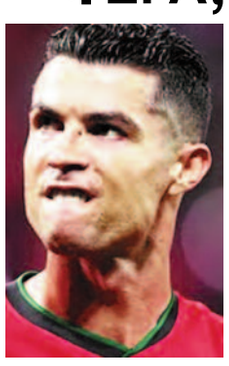

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान शनिवार को चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की।

यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा (श्वस्त्र) ने रविवार को कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे। हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यूएफा ने कहा, पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी।

परिवार की मौजूदगी में की कोर्ट मैरिज

जहीर इकबाल की हुई सोनाक्षी सिन्हा

एक्ट्रेस सोनक्षी सिन्हा ऑफिशियली अपने सात सालों के प्यार जहीर इकबाल की हो गई हैं। 23 जून को कपल ने अपने परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में कोर्ट मैरिज कर ली है। हाल ही में सोनाक्षी और जहीर की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिसमें दोनों दूल्हा-दुल्हन के गैटअप में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं।

सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सोनाक्षी सिन्हा ऑफ व्हाइट साड़ी में दुल्हन बनी हैं। उन्होंने न्यूड मेकअप, माथे पर बिंदी, गले में

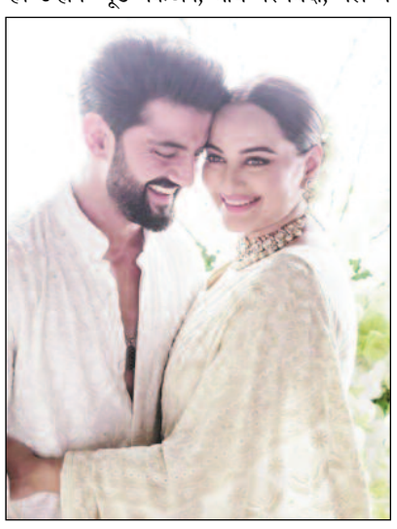

चोकर सेट और लो बन से अपने लुक को कंप्लीट किया है। वहीं जहीर इकबाल भी मैचिंग कलर की शेरवानी में अपनी दुल्हनिया संग ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं।

एक दूजे के रंग में रंगा कपल बेहद प्यारा लग रहा है। कोर्ट मैरिज के दौरान सोनाक्षी अपने पिता शत्रुघ्न सिन्हा का हाथ थामे नजर आ रही ही हैं और जहीर साइन करते हुए बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। शादी रजिस्टर करने के बाद जहीर इकबाल अपनी दुल्हन का हाथ चूमते हुए पोज देते हैं। एक साथ दोनों की जोड़ी बेहद ही खूबसूरत लग रही है। वहीं, अब शादी के बाद कपल आज रात अपने करीबी रिश्तेदारों और इंडस्ट्री के दोस्तों को ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी देने वाला है।

मुझे पता था कि ये सब झूठ हैं...

तनुश्री दत्ता के आरोपों पर नाना पाटेकर ने 6 साल बाद तोड़ी चुप्पी

एक्टर इमरान हाश्मी की एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता मीटू मूमेंट में एक्टर नाना पाटेकर पर आरोप लगाकर खूब सुर्खियों में आई थीं। साल 2018 में तनुश्री ने पाटेकर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। वहीं, अब हाल ही में तनुश्री के इस सब आरोपों पर 6 साल बाद नाना पाटेकर ने चुप्पी तोड़ी है और कहा कि उन्हें पता है कि ये सारे आरोप गलत और झूठे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में नाना पाटेकर ने कहा कि उन्हें शुरू से ही पता था कि तनुश्री दत्ता के लगाए आरोप झूठे हैं, यही वजह है कि उन्हें कभी गुस्सा नहीं आया। उन्होंने कहा, मुझे पता था ये सब झूठ है। इसलिए मुझे गुस्सा नहीं आया। जब सब झूठ था तो मुझे गुस्सा क्यों आना चाहिए? और वो सब बातें पुरानी हैं। वो हो चुकी हैं। उनके बारे में हम क्या बात कर सकते हैं? सबको सच पता था। मैं उस समय क्या कह सकता था, जब ऐसा कुछ हुआ ही नहीं था? अचानक कोई कहता है कि तुमने ये किया, तुमने वो किया। मैं इन सब बातों का क्या जवाब देता? क्या मुझे ये कहना चाहिए था कि मैंने ये नहीं किया? मुझे सच पता है कि मैंने कुछ नहीं किया।

बता दें, तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर, कोरियोग्राफर गणेश आचार्य और डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री पर शोषण का आरोप लगाकर 2018 में भारत में MeToo Movement की शुरुआत की थी। तनुश्री ने अपने बयान में कहा कि 2008 में फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के एक गाने की शूटिंग के दौरान नाना ने उनका यौन शोषण करने की कोशिश की थी। तनुश्री ने कहा था कि गाना एक ही एक्टर पर फिल्माया जाना था, लेकिन फिर भी वह शूटिंग के दिन सेट पर मौजूद रहते थे।

रेस 4 में नजर आएंगे सलमान खान?

रमेश तौरानी ने की फैंचाइजी की अगली किस्त की पुष्टि, जल्द करेंगे घोषणा

थ्रिलर फैंचाइजी रेस अपनी चौथी किस्त के साथ वापस करेगी। फिल्म की तीन किस्तों ने फैंस के बीच खूब धमाल मचाया था। पहले दो किस्तों में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वहीं, तीसरी फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। रेस की अगली किस्त की पुष्टि निर्माता रमेश तौरानी ने की है। हालांकि अभी तक ये नहीं पता है कि क्या सलमान खान रेस फ्रैंचाइजी के साथ अपनी वापसी करेंगे। इसे लेकर रमेश तौरानी ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

रमेश तौरानी ने पीटीआई से बात करते हुए फिल्म की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, अगली रेस किस्त के लिए स्क्रिप्ट तैयार है। हम जल्द ही फिल्म की कास्टिंग की घोषणा करेंगे। कास्ट नई होगी। मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता कि सलमान खान इसका हिस्सा होंगे या नहीं। यह फिल्म साल के अंत तक फ्लोर पर आ जाएगी। अभी यह तय नहीं हुआ है कि इसका निर्देशन कौन करेगा।

खलनायक की भूमिका में दिखे थे बॉबी देओल

रेस में सैफ अली खान, अक्षय खन्ना, कैटरीना कैफ और बिपाशा बसु अहम भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके बाद इसके दूसरे भाग में सैफ अली खान, जॉन अब्राहम, दीपिका पादुकोण और जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म का निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया था। वहीं, सलमान खान स्टारर रेस 3 में सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। बॉबी देओल ने फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाई थी।

इन फिल्मों का भी आएगा सीक्वल

इसके अलावा तौरानी ने भूत पुलिस और सोल्जर के सीक्वल की भी पुष्टि की है। तौरानी ने कहा, हम भूत पुलिस और सोल्जर का सीक्वल भी जल्द बनाएंगे। इस बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। 2021 में रिलीज हुई फिल्म भूत पुलिस में सैफ अली खान और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका में थे। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया था।

अन्नू कपूर ने सरेआम मांगी कंगना रणौत से माफी

थप्पड़ कांड पर टिप्पणी कर बुरे फंसे थे अभिनेता

फिल्म हमारे बारह के प्रमोशन के दौरान अन्नू कपूर से कंगना रणौत के थप्पड़ मामले में प्रतिक्रिया मांगी गई थी। जिस पर अभिनेता ने कहा था, ये कंगना जी कौन हैं? कृपया बताएं ना कौन हैं? जाहिर है आप पूछ रहे हैं तो कोई बहुत बड़ी हीरोइन होगी?

सुंदर हैं क्या? बाद में सम्मेलन में अन्नू कपूर ने समाज में सफल महिलाओं के प्रति धारणाओं पर टिप्पणी की। इसे देखने के बाद कंगना रणौत भी खुद को प्रतिक्रिया देने से नहीं रोक पाईं। कंगना रणौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अन्नू कपूर की प्रेस कॉन्फ्रेंस की एक क्लिप साझा करते हुए लिखा, क्या हम महिलाओं से हमेशा विनम्र होने की उम्मीद करते हैं?

क्या हम पावरफुल महिलाओं को अपमानित करने के लिए दबंग या हावी रहने वाली कहते हैं? फिर चाहें वे बॉस हों या नेतृत्व की स्थिति में हों? अभिनेत्री ने दूसरा सवाल किया, अगर महिलाएं अपनी भावनाओं से ऊपर उठकर कुछ फैसले लेने में सक्षम है तो क्या हम उन्हें जज करते हैं? क्या ऐसी स्थिति में हमें लगता है कि उनमें स्त्रियों वाले गुण नहीं हैं? साथ ही, जो महिलाएं अपनी भावनाओं के आगे झुक जाती हैं, क्या हम उन्हें भी जज करते हैं और सोचते हैं कि वे हार गई हैं? कंगना ने इसके साथ ही दो अन्य सवाल भी पूछे थे।

कंगना की इस प्रतिक्रिया के बाद अन्नू कपूर ने वापस से एक्स पर एक पोस्ट कर अपना पक्ष साफ किया है। अन्नू कपूर ने लिखा है, मीडिया द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर में कुछ अर्थ का अनर्थ निकल रहे हैं, तो सोचा कुछ तथ्य उजागर कर दूं। अन्नू कपूर ने लिखा कि वह टीवी, न्यूज चैनल, ओटीटी और समाचार पत्र नहीं पढ़ते। किसी भी देश की व्यवस्था या कानून व कायदों को न जानकर गलती कर देना अपराध हो सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति विशेष या स्थान को न जानना अपराध नहीं होता।

उन्होंने आगे लिखा, मैं आपको (कंगना को) नहीं जानता और इस बात को आप स्त्री कोटि निरादर की गरिमा में न सम्मलित करें। वहीं अन्नू कपूर ने अभिनेत्री को इस बात की नसीहत भी दी कि मीडिया जब सवाल पूछे, तो समझ जाइए कि उनको मसाला चाहिए, जो उन्हें मेरी बेबाकी से मिल गया। मेरा धर्म और राजनीति से कोई रिश्ता नहीं है क्योंकि धर्म से कोई रिश्ता नहीं है इसलिए अधर्म से भी कोई रिश्ता नहीं। अगर आप मेरी किसी भी बात से खफा हैं, तो मुझे माफ कर दीजिए।

आमिर ने सेवाग्राम में महात्मा गांधी के आश्रम का किया दौरा

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने रविवार को पहली बार महाराष्ट्र के सेवाग्राम का दौरा किया। एक्टर ने बताया कि वह महात्मा गांधी के अनुयायी रहे हैं। साथ ही खान ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अपने ऊपर प्रभाव के बारे में बात की।

महाराष्ट्र में स्थित सेवाग्राम महात्मा गांधी का आश्रम है। 1936 से 1948 में अपनी मृत्यु तक वे यहीं रहे।

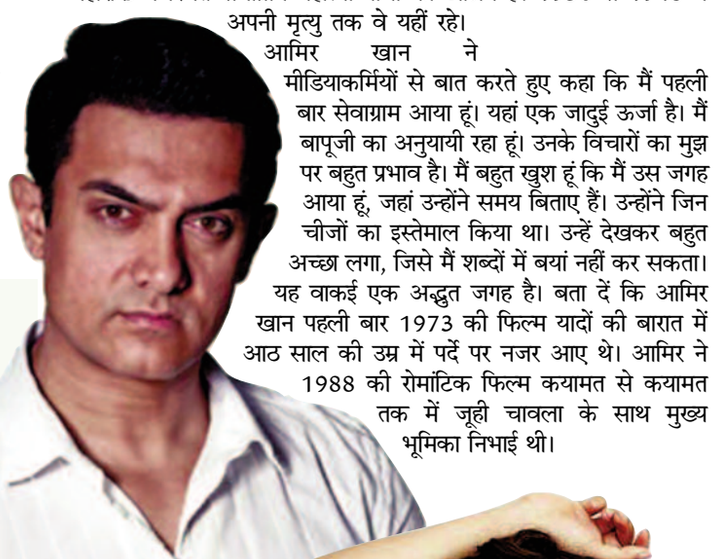

आमिर खान ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मैं पहली बार सेवाग्राम आया हूं। यहां एक जादुई ऊर्जा है। मैं बापूजी का अनुयायी रहा हूं। उनके विचारों का मुझ पर बहुत प्रभाव है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं उस जगह आया हूं, जहां उन्होंने समय बिताए हैं। उन्होंने जिन चीजों का इस्तेमाल किया था। उन्हें देखकर बहुत अच्छा लगा, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह वाकई एक अद्भुत जगह है। बता दें कि आमिर खान पहली बार 1973 की फिल्म यादों की बारात में आठ साल की उम्र में पर्दे पर नजर आए थे। आमिर ने 1988 की रोमांटिक फिल्म कयामत से कयामत तक में जूही चावला के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी।

रामू चाहते थे 'कंपनी' में शाहरुख दाऊद का रोल करें

फिल्ममेकर रामगोपाल वर्मा ने खुलासा किया कि 2002 में रिलीज हुई हिट फिल्म 'कंपनी' में वो शाहरुख खान और कमल हासन को कास्ट करना चाहते थे। वर्मा चाहते थे कि फिल्म में शाहरुख अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का और अभिषेक बच्चन छोटा राजन का रोल करेंगे। वहीं कमल हासन को वो उस रोल में कास्ट करना चाहते जिसे फिल्म में मोहनलाल ने निभाया था। अपने यूट्यूब चैनल पर इस फिल्म की कास्टिंग पर चर्चा करते हुए रामगोपाल ने कहा, 'इस रोल के लिए मेरी सबसे पहली पसंद शाहरुख खान थे। जब मैं शाहरुख से मिला तब बहुत एक्साइटेड था। मैं चाहता था कि वो दाऊद का रोल प्ले करें। पर उनसे मिलकर मुझे लगा कि वो बहुत एनर्जेटिक हैं। मैं उन्हें साइलेंट और ठहरा हुआ दिखाना चाहता था और मुझे लगा कि वो स्क्रीन पर ठहरे हुए बहुत अजीब लगेंगे। उनकी बॉडी लेंग्वेज मेरी फिल्म के लिए सूटेबल नहीं थी तो मैंने उनके साथ बस एक ही मीटिंग की। उनसे दोबारा नहीं मिला।' शाहरुख खान ने कभी किसी फिल्म में रामगोपाल वर्मा के साथ काम नहीं किया। हालांकि उनकी फिल्म दिल से को रामगोपाल वर्मा ने प्रोड्यूस किया। रामू ने आगे कहा, 'एक एक्टर होता है और एक परफॉर्मर होता है। शाहरुख जो हैं वो परफॉर्मर हैं। वो हाइपरएक्टिव रहते हैं।

बढ़े वजन पर यूजर के कमेंट से बुरी तरह भड़की स्वरा भास्कर

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर का ट्रोल होना और ट्रोलर्स पर बरसना कोई नई बात नहीं है। एक्ट्रेस अक्सर किसी न किसी विषय पर अपनी राय देती रहती हैं और अपनी ही टिप्पणियों को लेकर ट्रोल भी हो जाती हैं। अब हाल ही में एक फूड ब्लॉगर ने उनके बढ़े हुए वजन पर सवाल किया तो एक्ट्रेस बुरी तरह भड़क गईं और उन पर पलटवार भी करती नजर आईं। दरअसल, नलिनी नामक फूड ब्लॉगर ने अपने एक्स अकाउंट पर स्वरा भास्कर की दो तस्वीरें शेयर की, जिसमें से एक में वह स्लिम तो दूसरी में वह काफी मोटी दिखीं। इन फोटोज के साथ उसने कैप्शन में लिखा- 'ये खाती क्या है?'

इस पर तिलमिलाई एक्ट्रेस ने रिप्लाई करते हुए लिखा, 'मैं मां बनी हूं, कुछ अच्छा कीजिए नलिनी।' स्वरा भास्कर के रिप्लाई के बाद फूड ब्लॉगर नलिनी ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट की और लिखा कि ये सब तब शुरू हुआ जब एक ट्वीट में उनकी शाकाहारी जीवनशैली को खारिज किया गया। ब्लॉगर ने लिखा कि उनकी शाकाहारी पोस्ट पर वो नफरत फैलाकर उनके रास्ते में आ गईं। नलिनी का कहना है कि वो नियमित रूप से शाकाहार को बढ़ावा देती हैं और इस पोस्ट को भी इसी का हिस्सा बताया। ब्लॉगर ने स्वरा भास्कर पर निशाना साधते हुए लिखा कि उनकी प्रतिक्रिया ने इसे सांप्रदायिक मुद्दा बना दिया और लिखा स्वरा के खाने की पसंद उनकी अपनी है। इससे उनको कोई आपत्ति नहीं। वो शाकाहार को व्यक्त करने के लिए खुद को स्वतंत्र बताती हैं.

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में सान्या को अवॉर्ड

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिसेज' को लेकर चर्चा में है। एक्ट्रेस ने हाल ही में न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में मिसेज में अपनी भूमिका के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। बातचीत के दौरान सान्या ने अवॉर्ड मिलने पर अपना पहला रिएक्शन शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा- सुबह सात बजे मैं उठी थी। देखा मेरे डायरेक्टर आरती और प्रोड्यूसर हरमन बावेजा का मैसेज आया था। मैंने तो सोचा भी नहीं था कि मुझे अवॉर्ड मिलेगा। मैं वहां फिल्म की स्क्रीनिंग के समय नहीं जा पाई थी। मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि पता नहीं लोगों को फिल्म कैसी लगी होगी? जब मुझे अवॉर्ड के लिए बताया गया तो मेरे लिए बहुत ही सरप्राइज मोमेंट था। मैंने सबसे पहले यह बात अपने फैमिली में शेयर की।

-साभार एजेंसी